हिमाचल प्रदेश विधान सभा

विधान सभा की बैठक शुक्रवार, दिनांक 21 अगस्त, 2015 को माननीय अध्यक्ष, श्री बृज बिहारी लाल बुटेल की अध्यक्षता में कौंसिल चैम्बर, शिमला-171004 में 11:00 बजे पूर्वाह्न आरम्भ हुई।

अध्यक्षः आज मानसून सत्र में भाग लेने के लिए मैं आप सभी का हार्दिक स्वागत करता हूं। सभी माननीय सदस्यों से मेरा यह निवेदन रहेगा कि सदन की कार्यवाही को सौहार्दपूर्ण वातावरण में चलाने में मुझे सहयोग दें। मेरा यह भरसक प्रयास रहेगा कि सभी माननीय सदस्यों को सदन के नियमों की परिधि में रहकर अपनी-अपनी बात रखने का पूर्ण अवसर मिले, वहीं मैं सरकार से भी अपेक्षा करूंगा कि वह माननीय सदस्यों द्वारा चाही गई सूचना का उत्तर पूर्णतः दें। इससे पूर्व कि आज की कार्यवाही आरम्भ करें मेरा सभामण्डप में उपस्थित सभी से निवेदन है कि वे राष्ट्रीयगान के लिए अपने-अपने स्थान पर खड़े हो जाएं।

(सभामण्डप में उपस्थित सभी राष्ट्रीयगान के लिए अपने-अपने स्थान पर खड़े हुए।)

/1100/21.08.2015SS/AG/2

शोकोद्गार

अध्यक्षः अब शोकोद्गार होंगे। अब माननीय मुख्य मंत्री स्वर्गीय डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम, पूर्व राष्ट्रपति तथा श्री ज्ञान सिंह नेगी जी एवं श्री बज़ीर चन्द गोमा ,पूर्व सदस्य, हिमाचल प्रदेश विधान सभा के निधन पर शोकोद्गार प्रस्तुत करेंगे।

/1100/21.08.2015SS/AG/2

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, मुझे इस माननीय सदन को यह सूचित करते हुए अत्यन्त दुःख हो रहा है कि पूर्व राष्ट्रपति डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम जी का 27 जुलाई, 2015 को भारतीय प्रबन्धन संस्थान शिलाँग, मेघालय में व्याख्यान के दौरान हृदयगति रूकने के कारण निधन हो गया था। यह माननीय सदन उनके निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है। स्वर्गीय डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम जी का जन्म 15 अक्तूबर, 1931 को रामेश्वरम, जिला रमानाथपुरम, तमिलनाडू में हुआ। स्वर्गीय डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम जी ने वर्ष 1958 में मद्रास इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलोजी से अंतरिक्ष विज्ञान में स्नातक की उपाधि प्राप्त की..

जारी श्रीमती के0एस0

/21.08.20151105/केएस/एजी1/
मुख्य मंत्री जारी---

स्वर्गीय डॉ0 ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी ने वर्ष 1958 में मद्रास इंस्टीच्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी से अंतरिक्ष विज्ञान में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। स्वर्गीय डॉ0 ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी ने एक वैज्ञानिक और विज्ञान के व्यवस्थापक के रूप में चार दशकों तक रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) तथा भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम और सैन्य मिसाइल के विकास के प्रयासों में अपना अमूल्य योगदान दिया। वर्ष 1974 में भारत द्वारा पहले मूल परमाणु परीक्षण एवं दूसरी बार वर्ष 1998 में भारत के पोखरण परमाणु परीक्षण में एक निर्णायक, संगठनात्मक, तकनीकी और राजनैतिक भूमिका निभाई ।

स्वर्गीय डॉ0 ऐ.पी.जे.अब्दुल कलाम जी वर्ष 2002 में भारत के ग्यारहवें राष्ट्रपति चुने गए। पांच वर्ष की सेवा अवधि के बाद वे शिक्षा, लेखन और सार्वजनिक सेवा के अपने नागरिक जीवन में लौट आए।

स्वर्गीय डॉ0 ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी जुलाई, 1992 में भारतीय रक्षा मंत्रालय में वैज्ञानिक सलाहकार नियुक्त हुए। अग्नि मिसाइल और पृथ्वी मिसाइल का सफल परीक्षण का श्रेय भी उन्हीं को जाता है। उनकी देखरेख में भारत ने वर्ष 1998 में पोखरण में अपना सफल परमाणु परीक्षण किया और परमाणू शक्ति वाले देशों की सूची में शामिल हुआ।

स्वर्गीय डॉ0 ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के 79वें जन्मदिन को संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व विद्यार्थी दिवस के रूप में मनाया गया था। इसरो और डी.आर.डी.ओ में कार्यों के दौरान वैज्ञानिक उपलब्धियों के लिए तथा भारत सरकार के वैज्ञानिक सलाहकार के रूप में कार्य हेतु भारत सरकार द्वारा उन्हें वर्ष 198 1में पद्म भूषण और वर्ष 1990 में पद्म विभूषण का सम्मान प्राप्त किया गया। वर्ष 1997में उनको भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रतन से सम्मानित किया गया। यह माननीय सदन स्वर्गीय

/21.08.20151105/केएस/एजी2/

डॉ0 ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी द्वारा देश तथा समाज के लिए की गई सेवाओं की प्रशंसा करता है और उनके निधन पर हार्दिक संवेदना प्रकट करते हुए यह माननीय सदन ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा उनके परिजनों को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना करता है।

अध्यक्ष महोदय, मुझे इस माननीय सदन को यह सूचित करते हुए अत्यन्त दुख हो रहा है कि पूर्व विधायक श्री ज्ञान सिंह नेगी का 4 जून, 2015 को निधन हो गया है। यह माननीय सदन उनके निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

/21.08.20151105/केएस/एजी3/

स्वर्गीय श्री ज्ञान सिंह नेगी का जन्म 27 दिसम्बर, 1927 को किन्नौर जिला के गांव सुन्नम, तहसील पूह में हुआ था। उन्होंने बी.ए., एल.एल.बी. की शिक्षा ग्रहण की। स्वर्गीय श्री ज्ञान सिंह नेगी वर्ष 1991 में जिला किन्नौर के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। वे 10 वर्ष तक जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व 8 वर्ष

तक जिला कांग्रेस कमेटी, किन्नौर के महासचिव रहे। वे वर्ष 1957 से 62 तक पांच वर्ष के लिए स्टेट टैरिटोरियल कॉऊंसिल के सदस्य रहे व वर्ष 1962 से 1967 तक स्टेट लैजिस्लेटिव काऊंसिल के लिए पुनः निर्वाचित हुए ।

अ0व0 द्वारा जारी----

21.8.2015/1110/av/as/1

शोकोद्गार क्रमागत----------
मुख्य मंत्री -------- जारी
वे बी.डी.सी.निचार-कल्पा-पूह के अध्यक्ष तथा डॉ.वाई.एस.परमार युनिवर्सिटी ऑफ फॉरैस्ट्री एण्ड हॉर्टिकल्चर (नौणी) के प्रधान परिषद के सदस्य रहे। इसके अतिरिक्त वे हिमाचल प्रदेश अनुसूचित जाति एवं जनजाति विकास निगम के उपाध्यक्ष और हिमाचल प्रदेश जनजातीय सलाहकार समिति के सदस्य भी रहे। श्री ज्ञान सिंह नेगी जी उन चुनिन्दा बागवानों में से एक थे जिन्होंने जिला किन्नौर में सब लोगों को सेब की बागवानी के लिए प्रेरित किया। यह मान्य सदन स्वर्गीय श्री ज्ञान सिंह नेगी जी द्वारा प्रदेश तथा समाज के लिए की गई सेवाओं की भूरि-भूरि प्रशंसा करता है। उनके निधन पर हार्दिक संवेदना प्रकट करते हुए यह मान्य सदन ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और उनके परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहने की शक्ति देने की प्रार्थना करता है।
21.8.2015/1110/av/as/2

अध्यक्ष महोदय, मुझे इस मान्य सदन को यह सूचित करते हुए अत्यन्त दुःख हो रहा है कि पूर्व विधायक श्री बज़ीर चन्द जी का 29 जुलाई, 2015 को निधन हो गया। यह मान्य सदन उनके निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

स्वर्गीय श्री बज़ीर चन्द का जन्म 18 अक्तूबर, 1932 को जिला कांगड़ा के गांव खजूरनों ,तहसील जयसिंहपुर में हुआ था। उन्होंने दसवीं तक की शिक्षा प्राप्त की थी। स्वर्गीय श्री बज़ीर चन्द वर्ष 1967 में पहली बार हिमाचल प्रदेश विधान सभा के लिए चुने गए और वर्ष 1972 में पुनः निर्वाचित हुए। उनकी ग्राम विकास योजनाओं में विशेष रूचि थी। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में अल्प बचत और परिवार नियोजन योजनाओं को लोकप्रिय बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। ग्राम विकास, बागवानी और फल उत्पादन में उनकी विशेष रूचि थी। यह मान्य सदन स्वर्गीय श्री बज़ीर चन्द जी द्वारा प्रदेश तथा

समाज के लिए की गई सेवाओं की भूरि-भूरि प्रशंसा करता है। उनके निधन पर हार्दिक संवेदना प्रकट करते हुए यह मान्य सदन ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा उनके परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की प्रार्थना करता है।

21.8.2015/1110/av/as/3

अध्यक्ष महोदय, मुझे इस मान्य सदन को यह सूचित करते हुए भी अत्यन्त दुःख हो रहा है कि श्रीमती शुभ्रा मुखर्जी पत्नी महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी का देहान्त 18 अगस्त, 2015 को हो गया है। श्रीमती शुभ्रा मुखर्जी का जन्म बंगलादेश में हुआ था। उनका विवाह महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी से 13 जुलाई, 1957 को हुआ था। वह एक आदर्श गृहणी थी। यह मान्य सदन उनके निधन पर हार्दिक संवेदना प्रकट करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा उनके परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की प्रार्थना करता है।

समाप्त

21.8.2015/1110/av/as/4

श्री प्रेम कुमार धूमल : अध्यक्ष महोदय, जो शोक प्रस्ताव माननीय मुख्य मंत्री जी ने सदन में रखा है मैं उसके साथ अपने दल और अपने आपको भी सम्मिलित करता हूं।

डॉ.अब्दुल कलाम हमेशा भारत के एक आदर्श राष्ट्रपति के तौर पर जाने जायेंगे। उनका दुःखद निधन सारे राष्ट्र के लिए एक बड़े शोक समाचार के तौर पर आया। जैसा उनका विश्वास था लगातार काम करना और एक संयोग ही है कि आसाम में भाषण देते हुए उनका निधन हो गया। यहां उनकी उपलब्धियों का जिक्र विस्तार से किया गया है, मैं उनको दोहराना नहीं चाहता। हम सबको याद होगा कि राष्ट्रपति बनने के बाद उन्होंने इस मान्य सदन को भी यहां से सम्बोधित किया था।

श्री टी.सी. द्वारा जारी

21/08/2015/1115/TC/AS/1

शोकोद्गार----------क्रमागत

श्री प्रेम कुमार धूमल : इस सदन को भी उन्होंने यहां सम्बोधित किया था और उस समय जो 9 पवाँट प्रोग्राम एक मिशन उन्होंने दिया था। वह हिमाचल प्रदेश के विकास के लिए एक बहुत बढ़िया गाईड लाईन का काम कर रहा है। डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम से मैं पहले बार जब उनका चुनाव हुआ और डी0आर0डी0ए0 के क्वाटर में ही रहते थे तो मिला शायद मैं पहला मुख्यमंत्री था उनको बधाई देने वाला राष्ट्रपति बनने पर और मैंने उन्हें कहा अगर आप बुरा न माने तो मैं आपको एक सुझाव दूँ ,उन्होंने कहा कहिए। मैंने कहा डॉ0 साहब आपके बाल बहुत लम्बे हैं, मुंह को ढक लेते हैं और आँखें भी ढक लेते है। अगर आप उचित समझे have a hair cut. उन्होंने कहा- I am considering it. So many other friends have also suggested me so.

दूसरी बार वह यहां विधान सभा में आए, इसके बाद हमीरपुर एन0आई0टी0 में उन्होंने सम्बोधित किया था, तब वे राष्ट्रपति नहीं थे, उनकी सादगी का एक प्रतीक था, वह गगल हवाई अड्डे पर बाई एयर आए, हमने प्रदेश सरकार की ओर से उन्हें आफॅर किया कि आपको हैलीकॉप्टर से हमीरपुर लाते हैं, उन्होंने कहा बाई रोड ही आऊंगा और इसी बहाने कन्ट्री साईड भी देख लूंगा और जब एन0आई0टी0 के स्टेज पर हम इक्कठे हुए तो उनका पहला सवाल था वैसे धूमल मैंने नाईन प्वाँट प्रोगाम हिमाचल के लिए दिया था, क्या उसको फ्लो किया जा रहा है। मैंने कहा उसके प्रयास हो रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, उनको लोग अक्सार कोड करते हैं, लेकिन यह उनकी ही है :
"सपने वह नहीं होते जो सो कर देखे जाते हैं, सपने वह होते हैं जो सोने नहीं देते है"
मैं उनको भावभिनी श्रद्धांजलि भेंट करता हूँ और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि उनकी आत्मा को शान्ति दें। उनके परिवारजनों को और सारे राष्ट्र को यह अपूर्णीय क्षति सहने की शक्ति दें।

21/08/2015/1115/TC/AS/2

ज्ञान सिंह नेगी के बारे में बहुत हमने सुना वह किन्नौर के सम्मानित नेता रहे और यह संयोग ही है कि उनके सुपुत्र आज इस सदन के उपाध्यक्ष हैं। उन्होंने अपने क्षेत्र की

बहुत सेवा की और मैं देख रहा था कि उनका 1927 का जन्म था और उन्होंने हाईली क्वालीफाई बी0ए0 एल0एल0बी0 की शिक्षा ग्रहण की थी और समाज सेवा भी की तथा सेब को वहां किन्नौर में और पॉपुलर करने के लिए बहुत शानदार काम किया। इसके लिए किन्नौर का जनजातीय समाज भी उनका धन्यवादी है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि दिवंगत आत्मा के परिवार को, इस सदमे को सहने की शक्ति दें।

21/08/2015/1115/TC/AS/3

श्री बजीर चन्द जी के बारे में मैं इतना ही जानता हूँ कि वे 1967 व 1972में इस सदन के सम्मानीत सदस्य दो बार रहे और 82 वर्ष की आयु में उनका देहान्त हुआ है। मैं उनको भी श्रद्धांजलि भेंट करता हूँ, अपनी ओर से भी और अपनी पार्टी के सदस्यों की ओर से भी। धन्यवाद।

अगला वक्कता श्रीमती न0स0 द्वारा जारी -----

21/08/2015/1115/TC/AS/4

श्री ईश्वर दास धीमान : अध्यक्ष महोदय, पिछले पिछले सत्र और इस सत्र के बीच महत्वपूर्ण लोगों का देहान्त हुआ, मैं उनको श्रद्धांजलि देता हूँ। शायद ही डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम जैसा व्यक्ति पहले कभी हुआ हो। वे एक महान वैज्ञानिक, दार्शनिक, विचारक एवं लेखक थे। वैज्ञानिक के रूप में उन्हें मिसाइलमैन के रूप में भी जाना जाता है।

श्रीमती न0स0 द्वारा जारी -----

21.08.2015/1120/NS/DC/1

शोकोद्गार-श्री ईश्वर दास धीमान----------क्रमागत

शायद ही इस तरह का व्यक्ति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम इस रूप में पहले हुआ हो। एक महान वैज्ञानिक, दार्शनिक , विचारक, लेखक अपने आप में एक कंपाऊड

पर्सनैलिटी।वैज्ञानिक के रूप में इन्हें मिसाईल मैन के नाम से भी जाना जाता है। इनकी बढ़ाई का उसी बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि जब अटल बिहारी वाजपेयी जी ने जो उस समय के प्रधानमंत्री थे, रात को टैलीफोन पर सूचित किया कि हम आपका नाम राष्ट्रपति पद के लिए और उस पर अन्य पार्टियों से भी चर्चा करेंगे। इनकी महानता देखिए कि इन्होंने उस समय अभी मैं कुछ नहीं कह सकता अपने दोस्तों से, अपने संबधियों से, कुछ एक भारतीयों से विचार-विमर्श करके आपको दो घंटें में इसका उत्तर दूंगा और इन्होंने किया वो दो घंटे में और दो घंटे के बाद उसका उत्तर दिया कि मैं इस के लिए राजी हूं। यह एक ऐसे व्यक्ति के लिए जिसको किसी पद की कोईलालसा नहीं थी। ऐसे लोग बहुत कम संसार में आते हैं। इशारा भी हुआ कि यह सपनों की बात करते थे और इन्होंने जो सपने लिए उनको पूरा भी किया। सपने दिन को न लो, रात को लो लेकिन ऐसे सपने लो जिनको तुम साकार कर सको । इन्होंने ही कहा था कि आसमान की तरफ देखो। आसमान के बीच में सब आपके दोस्त हैं। आप इन पर विश्वास करो। ये आपके सपनों को पूरा करने के लिए मदद करेंगे। इस विश्वास से नौजवानों को भी ललकारा इन्होंने। अरे नौजवानो, अगर आप आगे बढ़ना चाहते हैं, अगर आप इस देश को कुछ देना चाहते हैं ओर तो तीन वो लोग हैं जिन लोगों से आप सीख सकते हैं, देश के लिए, मातृभूमि के लिए और वो लोग हैं पिता, माता और शिक्षक। इनसे जो भी संस्कार मिलते हैं, माता-पिता से मिलते हैं और जो आगे चल करके इन संस्कारों को आगे किया जाता है । वो अध्यापक का काम है। इनके सोचने का ढंग और इनके काम करने का ढंग जिस तरह से यह संदेश नौजवनों को दे गए कि लग्न। लग्न से काम करो आपको सफलता प्राप्त होगी। चलिए ऐसा भी कहा कि अपना आज कुर्बान कर दो। सभी के लिए यह आह्वान किया कि अपना आज कुर्बान कर दीजिए इस लिए कि आने

21.08.2015/1120/NS/DC/2

वाली पीढ़ी जो है वो उसका लाभ उठा सके। हम एक अच्छा भारत बना सकें। उन्होंने राजनेताओं को भी ललकारा और नौजवानों से आह्वान किया कि आप अगर भ्रष्टाचार को इस देश से मिटाना चाहते हैं तो भ्रष्टाचार कैसे मिटेगा। एक अपने ही उदाहरण

श्री नेगी द्वारा जारी------

21.08.2015/1125/negi/DC/1

श्री ईश्वर दास धीमान जारी...

अपने ही उदाहरण से आप भ्रष्टाचार को मिटा पाएंगे और कोई ऐसा तरीका नही है । यह सीख भारत को ही नहीं बल्कि विश्व को और विश्व के नौजवानों को दे करके वह यहां से चले गए हैं। उनका स्वप्न था और उन्होंने कहा है कि अगर आपको अपना अस्तित्व साबित करना है, अगर आपको अपना लोहा मनवाना है तो विदेशों से आपके संबंध मुधुर होने चाहिए। अगर अपना लोहा मनवा करके आप बाकी देशों के पास जाओगे, विभिन्न देशों की मदद करोगे और जो विकसित देश हैं उनसे मदद लोगे तो ही दुनिया में बराबरी ला सकोगे। उन्होंने यह भी कहा कि याद रखो ताकत वालों का मुकाबला ताकत वाले ही कर सकते हैं और वह ताकत भारतवर्ष में पैदा करो और सारी दुनिया में सर्वोच्च दर्जा प्राप्त करो। ऐसे व्यक्ति को एक अध्यापक की तरफ से एक अध्यापक को हृदय से यह श्रद्धांजलि। ईश्वर उनके परिवार को सांत्वना और साहस दे और स्वर्ग में उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

अन्य दो लोग भी इस अर्से में गुज़र गए हैं। श्री ज्ञान सिंह नेगी, मैं तो व्यक्तिगत तौर पर शायद उनको जानता नही हूं लेकिन उस समय, उस दुर्गम क्षेत्र किन्नौर से चुन करके आना वह अपने आप में ही महत्व है । पिछड़े हुए क्षेत्र का उन्होंने विकास किया, अपनी पहचान बनाई और इस प्रदेश को भी अपनी सेवाएं उपलब्ध करवायीं हैं।

इसके साथ ही स्वर्गीय बज़ीर चन्द जी कांगड़ा से कभी विधायक रहे होंगे। विकट परिस्थितियों में उस क्षेत्र से प्रतिनिधित्व करना उस समय यह एक बड़ा काम था । वह भी अपने समय में अपने क्षेत्र के और इस प्रदेश की सेवा करते रहे । मैं इन तीनों गुज़रने वाले शख्सियतों को अपनी तरफ से अपनी पार्टी की तरफ से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि इनकी आत्माओं को स्वर्ग में शांति प्रदान करें, धन्यवाद।

21.08.2015/1125/negi/DC/2

सिंचाई एवं जन-स्वास्थ्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, आज हमें बहुत दुःख होता है कि स्वर्गीय डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम आज़ाद साहब, पूर्व राष्ट्रपति हमारे बीच नहीं रहे। उनका जन्म 15 अगस्त, 1931 को रामेश्वरम, जिला रामनाथमपुरम, तामिलनाडू में हुआ था। इन्होंने वर्ष 1958 में मद्रास इंस्टीट्युट ऑफ टैक्नोलौज़ी से अंतरिक्ष विज्ञान में

स्नातक की उपाधि प्राप्त की थी और एक वैज्ञानिक के रूप में 4 दशकों तक रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) को भारत के नागरिक अंतरिक्ष कार्यक्रम और सैन्य मिसाईल के विकास के प्रयासों में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है। सभी देश इस बात के लिए उन्हें हमेशा याद रखेंगे कि वह किस किस्म के व्यक्ति थे और कैसे सम्मान वाले आदमी थे। ये सब यादें सभी के दिलों में हमेशा रहेगा। उन्होंने वर्ष 1974 में भारत द्वारा पहले परमाणु परीक्षण में, दूसरी बार वर्ष 1998 में भारत के पोखरन परमाणु परीक्षण में एक निर्णायक, संगठनात्मक, तकनीकी और राजनीतिक भूमिका निभायी। वह जुलाई 1992 में भारतीय रक्षा मंत्रालय में वैज्ञानिक सलाहकार नियुक्त किए गए। अग्नि मिसाईल और पृथ्वी मिसाईल का सफल परीक्षण का श्रेय उन्हीं को जाता है । आज डॉ0 कलाम जी के 79वें जन्म दिन को संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व विद्यार्थी दिवस के रूप में मनाया गया है। उन्हें वर्ष 1980 में पदम भूषण और 1981 में पदम विभूषण सम्मान प्रदान किया गया और वर्ष 1997 में भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान "भारत रत्न" उन्हें प्रदान किया गया है । इतना गौरव इनको मिला है। इस दुःख की घड़ी में हम सब शामिल होते हैं । स्वगीय डॉ0 अब्दुल कलाम साहब वर्ष 2002 में भारत के राष्ट्रपति चुने गए।

श्रीमती यू.के.द्वारा जारी...

21/1130/08.2015.यूके/एजी/1

सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य मंत्री ---**जारी**---

2002 में भारत के 11वें राष्ट्रपति चुने गए और 83 वर्ष में आयु मे दिनांक 27 जुलाई, 2015 को भारतीय प्रबन्धन संस्थान, शिलांग, मेघालय में व्याख्यान के दौरान उनका हृदय गति रुकने के कारण निधन हुआ । यह बहुत ही बड़ा झटका देश को लगा । मैं स्वर्गीय डा0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम, पूर्व राष्ट्रपति के निधन पर संवेदना व्यक्त करती हूं और भगवान से प्रार्थना करती हूं कि वह दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे । उनका नाम सदा जीता रहे । एक और बात मैं इस माननीय सदन को अत्यंत दुख से कह रही हूं कि श्रीमती शुभ्रा मुखर्जी, पत्नी माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी का देहांत 18 अगस्त, 2015 को हो गया है । श्रीमती शुभ्रा मुखर्जी का जन्म, नारेल, बंदलादेश में हुआ था । उनका विवाह माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी से 13 जुलाई 1957 को हुआ था ।

ये एक आदर्श ग्रहणी थीं । मैं उनके परिवार को जानती हूं और मुझे याद आता है कि उनकी संगीत में बेहद रुचि थी और वे बहुत अच्छा गाती थीं और सारा जीवन उन्होंने उसी में लगाया । इसके अलावा घर में बच्चों और परिवार कैसे देखना उसको भी वह बहुत अच्छे से करती थीं । इस किस्म की महिला थीं वो । मैं उनके उनके निधन पर इस माननीय सदन में अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करती हूं । ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा उनके परिजनों को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति के लिए मैं प्रार्थना करती हूं ।

इसके साथ-साथ स्वर्गीय श्री ज्ञान सिंह नेगी जी, हमारे बहुत ही पुराने विधायक रहे, बहुत काबिल थे । स्वर्गीय श्री ज्ञान सिंह नेगी जी का 87 साल में निधन हो गया । हम समझ सकते हैं कि वे कितने साल तक रहे हैं और उन्होंने बहुत अच्छे काम किए हैं । वे गांव सुन्नम तहसील पूह, जिला किन्नौर हिमाचल प्रदेश के थे और उन्होंने उस समय बी0ए0, एल0एल0बी0 किया था । उनके पुत्र तो यही बैठे हैं ,श्री जगत सिंह नेगी जो आज के वर्तमान में जनजातीय क्षेत्र से आए हैं और विधायक तथा उपाध्यक्ष के पद पर आसीन हैं, जनजातीय जिले से आए हैं और एक पुत्री है । मैं जानती हूं तथा हमे गौरव है कि श्री ज्ञान सिंह नेगी जी 1951 से जिला किन्नौर से भारत राष्ट्रीय कांग्रेस के संस्थापक थे । सदस्यों में वे एक सबसे बड़े विशेष व्यक्ति थे । वे 10 वर्ष तक जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व 8 वर्ष तक जिला कांग्रेस कमेटी

21/1130/08.2015.यूके/एजी/2

किन्नौर के महासचिव भी रहे । इसी तरह से बहुत लम्बा समय उन्होंने निकाला । और स्टेट टेरिटोरियल कौंसिल के लिए भी वे 1962 से 1967 तक के लिए निर्वाचित हुए । डा0 वाई0एस0 परमार यूनिवर्सिटी आफ फोरेस्ट्री एंड हार्टिकल्चर नौणी के परिषद के सदस्य भी वे रहे हैं । इसके अतिरिक्त वे हिमाचल प्रदेश अनुसूचित जाति एवं जनजाति विकास निगम के उपाध्यक्ष रहे और जनजातीय सलाहकार समिति के सदस्य भी रहे । सामाजिक जीवन उनका बहुत अच्छा रहा । चुनिंदा बागवानों में से एक थे जिन्होंने किन्नौर जिला में सेब की बागवानी के लिए लोगों को प्रेरित किया था। आज हम इस बात का दुख है कि इनका निधन 4.6.2015 को हुआ । इस तरह वे एक अच्छे व्यक्ति थे जो हमेशा याद रहेंगे ।

इसके अलावा स्वर्गीय श्री वजीर चन्द जी का 82 साल की आयु में निधन हो गया । वे 18.10.1932 में गांव खजूरन, तहसील जयसिंह पुर, जिला कांगड़ा हिमाचल प्रदेश में उनका जन्म हुआ । वे दसवीं उत्तीर्ण थे । उनके 3 पुत्र व एक पुत्री जिसमें से एक पुत्र का

देहांत हो चुका है । स्वर्गीय वजीर चन्द जी वर्ष 1967में हिमाचल प्रदेश विधान सभा के लिए चुने गए थे । तत्पश्चात् वर्ष 1972 में पुनःनिर्वाचित हुए । स्वर्गीय श्री वजीर चन्द ने ग्राम विकास योजनाओं में विशेष रूचि ली है और हमेशा गांवों में अल्प बचत और परिवार नियोजन को लोकप्रिय बनाने में उनकी बहुत सहायता रही है ।

एस0एल0एस0 द्वारा जारी----

21.08.2015/1135/SLS-AG-1

श्रीमती विद्या स्टोक्स, माननीय सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य मंत्री... जारी

और गांवों में अल्प बचत व परिवार नियोजन आदि योजनाओं को लोकप्रिय बनाने में हमेशा उनका योगदान रहा। उन्होंने ग्राम विकास, बागवानी और फलोत्पादन को भी प्रोत्साहन दिया। उनका निधन दिनांक 29.07.2015 को हुआ है। उनके निधन से हम सबको दुख हुआ है। उनके कार्य हम सबको हमेशा याद रहेंगे।

जब हमारे बीच में से ऐसे लोग चले जाते हैं तो हम सबको इस बात का दुख होता है। जाना तो सबको ही है।

मैं इन दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करती हूं।

समाप्त

21.08.2015/1135/SLS-AG-2

श्री यादविन्द्र गोमा : अध्यक्ष महोदय, जो यह शोक प्रस्ताव माननीय मुख्य मंत्री द्वारा सदन में लाया गया है, मैं भी इस शोक प्रस्ताव में अपने आपको सम्मिलित करता हूं और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना करता हूं।

पूर्व विधायक बज़ीर चन्द जी मेरे जयसिंहपुर विधान सभा क्षेत्र से संबंध रखते थे। मैं विशेष तौर पर उनके बारे में ही कहना चाहूंगा। उनका जन्म 18 अक्तूबर, 1932 को कांगड़ा जिले के खजुरनुं गांव में हुआ। उस समय यह विधान सभा क्षेत्र राजगीर विधान सभा क्षेत्र के नाम से जाना जाता था जो पुनर्सीमांकन के बाद अब जयसिंहपुर हो गया है। जब वे राजनीति में आए तो 1967 में पहली बार इस माननीय सदन के सदस्य बनें। उसके बाद 1972 में वह पुनः इस माननीय सदन के सदस्य बने। वह एक समाज सेवी गरीब परिवार से निकल कर आए थे। रिस्ते में वह मेरे दादा लगते थे। मेरे पिता जी का

गांव भी खजुरनुं ही था। जब भी हम खजुरनुं जाया करते थे तो हमें भी उनसे बातचीत करने का मौक़ा मिलता था। आज वे 83 वर्ष की आयु में स्वर्ग सिधारे हैं। मैं उनके निधन पर इस शोक प्रस्ताव में अपने आपको सम्मिलित करता हूं और हार्दिक संवेदना प्रकट करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा उनके परिजनों को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए प्रार्थना करता हूं।

अध्यक्ष महोदय ,मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

समाप्त

21.08.2015/1135/SLS-AG-3

अध्यक्ष : स्वर्गीय डॉ० ए० पी० जे० अब्दुल कलाम, जो भारत के पूर्व राष्ट्रपति थे , मिसाइल मैन के नाम से भी जाने जाते थे। उन्होंने एक साँइटिस्ट के रूप में भारतवर्ष की रक्षा पंक्ति को बड़ा मज़बूत और सुरक्षित किया। उनको बच्चों और विद्यार्थियों से बड़ा प्यार था। उनका सादगी भरा जीवन था और वह सादगी के लिए प्रसिद्ध थे। मैं बड़े आदर से उनकी दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि देता हूं।

श्री ज्ञान सिंह नेगी जी जो हमारे डिप्टी स्पीकर साहब के पिता जी थे, उनके निधन पर भी मैं शोक व्यक्त करता हूं। श्री ज्ञान सिंह जी बड़ी सादगी से किन्नौर में रहे। वह टैरिटोरियल कौंसिल के मैंबर रहे और डॉ० वाई० एस० परमार युनिवर्सिटी ऑफ हार्टिकल्चर एंड फोरैस्ट्री की सीनेट के मैंबर भी रहे।

जारी ..श्री गर्ग द्वारा

21/08/2015/1140/RG/AS/1

अध्यक्ष महोदय-----क्रमागत

वाई.एस. परमार विश्वविद्यालय के सीनेट के मेम्बर भी रहे। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय क्षेत्र किन्नौर में लोगों को शिक्षित करने में और वहां सेब के उत्पादन में उन्होंने बहुत प्रयास किया। वे एक बहुत ही अच्छे इन्सान थे। उनके प्रति भी मैं अपनी संवेदनाएं प्रकट करता हूं।

2/-

21/08/2015/1140/RG/AS/2

इसके अतिरिक्त विधान सभा के पूर्व सदस्य श्री बज़ीर चन्द जी जोकि वर्ष 1967 में विधान सभा के सदस्य बने। वे सादगी से रहते थे और उनकी विचारधारा भी बहुत सख्त थी। वे अपने विचारों को बहुत सख्ती से निपटाया करते थे। एक बार विधान सभा में किसी मंत्री जी से उनकी बहस हो रही थी। उन्होंने कहा कि आप तो आज मंत्री बने हैं ,लेकिन मैं पैदाइशी ही बजीर हूं। उनकी ऐसी स्ट्रौंग विल थी।

इन दिवंगत आत्माओं के प्रति जो उल्लेख सदन में प्रस्तुत किए गए हैं उनमें मैं भी अपने आप को शामिल करता हूं तथा शोक-सन्तप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट करता हूं। इस माननीय सदन की भावनाओं को शोक-सन्तप्त परिवारों तक पहुंचा दिया जाएगा।

अब मैं सदन में उपस्थित सभी से निवेदन करुंगा कि वे दिवंगत आत्माओं को श्रद्धा-सुमन अर्पित करने के लिए अपने-अपने स्थानों पर कुछ क्षणों के लिए मौन खड़े हो जाएं।

(सदन में उपस्थित सभी अपने-अपने स्थानों पर कुछ क्षणों के लिए मौन खड़े रहे।)

21/08/2015/1140/RG/AS/3

अध्यक्ष : अब माननीय मुख्य मंत्री एक वक्तव्य देंगे।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, इस मॉनसून सत्र में मैं आप सबका स्वागत करता हूं। सत्र अच्छे ढंग से और नियमानुसार चले, इसके लिए मैं आपके सहयोग की अपेक्षा करता हूं। यह सत्र की शुरूआत से पहले मुझे दो बातें विशेष रूप से कहनी हैं।

कल विधान सभा के माननीय अध्यक्ष महोदय के कक्ष में एक बैठक हुई थी जिसमें परम्पराओं से हटकर मैंने और विपक्ष के नेता प्रो. प्रेम कुमार धूमल जी ने भी हिस्सा लिया था। इसमें कुछ बातें चर्चा में आईं जिनके अनुरूप मुझे यह कहना है कि श्री नैनादेवी के विधायक और उनके सहयोगियों के खिलाफ पिछले दिनों एक हादसे को लेकर दर्ज हुए मसले को पुनः इसके ऊपर विचार करके सरकार जल्दी ही वापस लेना चाहती है और लेगी।

पिछले दिनों ऊना की एक जनसभा के दौरान कही गई जिन टिप्पणियों पर भाजपा ने ऐतराज जताया था। वैसे तो मैं पहले ही प्रैस के माध्यम से या मीडिया के माध्यम से उनको वापस ले चुका हूं ,परन्तु फिर भी इस माननीय सदन में भी मैं उनको वापस लेता हूं।

उम्मीद है कि अब इस बात को लम्बा न खींचते हुए हम सदन की कार्यवाही सौहार्दपूर्ण तरीके से एक-दूसरे को सम्मान देकर चलाएंगे। धन्यवाद।

अध्यक्ष महोदय शुरू एम.एस. द्वारा

एम.एस. द्वारा जारी

21/08/2015/1145/MS/AS/1

अध्यक्ष : प्रश्नकाल आरम्भ

स्थगित प्रश्न संख्याः 1643

श्री इन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय ,जो सूचना सभा पटल पर रखी गई है, उसको स्कैन करने से ऐसा लगता है कि भूतपूर्व सैनिकों के साथ यह सरासर अन्याय है। पिछले तीन सालों मे 3030 वैकेन्सीज अंगेस्ट भूतपूर्व सैनिकों के लिए इयरमार्क्ड थी। उनमें से केवल 744पद भरे गए हैं। मैं आपको बताना चाहता हूं कि जिला सिरमौर में क्लास थ्री और फोर (स्थाई) के लिए 44 वैकेन्सीज थीं और तीन सालों में इनमें से सिर्फ एक वैकेन्सी भरी गई। जिलाधीश कार्यालय ऊना के ऑफिस में 29 वैकेन्सीज थी लेकिन कोई भरी नही गई। जिला कांगड़ा में 48 वैकेन्सीज थी, कोई नहीं भरी गई। जिला चम्बा में 34 वैकेन्सीज थी, कोई नहीं भरी गई। जिला मण्डी में क्लास थ्री और फोर में 96वैकेन्सीज थी लेकिन कोई भरी नहीं गई। इससे लगता है कि पिछले तीन सालों में जो अन्याय सरकार ने भूतपूर्व सैनिकों के साथ किया है, वह बहुत ही निन्दनीय है। आपने 15 प्रतिशत कोटा सरकारी नौकरियों में भूतपूर्व सैनिकों के लिए रखा है। उनमें भी जब एप्वायंटमैंट मिल जाती है तो प्लेसमैंट के लिए विभाग दो-दो, तीन-तीन महीने ले लेते हैं बल्कि कभी-कभी तो छः-छः महीने ले लेते हैं। इसके अलावा भी भूतपूर्व सैनिकों के

साथ एक और अन्याय किया जाता है। जो यह बैकडोर एंर्टी होती है। जैसे पी0टी0ए0 के माध्यम से टीचर्स रख रहे हैं या एस0एम0सी0 के माध्यम से पीरियड बेस्ड टीचर्स रखे गए हैं, उनमें भूतपूर्व सैनिकों के लिए कोई कोटा नहीं है। अभी 1241 टीचर्स एस0एम0सी0 के माध्यम से रखे गए। उसमें 186 पद भूतपूर्व सैनिकों के लिए 15 परसेंट कोटे के हिसाब से होने चाहिए थे । मैं समझता हूं कि इतना बड़ा अन्याय सरकार को भूतपूर्व सैनिकों के साथ नहीं करना चाहिए। दूसरा, मेरा मंत्री जी से यह भी निवेदन है कि जब फौजी रिटायर होता है तो उसकी उम्र 38 या 40 साल होती है। उसके बाद जब उसको नौकरी मिलती है, तब तक उसकी उम्र 45 या 50 साल हो जाती है। फिर उसके बाद पांच या सात साल उसको अनुबंध पर रखा जाता है। जब तक उसकी सर्विस रेगुलर होती है, तब तक उसकी रिटायरमैंट के दो-तीन साल बचे होते हैं। इस तरह से उसको कोई लाभ नहीं मिलता है। मैंने पिछली बार भी माननीय मंत्री जी से यह प्रश्न किया था और इन्होंने

21/08/2015/1145/MS/AS/2

आश्वासन दिया था कि हम इसके बारे में सोचेंगे। अब सरकार के दो साल और बचे हैं पता नहीं ये कितनी बार सोचेंगे, इस बात को यही जानें? मगर यह भूतपूर्व सैनिकों के साथ अन्याय है, इसमें कोई दो राय नहीं है। मंत्री जी स्वयं भी फौज से ही है। मेरे ख्याल में इनको तो फौजियों के लिए ज्यादा सहानुभूति होनी चाहिए। जो फौजी 35-40 साल की उम्र में रिटायर हो जाता है, उसके लिए केवल-मात्र यह 15 परसेंट ही नौकरी के लिए आसरा है जो प्रदेश सरकार देती है। लेकिन इसमें भी उनके साथ अन्याय होता है। इसलिए मेरा मंत्री जी से अनुरोध रहेगा कि जो-जो बातें मैंने उठाई हैं, उसके बारे में वे अपना स्पष्टीकरण दें। धन्यवाद।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने कुछेक बहुत ही अहम मुद्दे उठाए हैं जोकि हमारे भूतपूर्व सैनिकों से संबंधित हैं। अगर इनको गहन चिन्तन के बाद नजदीक से देखा जाए । know there are 3030 posts जो पूछे गए पीरियड में वैरियस डिपार्टमैंट्स की खाली रही हैं। उनमें से केवल 744 पद ही भरे गए हैं और and for 935 posts, the process is on जो मैं समझता हूं कि हमारी सरकार की वचन-बद्धता को दोहराती है। यह ठीक है कि जो माननीय सदस्य ने

कैटेगरीज बताई है, जो टी0जी0टी0 टीचर्स या लैक्चरर्ज होते हैं, उनको ढूंढने में काफी दिक्कत होती है।

जारी श्री जे0के0 द्वारा------

21.8.2015/1150/जेएस/डीसी/1

प्रश्न संख्याः 1643:-----जारी-----

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रीः-------जारीः-----

जो टी.जी.टी. टीचर्ज या लैक्चर्ज होते हैं उनको ढूंढने में काफी दिक्कत होती है। There are lot of policy matters on the issues अगर हम ध्यान से देखें ,इसीलिए वे रिक्तियां काफी समय से भरी नहीं जाती । अब जो हमारे हाल ही के निर्देश हैं उनमें दो साल तक तो हम फिर भी वेट करते हैं लेकिन तीसरे साल उनके आश्रितों को like their sons, daughters and wives, they are also entitled. वे भी नहीं होते हैं ,तो अगली पोस्टें हम जारी करते हैं। उसके बाद वही मुसीबत उसके साथ होती है जब हम खास कर आयुर्वेदा के डॉक्टर्ज के लिए जाते हैं या असिस्टैंट इंजीनियर्ज they are deficient because of certain technical qualification. These posts cannot be filled by people for not meeting the eligibility criteria. मैं माननीय सदन का ज्यादा समय नहीं लूंगा लेकिन यदि हम आयुर्वेदा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, प्रारम्भिक शिक्षा विभाग और खासकर पशु-पालन, कृषि या पुलिस विभाग को देखें तो आपको नज़र तो आएगा कि बैकलॉग है but you cannot really fill in the post with people who are not fulfilling the eligibility criteria. अलिजिबिलिटी क्राइटेरिया का एक खास कारण मुझे नज़र आया जिसकी वज़ह से हम इन पोस्टों को भर नहीं पा रहे हैं । जहां तक हमारा सैनिक विभाग हमीरपुर में जो स्थापित है ,उसका सवाल है, उन्होंने तो ऑनलाइन भी इम्प्लॉयमैंट सैल जारी कर दिया है। With the permission of the Chair, I would like to inform the House that we have one Director and seven Deputy Directors who are looking after the jobs for the last couple of months और जो कॉन्टैक्चुअल अमाऊंट हमारे उप-निदेशक का है वह 35000/-रूपये बढ़ा दिया गया है। माननीय मुख्यमंत्री, श्री वीरभद्र सिंह जी की अध्यक्षता में ,मैं समझता हूं कि मैं जब कभी भी किसी बिन्दू को ले कर ,सैनिक विभाग से सम्बन्धित मैटर्ज लेकर उनके पास गया,

कभी भी ऐसा नहीं हुआ कि सहानुभूतिपूर्वक विचार नहीं हुआ । माननीय सदस्य की चिन्ता कि मैं भी स्वयं आर्मी से हूं , I do realize how we are treating our ex-servicemen, but I can assure you that in addition, 30 posts are being filled which have not been filled for the last couple of years like Sainik Rozgar Coordinator which will help us to strengthen the

21.8.2015/1150/जेएस/डीसी/2

Sainik Welfare Department. We are doing our level best. My heart goes to the ex-servicemen when we see their condition, but we have to be sure that we fill in a post with eligible candidate.

श्री रविन्द्र सिंहः माननीय अध्यक्ष महोदय, वैसे तो माननीय मंत्री जी ने बड़ा विस्तृत उत्तर दिया है और जो इन्होंने यहां पर विषय रखा है, यह सही है कि क्लास-I और क्लास-II, इन पोस्टों के लिए तो आपको ट्रेंड या उन पोस्टों के मुताबिक आपको भर्ती करनी होगी, लेकिन यहां पर 3 030पोस्टों में से आप देंखेंगे कि उसमें से क्लास-III की 2434 और क्लास-IV की 345 पोस्टें खाली हैं। मैं विभागों के बारे में नहीं कहूंगा कि किस-किस विभाग में कितनी-कितनी पोस्टें हैं, लेकिन इन क्लास-III और क्लास-IV की पोस्टों को भरने का सरकार तुरन्त निर्णय ले सकती है, उसमें क्या दिक्कत आ रही है इस बारे में माननीय मंत्री जी बताएं? भूतपूर्व सैनिक वैलफेयर डिपार्टमैंट है, इसी में 47 पोस्टें क्लास-III की खाली है और 9 पोस्टें क्लास-IV की खाली हैं। ये विभाग जो बाकियों को सेवा दे रहा है वहीं पर यह स्थिति है तो अन्य विभागों की क्या होगी? मैंने एक-एक विभाग की अलग से डिटेल निकाली है। आप क्लास-III और क्लास-IV को भरें क्योंकि हमारे सैनिक जब रिटायर होते हैं और जिनकी 16 साल की सर्विस होती है उसके बाद वहां से उनका रिटायर कर देते हैं और उनको वहां पर परमोशन नहीं मिलती है। उनको इन पोस्टों के ऊपर रखा जा सकता है क्या ऐसा कदम माननीय मंत्री जी उठाएंगे?

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रीः माननीय अध्यक्ष महोदय, जो माननीय सदस्य ने प्रश्न उठाया है कि क्लास-III और क्लास-IV को भरने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। कुछेक कॉंस्ट्रेंट भी होते हैं कि पूरी की पूरी पोस्टें हम हर विभाग में नहीं भर

सकते हैं। उन बातों को मध्यनजऱ रखते हुए यह सभी विभागों में होता है यदि हम ध्यान से देखें तो पीछे जितने भी दूसरे विभाग आप देखे रखे हैं, मैं आपको आश्वासन भी दे सकता हूं।

श्री एस.एस. द्वारा जारी--------

/1155/21.08.2015SS/DC/1

प्रश्न संख्याः 1643 क्रमागत

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री क्रमागतः

मैं आपको श्रेणीवार ब्योरा भी दे सकता हूं कि हमने फिर भी 4 श्रेणी-I i.e. Class-I, श्रेणी-III 208 और श्रेणी-IV में 23, कुल 235 भरे हैं और जो कंट्रैक्चुअल एप्वाइंटमैंटस हैं उनमें भी हमने 22 श्रेणी-I में, 486 श्रेणी-III में और एक क्लास-IV में, कुल 509 भरे हैं। इसीलिए मैंने आपको 544 का टोटल दिया था। And as I have told you that 30 posts have been sanctioned for Sainik Welfare Department and the process is on. उस प्रोसैस में थोड़ा-सा समय लगता है। आप देखेंगे कि जब इसका हरेक डिपार्टमैंट के लिए विभाजन किया जायेगा तो ये पोस्टस भरने से स्थिति में काफी सुधार होगा। But I am fully aware with your concern कि हम लोगों को ज्यादा-से-ज्यादा अपने एक्स-सर्विसमैन को ये नौकरियां देनी चाहिएं और यह काम किया जा रहा है।

श्री इन्द्र सिंहः माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से फिर पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार सोचेगी कि जो फौजी रिटायर हो जाते हैं, after 2-3 years of regular service, क्या उनको कंट्रेक्ट के बजाय रेगुलर रखने पर विचार करेगी?

दूसरी बात, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि हमीरपुर में क्लास-III और क्लास-IV की क्या वेटिंग लिस्ट है? कितनी वेटिंग लिस्ट है जो आपको क्लास-III और क्लास-IV के लिए आदमी नहीं मिल रहे हैं?

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो चिन्ता व्यक्त की है मैं उससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं। इसके बारे में पहले भी हमारा कैबिनेट में विचार-विमर्श हो चुका है । जो आपने चिन्ता बताई है कि जिनकी ऐज़ लगभग रिज़नेबल होती है उनको तो कम-से-कम मौका मिले कि कभी वे भी रेगुलर बन सकें, इस विषय पर भी सरकार विचार करेगी।

प्रश्न समाप्त

/1155/21.08.2015SS/DC/2

प्रश्न संख्याः 1690

श्री सतपाल सिंह सत्तीः अध्यक्ष महोदय, मैंने हिमाचल प्रदेश के विभिन्न विभागों के अन्तर्गत जितने भी रैस्ट हाउस व निरीक्षण हट चलती हैं उन पर पिछले तीन सालों में रिपेयर के लिए कितना पैसा लगा, उसकी जानकारी मांगी थी। सरकार के द्वारा विभिन्न विभागों, विभिन्न बोर्डों या एटोनोमस बॉडीज़, कारपोरेशन शिमला के अन्तर्गत जितने भी रैस्ट हाउसिज़ आते हैं उनका ब्योरा दिया गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार का ध्यान इसकी ओर दिलाना चाहता हूं कि रिपेयर के नाम पर रैस्ट हाउसिज़ में किस तरह का धंधा चला हुआ है। उसके दो-तीन उदाहरण देकर मैं आदरणीय मुख्य मंत्री जी से चाहूंगा कि वे इसके बारे में विस्तार से बातचीत रखें। पी0डब्ल्यू0डी0, रैस्ट हाउस, भड़सर में है, उसमें 6 कमरे हैं। जहां पर पी0डब्ल्यू0डी0 का ब्योरा है उसमें यह सीरियर नम्बर-164 पर है। 37 लाख 64 हज़ार रुपया 6 कमरों की रिपेयर पर लगा है। बंगाणा में रैस्ट हाउस है, वीरेन्द्र कंवर जी मेरे साथ माननीय सदस्य बैठे हैं, वहां पर मात्र 2 कमरे रहने लायक हैं, टोटल 5 कमरे हैं। 22.54 लाख रुपया उसकी रिपेयर पर लगा है। भरवाईं में 6 कमरे हैं, 3 कमरे रहने लायक हैं उसमें 15.22 लाख रुपया रिपेयर पर लगा है। मुख्य मंत्री महोदय, इसमें प्रश्न का बड़ा विस्तार से उत्तर है, मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहता हूं कि इतना पैसा कहां-कहां खर्च हुआ? क्या मुझे इसका मदवार उत्तर मिलेगा? मैंने तीन का ब्योरा दिया है, अगर मुख्य मंत्री महोदय विस्तार से उत्तर दे देंगे तो अच्छा रहेगा कि क्या-क्या काम इन कमरों के अंदर हुआ है और इतना पैसा कहां पर लगा है?

जारी श्रीमती के0एस0

/1200/21.08.2015केएस/एजी/1

प्रश्न संख्याः 1690 जारी----

श्री सतपाल सिंह सत्ती जारी---

इतने में तो नया रैस्ट हाऊस बन जाना था, यह मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं।

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, जहां तक मेरा विधान सभा या लोक सभा के बारे में तुजुर्बा है, मैं समझता हूं कि जो यह प्रश्न पूछा गया है, जितना विस्तृत उत्तर इस प्रश्न का दिया गया है, शायद मैंने पहले कभी नहीं देखा। कई पेजों का यह उत्तर है और इसको करैक्ट करने में समय लगा है, पैसा खर्च हुआ है। आपने एक विशेष रैस्ट हाऊस के बारे में बात की है, उसमें कितना खर्चा हुआ, यह तो मैंने बता दिया लेकिन जो आपने पूछा कि किस-किस मद पर खर्च हुआ, यह सूचना अभी मेरे पास नहीं है । अगर आप मुझे इस बारे में लिखेंगें तो रैस्ट हाऊसिज़ के बारे में जो भी आप सूचना चाहते हैं अवश्य आपको भेज दी जाएगी।

प्रश्न समाप्त

प्रश्नकाल समाप्त

/1200/21.08.2015केएस/एजी/2

अध्यक्षः रविन्द्र सिंह जी, क्या आप कुछ बोलना चाहते हैं?

श्री रविन्द्र सिंहः जी, अध्यक्ष महोदय। एक तो मेरा आपसे निवेदन है कि आज हमारे काफी माननीय सदस्यों को प्रश्नों के उत्तर यहीं पर प्राप्त हुए हैं, कोई हार्ड कॉपी प्राप्त नहीं हुई। मेरा निवेदन है कि सभी की भावनाओं के मध्यनज़र सभी को अपने-अपने प्रश्न की हार्ड कॉपी मिल जाया करें, ये सभी आज हार्ड कॉपी से वंचित रह गए हैं और अपने उत्तर पढ़ नहीं पाए, मैं भी नहीं पढ़ पाया। यहां आकर उत्तर देखने में अभी हमें समय लगता है। एक तो मैं यह बताना चाहता हूं।

अध्यक्षः रवि जी, मैंने ही यह फैसला किया है। मेरा सभी माननीय सदस्यों से निवेदन है कि प्रश्नों के जो उत्तर विभिन्न विभागों से आ रहे हैं, वे इंटरनैट पर भी आ रहे हैं और यहां पर सभा पटल पर हमने चार कॉपियां भी रखी हैं।

श्री रविन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, बहुमत में माननीय सदस्य कह रहे हैं कि अभी इसको बन्द न किया जाए, अभी इसके लिए समय लगेगा। यह अच्छी बात है कि हि0प्र0 विधान सभा डिज़िटल के मामले में हिन्दुस्तान में नं0-। पर आ गई है लेकिन क्योंकि अभी हम इस सम्बन्ध में अनाड़ी हैं इसलिए हमें एक हार्ड कॉपी जरूर चाहिए । इसलिए मेरा आपसे निवेदन है कि इतनी जल्दी इसको बन्द न करें ।

अध्यक्षः ठीक है, जिस भी मैम्बर का प्रश्न होगा, उनको हार्ड कॉपी उपलब्ध करवा देंगें।

/1200/21.08.2015केएस/एजी/3

श्री रविन्द्र सिंहः ठीक है, अध्यक्ष महोदय। उसी को मिल जाए। आज सभी को यह कॉपी नहीं मिली है। दूसरा, मेरा आपसे एक और निवेदन है कि एक जो पिछले कल की कार्यवाही कल रात को आपने हमें भेजी है उसमें एक शुद्धिपत्र भेजा गया है जिसमें सचिव महोदय की तरफ से यह लिखा है कि तारांकित प्रश्न संख्या 2187 को "शहरी विकास मंत्री" की जगह "उद्योग मंत्री" पढ़ा जाए जबकि आज प्रश्न ही 2168 से आपके शुरू हुए हैं। तो इसके बारे में भी बताएं कि यह क्या है, इसमें भी शुद्धि करने की आवश्यकता है। धन्यवाद।

/1200/21.08.2015केएस/एजी/4

साप्ताहिक शासकीय कार्यसूची बारे वक्तव्यः

अध्यक्षः अब माननीय मुख्य मंत्री जी, माननीय सदन को इस सप्ताह की शासकीय कार्यसूची से अवगत करवाएंगें।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं इस माननीय सदन को इस सप्ताह की कार्यसूची से अवगत करवाता हूं जो इस प्रकार हैः-

शुक्रवार, 21 अगस्त, 2015 - शासकीय एवं विधायी कार्य

/1200/21.08.2015केएस/एजी/5

स्वीकृत विधेयक सभा पटल पर

अध्यक्षः अब सचिव, विधान सभा सदन द्वारा पारित उन विधेयकों की एक-एक प्रति सभा पटल पर रखेंगें जिन पर महामहिम राष्ट्रपति/राज्यपाल महोदय की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है।

सचिव :अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से निम्न विधेयकों की एक-एक प्रति सभा पटल पर रखता हूं जिन्हें सदन द्वारा पारित किए जाने के उपरान्त महामहिम राष्ट्रपति/राज्यपाल महोदय की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी हैः-

1. हिमाचल प्रदेश विनियोग विधेयक, 2015 (2015 का अधिनियम संख्यांक 11);

2. हिमाचल प्रदेश विनियोग (संख्यांक 2) विधेयक, 2015 (2015 का अधिनियम संख्यांक 12);

3. शिमला की सड़कों का उपयोग करने वालों तथा पैदल चलने वालों के लिए (लोक सुरक्षा और सुविधा) संशोधन विधेयक, 2015 (2015 का अधिनियम संख्यांक 22);
)/21.021.08.2015केएस/एजी/6

4. हिमाचल प्रदेश ग्राम शामलात भूमि निधान और उपयोग (संशोधन) विधेयक, 2015 (2015का अधिनियम संख्यांक 21);

5. हि0प्र0 अधीनस्थ न्यायालय कर्मचारी (वेतन भत्ते और सेवा शर्तें) संशोधन विधेयक, 2015 (2015का अधिनियम संख्यांक 19);

6. हि0प्र0 मूल्य परिवर्धित कर (संशोधन) विधेयक, 2015 (2015का अधिनियम संख्यांक 13);

7. हि0प्र0 सहकारी सोसाइटी (संशोधन) विधेयक 2015 (2015 का अधिनियम संख्यांक 20);
8. हिमाचल प्रदेश नगर और ग्राम योजना (संशोधन) , 2015 का अधिनियम संख्यांक 14);
9. हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) 2015 ,(2015 का अधिनियम संख्यांक 15);
10. मन्त्रियों के वेतन और भत्ता (हिमाचल प्रदेश) /1200/21.08.2015केएस/एजी/7

    संशोधन विधेयक, 2015 (2015का अधिनियम संख्यांक 17);
11. हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष वेतन संशोधन विधेयक, 2015 (2015का अधिनियम संख्यांक 18);

12. हिमाचल प्रदेश विधान सभा (सदस्यों के भत्ते और पेन्शन) संशोधन विधेयक, 2015 (2015का अधिनियम संख्यांक 16); और

13. हिमाचल प्रदेश लोकायुक्त विधेयक, 2014 (2014 का अधिनियम संख्यांक 23) ।

/1200/21.08.2015केएस/एजी/8

कागजात सभा पटल पर

अध्यक्षः अब माननीय मुख्य मंत्री कुछ कागज़ात सभा पटल पर रखेंगें।

मुख्य मन्त्री :अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से निम्नलिखित दस्तावेज़ों की एक-एक प्रति सभा पटल पर रखता हूंः-

(1) भारत के नियन्त्रक एवं महालेखापरीक्षक (डी0पी0सी0) अधिनियम, 1971 की धारा 19(ए) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम सीमित का 42वां वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2013-14 (विलम्ब के कारणों सहित)ः और

(2) हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास और रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 2002 की धारा 64 की उपधारा(2) के खण्ड (च) और (छ) के परन्तुक के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश वायु क्रीड़ा (एअरो स्पोर्टस) संशोधन नियम, 2015 जोकि अधिसूचना संख्याः-टी0एस0एम0-एफ(6)-3/2001-II दिनांक 21.07.2015 द्वारा अधिसूचित तथा शासकीय राजपत्र में दिनांक 22.07.2015 को प्रकाशित।

/1200/21.08.2015केएस/एजी/9

अध्यादेश

अध्यक्षः अब आबकारी एवं कराधान मन्त्री, भारत के संविधान के अनुच्छेद 213 (1) के परन्तुक के अन्तर्गत राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, द्वारा दिनांक 24.06.2015 को प्रख्यापित, हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर संशोधन अध्यादेश, 2015 (2015 का अध्यादेश संख्यांक 2) की प्रति उन परिस्थितियों के स्पष्टीकरण के कथन सहित जिनके कारण उक्त अध्यादेश का प्रख्यापन आवश्यक हुआ, (हिन्दी-अंग्रेजी पाठ) सभा पटल पर रखेंगें।

अ0व0 की बारी में-

21.8.2015/1205/ag/av/1

आबकारी एवं कराधान मन्त्री : अध्यक्ष महोदय, मैं भारत के संविधान के अनुच्छेद 213 (1) के परन्तुक के अन्तर्गत राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, द्वारा दिनांक24 .06.20 15को प्रख्यापित, हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर संशोधन अध्यादेश, 2015(201 5का अध्यादेश संख्यांक2) की प्रति उन परिस्थितियों के स्पष्टीकरण के कथन सहित जिनके कारण उक्त अध्यादेश का प्रख्यापन आवश्यक हुआ, (हिन्दी-अंग्रेजी पाठ) सभा पटल पर रखता हूं।

नियम-62 के अन्तर्गत ध्यानाकर्षण प्रस्ताव

अध्यक्ष : अब माननीय सदस्य श्री रविन्द्र सिंह जी नियम-62 के अन्तर्गत अपना ध्यानाकर्षण प्रस्ताव रखेंगे और माननीय मुख्य मंत्री जी उसका उत्तर देंगे।

श्री रविन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे इस मान्य सदन में नियम-62 के अंतर्गत एक अत्यन्त महत्वपूर्ण विषय उठाने के लिए समय दिया, इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, यह मामला बड़ा संवेदनशील है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि यह विषय सरकार के ध्यान में भी आ चुका है। पहले तो मैंने कहीं देखा नहीं था लेकिन पिछले कल से मैंने ऑल इण्डिया रेडियो में सुना और कुछ समाचार पत्रों में भी पढ़ने को मिला है। यह घटना 9 तारीख से शुरू हुई। मेरे विधान सभा क्षेत्र के गांव मानगढ़, तहसील देहरा से श्री अरुण शर्मा और धर्मशाला से श्री रिजुल गिल 7 तारीख को ट्रैकिंग के लिए बस के द्वारा वाया चम्बा होते हुए पांगी के लिए रवाना हुए। चम्बा से वे जिस बस में चले वह रास्ते में कहीं खराब हो गई। जहां बस खराब हुई या लहासा गिरा हुआ था वहां पीछे से एक गाड़ी आ रही थी। वे उसमें बैठकर वहां से पांगी के लिए रवाना हो गए। वे पांगी में 8 तारीख को पहुंचे। रात को उन्होंने वहां एस.एच.ओ. पांगी से सम्पर्क किया। एस.एच.ओ. ने उनको पांगी के किसी रैस्ट हाउस में ठहराया। 9 अगस्त की सुबह ही उन्होंने वहां से अपनी ट्रैकिंग शुरु की। वे पांगी से चलते हुए झांसकर के लिए जो कि जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिला में पड़ता है वहां उन्होंने वाया गुलाबगढ़ पहुंचना था। चलते-चलते जब वे वहां से झांसकर के लिए निकले तो सुचम पास जो वहां से 4-5 किलोमीटर की दूरी पर था उसको पास किया। वहां से बुझवास और बकरवां डेरा होते हुए रोहा बेस कैम्प में गये। वहां पर वे शायद 11 तारीख को पहुंचे। जब वे वहां पर पहुंचे तो मेरे विधान सभा क्षेत्र से गये युवक श्री अरुण शर्मा की अचानक तबीयत खराब हो गई। दूसरा रिजुल गिल नामक व्यक्ति

21.8.2015/1205/ag/av/3

जो धर्मशाला से गया था वह उसके साथ डेढ़ दिन रहा। मगर जब उसने देखा कि उसकी तबीयत लगातार बिगड़ती जा रही है तो उसको भी लगा कि यहां पर मेरा रहना भी उचित नहीं है। अगर मैं यहां रहा तो शायद जो काम मैं करना चाहता हूं वह न कर पाऊं और वह वहां से निकल गया। 12 तारीख की शाम को निकलने के बाद उसने 14 तारीख को सम्पर्क किया क्योंकि बीच में कहीं पर भी नैटवर्क नहीं था। उसके पास दो मोबाइल थे। जब वह वहां पहुंचा तो उसने पांगी के एस.एच.ओ. से सम्पर्क किया। उस एस.एच.ओ. का नाम श्री कमलेश कुमार है, उनका फोन मुझे घर पर आया। उन्होंने मुझे बताया कि आपका कोई रिश्तेदार किश्वताड़ इलाके में कहीं ग्लेशियर में फंसा हुआ है। सूचना के अुनसार उसकी तबीयत खराब है। किसी रिजुल नामक व्यक्ति ने यह सूचना दी है। उनका मोबाइल नम्बर 9418007133 है। मैंने भी उनसे सम्पर्क किया। उन्होंने हालात बताये कि मैं अरुण शर्मा को वहां पर काफी सीरियस कंडिशन में छोड़कर आया हूं और उसकी तबीयत बहुत खराब है। मेरे पास जो राशन था -----

श्री टी.सी. द्वारा जारी

21/08/2015/1210/TC/AS/1

श्री रविन्द्र सिंह रवि----------जारी

मैं जो राशन मेरे पास था, टैंट लगाकर वहां पर छोड़कर आया हूँ । पानी बगैरह मेरे पास था, हालांकि पानी का एक छोटा सा तलाब वहां पर था । लेकिन मेरे निकलने के बाद वहां पर स्थिति क्या है उसकी जानकारी मेरे पास नहीं है । ये दिनांक 14 तारीख को साढ़े छः बजे मेरी रिजूल से बात हुई । उसके बाद मैंने अपने सांसद अनुराग ठाकुर से सम्पर्क किया, वे दिल्ली में थे, दिल्ली में उन्होंने मुझे बताया क्योंकि कल से 15 अगस्त का कार्यक्रम शुरू है, सारे व्यस्त हैं यहां पर, शायद मेरी किसी से बात न हो पाए जैसे ही मेरी बात होगी, मैं आपसे बात करूँगा । 15 तारीख की सवेरे क्योंकि 15 अगस्त का दिन हमारा राष्ट्रीय पर्व होता है, सारे उसको मनाने में लग गये । मैंने भी सम्पर्क किया जम्मू कश्मीर के श्री सुनील शर्मा से जो इस वॉर्ड के विधायक है और वहां के पी0डव्ल्यू मिनिस्टर है, वहां से उनका नम्बर लेकर उनसे सम्पर्क करने की कोशिश की लेकिन

बात नहीं हो पाई । उसके बाद अनुराग ठाकुर जी, सांसद महोदय का मुझे फोन आ गया कि 15 तारीख को लगभग 10.30 बजे मेरी उनसे बात हो गई है, वह भी इस काम में लगा दिए गए हैं और मुझे लगता है कि जैसे ही ये कार्यक्रम खत्म होंगे उसके बाद सेना के द्वारा या जम्मू कश्मीर की सरकार को सम्पर्क में लेकर के जो वहां करना होगा वह हम करेंगे। लेकिन बड़े दुख का विषय है कि जम्मू कश्मीर की सरकार उनके लिए यह छोटा काम है, उनके साथ आए दिन ऐसी ही घटनाएं घटती रहती है । उन्होंने इसको बड़ा लाईटली सवभाव में लिया । जैसे ही उप-मुख्यमंत्री श्री निर्मल सिंह जी के प्राईवेट सक्रेटरी से मेरी बात हुई, उन्होंने भी कहा कि हम भी

21/08/2015/1210/TC/AS/2

कोशिश करते हैं । लगातार प्रयास रहा मैंने उसके तुरन्त बाद जब मेरी बात हुई तो मैंने माननीय धूमल जी से बात की और जब मैंने उनको बताया तो उन्होंने भी उनसे बात करने की कोशिश की , बात हुई, मेरा सम्पर्क उसके बाद हो नहीं पाया । लेकिन मैंने इनके ध्यान में बात लाई । लेकिन जैसे 16 तारीख को सारी जानकारी सरकार के ध्यान में आई और हमारे ध्यान में भी शायद 16 तारीख को आई । जब यह सारी बात हो गई उसके उपरान्त एयरपोर्ट का एक चीता विमान, हैलीकॉप्टर होता है, क्योंकि इसमें एक पाईलट,एक को-पायलट और तीसरा व्यक्ति शायद ही कभी लेकर जाते हो, ऐसा अनुराग जी ने मुझे बताया, लेकर गए लेकिन वहां पर लैंड नहीं कर पाए, हवा में रहा। लेकिन ये दो व्यक्ति, जो एक को-पायलट था और साथ में जो रिजुल लड़का धर्मशाला वाला था, उसको साथ लेकर गए। जहां वह लड़का उसको छोड़कर आया था वहां उन्होंने उतरने की कोशिश की, उतरे भी लेकिन उस लड़के की डैड बॉडी जो खत्म हो गया था, जब उन्होंने उसकी डैड बॉडी हैलीकॉप्टर में डालने की कोशिश की, जगह उसमें होती नहीं है तो डाला नहीं जा सका और हैलीकॉप्टर वापिस आ गया । उसके बाद शाम को 16 तारीख को मैं जब शिमला के लिए निकला तो मैंने अपने चीफ सक्रेटरी, श्री मित्रा जी से बात की, इनके ध्यान में बात लाई तो इन्होंने कहा कि हम इस बारे में लगातार जम्मू कश्मीर सरकार से भी सम्पर्क कर रहे हैं और साथ में ही मैंने मुख्यमंत्री के कार्यालय में भी बात की लेकिन व्यस्तता के कारण वहां बात नहीं हो पाई । मैंने इनके सीनियर प्रींसिपल सक्रेटरी से भी बात करनी चाही, लेकिन उन्होंने अपना

मोबाईल नहीं उठाया । उसके बाद मुझे मित्रा जी का फोन आ गया कि हम इस प्रयास में है लगातार लगे हैं कि वहां से डैड बॉडी को लिफ्ट किया जाये । मेरा अध्यक्ष महोदय आपके माध्यम से सरकार से आग्रह है क्योंकि अभी भी यह डैड बॉडी वहीं पड़ी है । अब उसकी स्थिति उसकी क्या है क्या नहीं है, हालांकि जम्मू-कश्मीर सरकार की ओर से एक संदेश प्राप्त हुआ है कि दो दल पैदल वहां पर उन्होंने रवाना किए हैं, उस डैड बॉडी को लाने के लिए । लेकिन मुझे लगता है, मैं लगातार रजुल नाम के लड़के के सम्पर्क में रहा जो स्थिति उसने मुझे बताई कि वहां से डैड बॉडी को पैदल लाना असम्भव है, मुश्किल है । कई दिन तक वहां से निकलना मुश्किल हो जाएगा क्योंकि पहाड़ी वहां पर ऐसी है ।

21/08/2015/1210/TC/AS/3

लेकिन परसों 16 तारीख को उन्होंने दो दल डैड बॉडी को ऑन फुट वहां से लाने के लिए भेजे । मेरा सरकार से अनुरोध है कि मुख्यमंत्री महोदय आपने कल के बयान में कहा भी है कि सरकार प्रयास कर रही है । लेकिन यह प्रयास से नहीं, आपको थोड़ा सा अपने ही हैलीकाप्टर की परमिशन भारत सरकार से,जम्मू-कश्मीर सरकार से लेकर या जो भी इसमें फोरमल्टीज करने होगी करें । मेरा निवेदन है कि उनके परिवार के सदस्यों का बहुत बुरा हाल है, डैड बॉडी वहां पर पड़ी है और आप जान सकते हैं कि परिवार में हालात क्या होंगे। यहां अपना हैलीकॉप्टर है इसी को आप वहां पर भेजें और वहां से उस डैड बॉडी को निकाल कर परिवार के हवाले करें ताकि वह अन्तिम संस्कार जो हम हिन्दू रिति-रिवाज के हिसाब से करते हैं कर पायें, ऐसा मेरा अनुरोध है । यह जो सारी स्थिति यहां पर घटी है, मैं लगातार इस स्थिति से टच था, परिवार के सदस्यों के साथ भी और सरकार के साथ भी जम्मू-कश्मीर की सरकार के साथ भी और अनुराग ठाकुर जी जिनसे मैंने 16 तारीख को उनके साथ बात की, उन्होंने ने मुझे कहा था कि मैं अपने डिफेंस मिनिस्टर से बात करने के बाद कहीं बाहर जा रहा हूँ ,उन्होंने कहा कि बात करने के उपरान्त मैं निकलूगां । बाद में मुझे मैसिज आ गया था कि उन्होंने बात की है। लेकिन कार्रवाई करने के लिए उदमपुर में वहां पर जो बात करनी है, वहां इग्गो कलैश सेना का और एयर फोर्स का है, न उनका वहां हैलीकॉप्टर मिल रहा है न अपना न जम्मू-कश्मीर सरकार का लगा है, इसलिए मेरा मुख्यमंत्री महोदय से अनुरोध है कि आप अपना हैलीकॉप्टर यहां जो भी है, जैसे भी है, इसकी व्यवस्था करें और वहां से

उस डैड बॉडी को निकाल कर लायें ऐसा मेरा आपसे निवेदन है । आपने समय दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।

समाप्त

अगला वक्कता श्रीमती न0स0 द्वारा जारी -----

21.08.2015/1215/NS/AS/1

मुख्यमंत्रीः माननीय अध्यक्ष महोदय, श्री अरूण शर्मा, निवासी मानगढ़, तहसील देहरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश जो कि जम्मू-कश्मीर की झांसकर पहाड़ियों में पर्वतारोहण अभियान पर थे, के दुखद मौत की खबर समाचार पत्रों के माध्यम से दिनांक 17 अगस्त, 2015 को मिली।

उसके तुरन्त उपरान्त प्रदेश सरकार के अधिकारियों द्वारा किश्तवाड़ जिला के एस.एस.पी. तथा अथाली उप-मण्डल के उप-मण्डल पुलिस अधिकारी से सम्पर्क साधा गया। उक्त अधिकारियों ने सूचित किया कि श्री अरूण शर्मा ने अपने एक और सहयोगी श्री रिजुल गिल जो कि पंजाब से हैं, के साथ हिमाचल प्रदेश के चम्बा जिले के किलाड़ की तरफ से जम्मू-कश्मीर की झांसकर पहाड़ियों में प्रवेश किया। यह भी सूचना प्राप्त हुई कि इस पर्वतारोहण अभियान में उमा शिला दर्रा के पास रोहा बेस जो कि तहसील मछैल, उपमण्डल पदार, जिला किश्तवाड़ में पड़ता है, के पास श्री अरूण शर्मा ने अपना दम तौड़ दिया है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि यह एक अत्यन्त दुर्गम एवं कठिन स्थान है और गुलाबगढ़ की तरफ से इस जगह तक पहुंचने के लिए दो से तीन दिन का समय लगता है। तदोपरान्त स्थानीय प्रशासन द्वारा गुलाबगढ़ की तरफ से 17.08.2015 को 7 लोगों का एक बचाव दल मौके पर भेजा गया।

तुरन्त प्रदेश सरकार ने जम्मू-कश्मीर सरकार से इस अभियान के लिए हैलीकॉप्टर तथा अन्य मदद उपलब्ध करवाने का निवेदन किया गया। साथ ही साथ प्रदेश सरकार ने भारत के रक्षा मंत्रालय व सेना की उत्तरी कमांद उधमपुर से भी यथासंभव मदद मांगी।

जब जम्मू-कश्मीर सरकार का हैलीकॉप्टर उपलब्ध नहीं हो पाया तो प्रदेश सरकार ने पुनः दिनांक 18.08.2015 को भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय तथा वायुसेना के

21.08.2015/1215/NS/AS/2

मुख्यालय उधमपुर से हैलीकॉप्टर द्वारा स्वर्गीय श्री अरूण शर्मा के पार्थिव शरीर को निकालने का निवेदन किया गया।
दिनांक 18.08.2015 को ही प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव द्वारा जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव से दूरभाष पर बातचीत की गई तथा लिखित में निवेदन भी किया गया कि वह वायुसेना के कार्यालय, उधमपुर को यह आग्रह करें कि वायुसेना अपने हैलीकॉप्टर को इस अभियान में लगाए।
दिनांक 19.08.2015 को हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा पुनः भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय को दोबारा निवेदन किया गया कि इस सारे अभियान पर जो भी व्यय होगा। वह हिमाचल प्रदेश सरकार वहन करेगी।
भारत सरकार द्वारा दिनांक 20.08.2015 को भारतीय वायुसेना कार्यालय, उधमपुर को आदेश दिये गये कि वायुसेना अपना हैलीकॉप्टर इस अभियान में लगा दे। लेकिन वायुसेना से सम्पर्क साधने पर ज्ञात हुआ कि खराब मौसम और कुछ अन्य तकनीकी कारणों से दिनांक 20.08.2015

समाप्त
श्री नेगी द्वारा जारी---------

21.08.2015/1220/negi/DC/1

माननीय मुख्य मंत्री महोदय.. जारी...
दिनांक 20.08.2015 को वायु सेना का हैलीकॉप्टर अभियान में नहीं लगया जा सका। उधमपुर में भारतीय वायु सेना के अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि दिनांक 21.08.2015 को पुनः हैलीकॉप्टर द्वारा उपरोक्त स्थान पर पहुंचने की कोशिश की जाएगी तथा स्वर्गीय अरूण शर्मा के पार्थिव शरीर को या तो लेह ले जाया जाएगा या गुलाबगढ़ की तरफ जो भी कोई नज़दीक हैलीपैड हो, वहां पर लाया जाएगा।

मैं माननीय सदस्यों को सूचित करना चाहूंगा कि आज सुबह भी सेना तथा वायु सेना द्वारा स्वर्गीय श्री अरूण शर्मा के शव को निकालने हेतु प्रयास किया गया लेकिन यह प्रयास सफल नही हो पाया और आज एक और प्रयास किया जाएगा। सूचना मिलते ही प्रदेश सरकार का हैलीकॉप्टर इस कार्य के लिए चम्बा में तैनात किया गया है जो वहीं खड़ा है और शव को कांगड़ा लाने हेतु मोबिलाइज़ किया जाएगा। क्योंकि जहां पर वह शव पड़ा है वहां पर वायु सेना के सिर्फ छोटे हैलीकॉप्टर ही जा सकते हैं और बड़ा हैलीकॉप्टर नही जा सकता है।

राज्य सरकार के अधिकारी, जम्मू-कश्मीर सरकार के अधिकारियों तथा सेना व वायुसेना के अधिकारियों जो नई दिल्ली व उधमपुर में स्थित हैं, से लगातार सम्पर्क में हैं। हर तरह से प्रयास किया जा रहा है कि किसी भी तरह से स्वर्गीय अरूण शर्मा का पार्थिव शरीर उनके पैतृक स्थान पर लाया जाए।

21.08.2015/1220/negi/DC/2

<u>नियम-130 के अन्तर्गत प्रस्ताव</u>

अध्यक्षः अब नियम-130 के अन्तर्गत प्रस्ताव होगा। श्री महेन्द्र सिंह जी नियम-130 के अन्तर्गत प्रस्ताव करेंगे। इस विषय पर इनके अलावा सर्वश्री महेश्वर सिंह, कर्ण सिंह व श्रीमती सरवीन चौधरी द्वारा नियम-62 के अन्तर्गत सूचनाएं प्राप्त हुईं हैं जिसे मैंने नियमानुसार परिवर्तित करके नियम-130 के अन्तर्गत चर्चा हेतु स्वीकृति प्रदान की है। अब श्री महेश्वर सिंह, श्री कर्ण सिंह व श्रीमती सरवीन चौधरी चाहें तो इस चर्चा में भाग ले सकते हैं।

श्री महेन्द्र सिंह जी के इस चर्चा को शुरू करने से पहले, मैं श्री रविन्द्र सिंह जी को सूचना देना चाहता हूं कि इनका जो प्रश्न संख्या 2187 है ,यह प्रश्न शहरी विकास मंत्री के नाम रखा था लेकिन उद्योग विभाग की सहमति से यह प्रश्न उद्योग विभाग को ट्रांसफर किया गया था इसलिए इसमें शुद्धिकरण करनी पड़ी। अब श्री महेन्द्र सिंह जी चर्चा शुरू करेंगे।

श्री महेन्द्र सिंह : आदरणीय अध्यक्ष जी, नियम-130 के अन्तर्गत मैं प्रस्ताव करता हूं कि"प्रदेश में हाल ही में भारी वर्षा व बादल फटने से हुई क्षति बारे यह सदन विचार करे।"

पहाड़ी राज्य होने के नाते हमारे इस प्रदेश के अन्दर, जम्मू-कश्मीर में और उत्तराखंड में अमूमन कुछ वर्षों से भारी बारिश हो रही है और भारी बारिश के साथ-साथ बादल फटने की घटनांओं में लगातार बढ़ौतरी हो रही है। यह हम सब के लिए एक चिन्ता का विषय है। माननीय अध्यक्ष जी ,वर्ष 2000 में भी सतलुज नदी में जुलाई 31 तारीक की रात्रि और अगस्त पहली तारीख को बहुत बड़ी बाढ़ आई थी जिसके कारण लगभग 17 पुल, सतलुज नदी पर जिसमें वांगतू का पुल भी शामिल है बह गए थे । सैंकड़ों मकान बह गए थे और 100 से ज्यादा जानें चली गई थी। उस वक्त प्रदेश के अन्दर भारतीय जनता पार्टी गठबन्धन की सरकार थी ।

21.08.2015/1220/negi/DC/3

जैसे ही सूचना मिली पहली अगस्त को, उसी वक्त प्रदेश के मुख्य मंत्री, वर्तमान में विपक्ष के नेता, प्रो0 प्रेम कुमार धूमल जी और उनके मंत्री-मण्डल के सभी सदस्यों ने मौके पर जा करके हैलीकॉप्टर से पूरा जायज़ा लिया था और युद्धस्तर पर राहत कार्य प्रारम्भ किए गए थे। सैंज से लूहरी हो करके....

श्रीमती यू.के.द्वारा जारी...

21/1225/08.2015.यूके/एजी/1

श्री महेन्द्र सिंह जारी ---

सेंज से लूहरी हो कर के करसोग आनी की सड़क बहुत लम्बाई में वाश हो गयी थी । नोगली से रामपुर और उससे आगे वांगतु पुल होते हुए कड़छम और आगे तक सड़क का बहुत सा हिस्सा बह गया था । वांगतु का पुल भी बह गया था । प्रयास किए, 15 अगस्त से पहले-पहले नोगली से वांगतु तक की सड़क यातायात के लिए खोली गई। सैंज लूहरी करसोग आनी की सड़क 15 अगस्त से पहले-पहले खोल दी गयी थी । आदरणीय अध्यक्ष, जी इसी प्रकार की घटनाएं उसके उपरांत भी लगातार होती रही हैं । इसके अलावा वर्ष 2013 में बादल फटने जैसी एक घटना जहां मेरे विधान सभा चुनाव क्षेत्र में घटी, वहीं किन्नौर में भी घटी और धर्मशाला के टिहरा के क्षेत्र में भी घटी थी । मेरे विधान सभा चुनाव क्षेत्र में सपरेड, मट्ठी भनवाड़, सपडी़, कुसरी, जंगेस, सतरहेड़,

जून और जुलाई के महीने मे जो घटना घटी जिससे सपरेड और मट्ठी भनवाड़ में 7 मकान जमीनदोज़ हो गए थे । विपक्ष के नेता, प्रो0 प्रेम कुमार धूमल जी ,हमारे सांसद, श्री अनुराग जी, मौके पर पहूंचे । प्रदेश सरकार की तरफ से कोई भी मंत्री मौके पर नहीं गया था । केन्द्रीय दल ने उस स्थान का निरीक्षण किया था और निरीक्षण करने के साथ-साथ उनसे हमारी मौके पर चर्चा हुई तो उन्होंने कहा था कि यह तो भूमि का कटाव हुआ है, इससे यहां के लगभग 7 गांव बिल्कुल खतरे में हैं । माननीय अध्यक्ष जी, वहां के लोगों ने लिख कर के दिया और राजस्व विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने, पटवारी, कानूनगो, तहसीलदार एस0डी0एम0 ने बकायदा लिख कर के दिया कि इन परिवारों और इन गांवों के पुनर्वास के लिए जमीन देना अति आवश्यक है और संयोग से अगस्त के महीने में 30.8.2013 को हिमाचल प्रदेश विधान सभा का मॉनसून सत्र चला हुआ था । मैने उस सत्र के बीच में एक रिपोर्ट जो एस0डी0एम0 सरकाघाट ने उच्चाधिकारियों को भेजी थी, उसकी एक प्रति मेरे पास थी ,मैने ऑलरेडी वह हाऊस में ले(Lay) की हुई है । अब 2013 से 20.8.2013 को हाऊस का जो डाकुमैंट बन गया, हाऊस ने सरकार को भी ये सारे डाकुमैंट भेजे होंगे । लेकिन 3 साल बीत जाने के उपरांत अभी तक उन 5-6 गांवों के लगभग 30-35 परिवार हैं, उनको अभी तक उनके पुनर्वास के लिए एक इंच जगह भी नहीं दी गई है । मैं माननीय राजस्व मंत्री जी के स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं । मैं आपसे तथा माननीय मुख्य मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि इसी प्रकार से बादल फटने की घटना, भू-स्खलन की घटना धर्मशाला के क्षेत्र टिहरा में भी घटी

21/1225/08.2015.यूके/एजी/2

थी और मेरी सूचना के मुताबिक वहां के लोगों ने जब प्रदेश सरकार से आग्रह किया कि हमे जमीन दे दी जाए, तो मेरी सूचना के मुताबिक वहां के लोगों को आपने जमीन दे दी है । क्या कारण है? मैं मुख्य मंत्री जी से माननीय राजस्व मंत्री जी से ।

एस0एल0एस0 द्वारा जारी----

श्री महेन्द्र सिंह... जारी

मैं माननीय मुख्य मंत्री और माननीय राजस्व मंत्री जी से माननीय अध्यक्ष जी के माध्यम से जानना चाहूंगा कि धर्मपुर के लोगों ने कौन-सा गुनाह किया है? आप एक स्थान पर जगह दे रहे हैं और दूसरे स्थान पर आप जगह नहीं दे रहे हैं। मेरा फिर से निवेदन रहेगा कि 2013 की जो घटना जहां पर घटी है ,वहां पर अभी भी लगातार लैंड स्लाइड हो रहा है। इस वर्ष लैंड स्लाइड की वजह से सपरेहड़ गांव में उसके साथ एक नया लैंड स्लाइड चल पड़ा है। पहले तो हम मानते थे कि उस लैंड स्लाइड की वजह से 5ही परिवार अपने घर खो बैठे हैं, लेकिन जो दूसरी तरफ से लैंड स्लाइड चल पड़ा है, माननीय मंत्री जी, उसकी वजह से पूरा गांव ही ख़तरे में है। मेरा आपसे निवदेन रहेगा कि 2013 में जो घटना घटी है ,आप विभाग को उस पर तुरंत कार्रवाई करने के लिए आदेश करें।

आदरणीय अध्यक्ष जी, इसी प्रकार से वर्ष 2014 में 13,14 व 15 अगस्त की रात्रि को पूरे धर्मपुर क्षेत्र की लगभग 8 पंचायतों में जो बादल फटा ,वहां बादल फटने की वजह से लगभग 120 मकान और 350 गौशालाएं दब गईं। जैसे ही वह घटना घटी, मैं तुरंत सुबह 6.00 बजे ,जहां घटना घटी थी, मकान बह गए थे, गौशालाएं बह गईं थीं, वहां अपने लोगों के पास पहुंचा। माननीय राजस्व मंत्री जी ने पिछली बार कहा था कि आप तो वहां गए ही नहीं। मैं गया या न गया, आप उसकी चिंता न करें। मैं नहीं जाऊंगा तो मुझे ही नुकसान होगा और अगर जाऊंगा तो मुझे ही फायदा होगा। अध्यक्ष महोदय, 15अगस्त, 2014 को वह घटना घटी और उस दिन के उपरांत 17 अगस्त को विपक्ष के नेता श्री प्रेम कुमार धूमल जी वहां पहुंच गए। उसके बाद हमारे माननीय सांसद श्री अनुराग ठाकुर जी वहां पहुंच गए। लेकिन हमारे मण्डी जिले के 3 मंत्री होने के बावजूद कोई भी मंत्री एक महीने तक वहां नहीं आया। मैं मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा कि एक महीने के उपरांत इन्होंने राजस्व मंत्री जी को साथ लेकर धर्मपुर के उस प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया। जब माननीय मुख्य मंत्री ने दौरा किया, उस वक्त लोगों ने अपनी पीड़ा इनके सामने

रखी। एक तो ऐसा होता है कि हम इस सदन के बीच में किसी बात को बढ़ा-चढ़ा कर कहें। आपने और इन्होंने वहां थोड़-से क्षेत्र का दौरा किया। नुकसान बड़े क्षेत्र में हुआ था लेकिन आप जहां तक जा सके वहां तक आपने अनुमान लगाया होगा कि कितना नुकसान हुआ है। देश के प्रधान मंत्री जी से देश के लोगों को और प्रदेश के मुख्य मंत्री से प्रदेश के लोगों को बहुत ज्यादा उम्मीदें होती हैं। जब मुख्य मंत्री जी वहां गए तो हमारे उस क्षेत्र के लोगों को ऐसा लगा कि अब हमारी सुध लेने वाला यहां पहुंच चुका है। माननीय मुख्य मंत्री जी ने लोगों के बीच में उनको आश्वस्त किया कि आपका जितना नुकसान हुआ है ,इस नुक्सान की भरपाई के लिए प्रदेश सरकार हर संभव प्रयास करेगी। माननीय मुख्य मंत्री जी, मैं आपसे जानना चाहता हूं कि 13 सितम्बर,2014 से लेकर अब अगले वर्ष का 13 सितम्बर, 2015 आने वाला है, इस एक वर्ष के कालखंड के बीच में प्रदेश सरकार की तरफ से क्या-क्या सहायता उन प्रभावित क्षेत्रों के गांवों और पंचायतों को दी गई? लोग चाह रहे थे कि यहां पर बाढ़ नियंत्रण का कार्य हो। लोगों की प्राइवेट भूमि बहुत ज्यादा मात्रा में टूट चुकी थी। लोगों के मकान जो चले गए थे वह तो चले गए थे लेकिन जो बाकी मकान बचे थे ..

जारी..श्री गर्ग द्वारा

21/08/2015/1235/RG/AG/1

श्री महेन्द्र सिंह-----क्रमागत

लोगों के मकान जो चले गए थे वह तो अलग बात है, लेकिन जो बाकी मकान बचे हुए थे उन पर प्रोटैक्शन वर्क होता ताकि बचे हुए मकान और गौ-शालाएं बच जातीं। लेकिन मुझे बड़े दुःख के साथ कहना पड़ रहा है कि आपने उस दिन अधिकारियों की बैठक की और अधिकारियों की बैठक के साथ-साथ वहां प्रैस के लोग भी मौजूद थे। 13 सितम्बर, 2014, मुख्य मंत्री जी, आपका धर्मपुर क्षेत्र से निकलना और हमीरपुर की तरफ आना और वहां जो जे.सी.बीज़. लगी हुई थीं, आप हैरान होंगे कि जो जे.सी.बीज़. वहां लगी हुई थीं, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियन्ता ने कहा कि हमारे पास फण्ड्ज नहीं हैं और उन्होंने जो 19-20 जे.सी.बीज़ .लगी थीं वे सारी-की-सारी विदड्रॉ कर लीं। अब हम क्या मानें? क्या मुख्य मंत्री जी ने उनको इनकार किया? फिर उन्होंने अपनी असमर्थता ज़ाहिर की कि हमारे पास फण्ड्ज नहीं हैं इसलिए हम आगे से जे.सी.बी.

नहीं लगा सकते। राजस्व विभाग से संबंधित इस विधान सभा में एक प्रश्न भी लगा था जिस पर मैंने अनुपूरक प्रश्न भी पूछा था कि आपका रिलीफ मैनुअल क्या सहायता , किन-किन परिवारों की किस-किस क्षेत्र की किस तरह कर सकता है? माननीय मंत्री जी, रिलीफ मैनुअल में सारी बातें अंकित हैं। अगर कहीं ल्हासा पड़ा है ,कहीं लैण्ड स्लाइड आया है ,किसी के घर के अंदर या किसी के आंगन में डेब्रिस है उसको निकालने का पूरा प्रावधान रिलीफ मैनुअल में है। पुनर्वास के लिए अलग से एक अधिसूचना निकाली हुई है कि अगर कहीं ऐसी घटना घटती है, तो उनके पुनर्वास के लिए हम सरकारी भूमि लोगों को प्रदान करेंगे ताकि वे वहां अपने मकान एवं गौशालाएं बना सकें और अपने आपको एक सेफ जोन में सुरक्षित महसूस कर सकें। लेकिन मुझे दुःख से कहना पड़ रहा है कि एक वर्ष बीत जाने के उपरांत अब अगली बरसात आ गई और वहां कोई भी काम किसी भी विभाग द्वारा अभी तक नहीं किया गया है। न तो लोक निर्माण विभाग, न सिंचाई एवं जन-स्वास्थ्य विभाग ,न स्वायल कंजरवेशन, न वन विभाग ,न उद्यान विभाग और न ही पशुपालन विभाग की तरफ से अर्थात किसी भी विभाग की तरफ से कोई अभी तक कोई भी कदम वहां नहीं उठाए गए हैं। यह चिन्ता का विषय है। वर्ष 2013 की तरह जब कांगड़ा में धर्मशाला के नजदीक टिहरा में आपने पुनर्वास के लिए जमीनें दीं। उसी प्रकार इन लोगों ने भी पुनर्वास के लिए सरकार से जमीनें मांगी थीं। इसका क्या कारण है? क्या धर्मपुर के लोग और धर्मपुर विधान सभा चुनाव क्षेत्र हिन्दुस्तान का

21/08/2015/1235/RG/AG/2

अंग नहीं है, क्या वह हिमाचल प्रदेश का हिस्सा नहीं है? क्या आप इस क्षेत्र को अपने हिमाचल प्रदेश से बाहर मानते हैं?

अध्यक्ष महोदय, मुझे इस बात का खेद है, इस बात का दुःख है कि हमने उस समय सिंचाई एवं जन-स्वास्थ्य विभाग को कहा था कि ये जो 5-6 पंचायतें हैं जहां पर वर्ष 2014 में यह सारी घटना घटी है आप यहां फ्लड प्रोटैक्शन के लिए एक डी.पी.आर. बनाएं और मैंने उसको अपनी विधायक प्राथमिकता में भी डाला। उसके उपरांत इसकी डी.पी.आर. बना दी। लेकिन एक वर्ष बीत जाने के उपरांत भी मुझे जो बताया गया है वह 58-57करोड़ रुपये की डी.पी.आर. है और वह डी.पी.आर. एस.डी.ओ. के कार्यालय से अधिशासी अभियन्ता के कार्यालय में ,अधिशासी अभियन्ता कार्यालय से अधीक्षण अभियन्ता के कार्यालय में, अधीक्षण अभियन्ता के कार्यालय से मुख्य अभियन्ता

के कार्यालय में और मुख्य अभियन्ता के यहां से उसे फिर बैक गियर लगता है और वह फिर अधिशासी अभियन्ता के कार्यालय में पहुंची है। उसकी ऑब्जरवेशन ही खत्म नहीं होती।

अध्यक्ष महोदय, माननीय सिंचाई एवं जन-स्वास्थ्य मंत्री जी यहां बैठी हैं। मैं इनसे भी अनुरोध करना चाहता हूं कि कम-से-कम उस डी.पी.आर. को 'स्टैक' से तो मंजूर करवा दें। जब तक वह 'स्टैक' से अप्रूव नहीं होती तब तक आप उसको भारत सरकार को प्रेषित नहीं कर सकते। इसलिए मेरा आपके माध्यम से माननीय सिंचाई एवं जन-स्वास्थ्य मंत्री महोदया से निवेदन रहेगा कि आप इस मामले में मदद करें। लोगों के साथ एक विनाशकारी घटना घटी है। सड़कें बन्द पड़ी हैं।

माननीय अध्यक्ष जी, आप अंदाजा लगाएं, वर्ष 2013 एवं वर्ष 2014 में घटना घटी और अभी तक सड़कें बन्द पड़ी हैं। ऐसी 37 सड़कें हैं। मैंने ग्रिवैंस कमैटी में भी मैंटीनैंस के इस विषय को उठाया था कि 37 सड़कें बंद पड़ी हुई हैं। जिस चुनाव क्षेत्र की 37 सड़कों पर बसें चलती थीं उन पर बसें नहीं चलती हैं। इसलिए हमने करोड़ों रुपये उस क्षेत्र की जनता को सुविधा पहुंचाने के लिए खर्च किए ,उस क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए खर्च किए। अतः मेरा माननीय मुख्य मंत्री जी से निवेदन रहेगा

एम.एस. द्वारा जारी

21/08/2015/1240/MS/AS/1

श्री महेन्द्र सिंह जारी----------

मेरा माननीय मुख्य मंत्री जी से निवेदन रहेगा कि मुख्य मंत्री जी वर्ष 2013 और वर्ष 2014 की सड़कें बंद हैं। अभी तो मैं पिछला ही गाना गा रहा हूं। जो अगला गाना है वह तो अब शुरू होगा। जो उठाऊ पेयजल योजना आवाहदेवी ,जहां से पीने-का-पानी बहुत बड़े क्षेत्र को दिया जाता है, वह योजना वर्ष 20 14में प्रभावित हुई थी। उस योजना की राइजिंग मेन टूट गई थी। माननीय सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य मंत्री महोदया, लोगों को दो महीने से पीने के लिए पानी नहीं मिल रहा है। बरसात में आसमान से गिरने वाला पानी जो छत पर पड़ता है ,उस पानी को इकट्ठा करके लोग पीने के लिए मजबूर हो रहे हैं। पीलिया जैसी महामारी उस क्षेत्र में फैलने जा रही है। लेकिन आई0पी0एच0 विभाग सोया हुआ है। यहां सूचना ऊपर पहुंचा दी जाती है कि हमने सारा काम कर दिया है,

सारी स्कीमें चालू कर दी हैं, सारी सड़कें चालू कर दी हैं और सारी बसें चालू कर दी हैं लेकिन जो वस्तुस्थिति मैं मुख्य मंत्री जी आपके सामने रख रहा हूं ,यह बड़ी अजीब सी है। माननीय मुख्य मंत्री जी और माननीय राजस्व मंत्री जी, लोगों की हजारों एकड़ जमीन वर्ष 2014 में जहां कृषि का क्षेत्र था, वह सारी-की-सारी भूमि तबाह हो गई है। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि जो कृषि क्षेत्र उस वक्त टूट गया है, उसके लिए आपके रिलीफ मैन्युअल में प्रावधान है। आप उसमें पैसा दे सकते हैं लेकिन अभी तक एक नया पैसा किसी भी ज़मींदार को, किसी भी प्रभावित पात्र व्यक्ति को नहीं दिया गया है। मैं मंत्री जी से चाहूंगा, यहां कृषि मंत्री जी भी बैठे हैं, मैं आपसे भी निवेदन करना चाहूंगा कि कृषि क्षेत्र, आपके कृषि अधिकारी ने ....

अध्यक्षः माननीय सदस्य, कृपया वाइंड-अप कीजिए। मैं आपको बताना चाहता हूं कि इसमें हमने नियम-62 के प्रस्ताव को भी मर्ज कर दिया है। अभी बोलने वाले बहुत सदस्य हैं और हमने चर्चा को 2.00 बजे तक समाप्त करना है। हमने आपकी बात सुन ली है। अगर आप औरों को भी बोलने का मौका देंगे तो सही रहेगा। आपने अभी 20 मिनट का समय बोलने के लिए ले लिया है। मेरा आपसे निवेदन है कि आप एक-दो मिनट बोलकर समाप्त करने की कृपा करें।

21/08/2015/1240/MS/AS/2

श्री महेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, 2.00बजे तक समाप्त क्यों करना है?
अध्यक्षः2.00 बजे मैं इसलिए कह रहा हूं क्योंकि माननीय मुख्य मंत्री जी ने दिल्ली में किसी मीटिंग के लिए जाना है। अगर आप चर्चा जारी रखेंगे तो जवाब सोमवार को सुन लेंगे। अगर जवाब आज ही सुनना चाहते हैं तो 2.00बजे तक समाप्त करना पड़ेगा।

श्री महेन्द्र सिंह एवं अन्य माननीय सदस्यगण : सर, जवाब सोमवार को दे देंगे।

अध्यक्षः ठीक है फिर मुख्य मंत्री जा सकते हैं और आप चर्चा करते रहें।

श्री महेन्द्र सिंहः अध्यक्ष जी, मुख्य मंत्री चले जाएं। उत्तर सोमवार को आ जाएगा। इसमें कोई ऐसी बात नहीं है क्योंकि यह बड़ा गम्भीर विषय है।

Speaker: Okay, we will manage it.

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, यह बहुत गम्भीर मसला है। इस विषय पर दोनों पक्षों के माननीय सदस्य भाग लेना चाहेंगे। इसमें खुलकर चर्चा होनी भी चाहिए। अगर चर्चा आज समाप्त नहीं होती है तो उसको सोमवार को भी किया जा सकता है और आज भी जब तक चाहें, चर्चा कर सकते हैं। मेरा मकसद यह नहीं है कि अगर मैं कहीं जाऊं तो यहां चर्चा बंद हो जाए। जब इसका जवाब देंगे, उस वक्त हम यहां होंगे।

अध्यक्षः यह बात मैं अपनी तरफ से कह रहा हूं, मुख्य मंत्री महोदय की तरफ से नहीं कह रहा हूं कि इसका जवाब बाद में भी लिया जा सकता है लेकिन अभी बोलने वाले माननीय सदस्य बहुत हैं क्योंकि इसमें नियम 62 के प्रस्ताव को भी मर्ज कर दिया है। इसलिए अगर सभी माननीय सदस्य थोड़ा-थोड़ा समय लेंगे तो सबकी बात सुन ली जाएगी।

श्री महेन्द्र सिंहः अध्यक्ष जी, जब सरकार और सरकार के मुखिया कह रहे हैं कि दोनों पक्षों में--,

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, समय का नियंत्रण आपको ही करना पड़ेगा। अगर एक-एक सदस्य आधा-आधा या पौना-पौना घण्टा बोलेगा तो कैसे कार्यवाही होगी। माननीय सदस्य बहुत अच्छा बोलते हैं और अच्छी बातें कह रहे हैं मगर इनको बोलते हुए आधे घण्टे से ज्यादा का समय हो गया है। अब इनको अपना भाषण समाप्त करना चाहिए। ज्यादा बातें इन्होंने पिछले वर्ष की कही हैं बजाए इसके कि इस वर्ष में क्या हुआ है।

21/08/2015/1240/MS/AS/3

अध्यक्षः माननीय सदस्य, कृपया अपनी बात संक्षेप में कीजिए।

श्री महेन्द्र सिंहः अध्यक्ष जी, आप भी और हम सभी तथा मंत्री भी विधायक के रूप में चुन करके आते हैं और सभी के क्षेत्रों में भारी वर्षा के कारण नुकसान हुआ है। इसलिए अगर इस पर इस सदन में विस्तृत चर्चा हो जाए तो उसका उसका कोई नुकसान नहीं होगा।

मुख्य मंत्रीः आप पिछले साल की बात कर रहे हैं। आपकी बातें पिछले साल पर आधारित हैं।

श्री महेन्द्र सिंहः मैं इसी साल पर आ रहा हूं। माननीय मुख्य मंत्री जी सदन के अंदर तीन साल की सूचना लेना किसी भी माननीय सदस्य का अधिकार है।

जारी श्री जे0के0 द्वारा-------

21.8.2015/1245/जेएस/एएस/1

श्री महेन्द्र सिंहः---जारी-----
माननीय मुख्य मंत्री जी, हाऊस के अन्दर तीन साल की सूचना लेना किसी भी सदस्य का अधिकार है। इसलिए जो नुकसान पिछले क्रम से शुरू हुआ है ,जब पिछले नुकसान की ही भरपाई नहीं हो सकी तो आगे आप क्या करेंगे?

अध्यक्षः माननीय महेन्द्र सिंह जी ऐसा है जो बात यहां पर की गई है, हमने सभी माननीय सदस्यों का यहां पर बोलने के लिए नाम लिखा है। विधान सभा का निर्धारित समय है I We cannot unnecessarily discuss for hours . यह दो या तीन दिन में नहीं है There is a time limit. आपकी टाईम लिमिट में बात होनी चाहिए ताकि बाकी लोगों को भी मौका मिले।

संसदीय कार्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, आठ-आठ सदस्य विपक्ष और पक्ष से बोलने हैं और चार की प्रोपोज़ल है इसलिए आप प्रोपोज़ल्ज़ के बाद आप अन्य सदस्यों का टाईम निर्धारित करें यानि 16+4 यानि 20 सदस्यों को बोलना है।

अध्यक्षः जो प्रस्तावक है उसके लिए भी तो टाईम निर्धारित होना चाहिए। माननीय महेन्द्र सिंह जी, अब यह फैसला हो गया है कि आप खत्म नहीं करेंगे ,कोई बात नहीं, इसका ज़वाब सोमवार को आ जाएगा लेकिन आपका टाईम निर्धारित होना चाहिए।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय यह बहुत ही महत्वपूर्ण चर्चा है इसलिए समय तो सबका निर्धारित करना पड़ेगा। माननीय सदस्य, श्री महेन्द्र सिंह जी का भाषण मैं बड़े ध्यान से सुन रहा था इनको आधे घण्टे से ज्यादा समय बोलते हुए हो गया है। वह समय इस

साल का बरसात से, वर्षा से जो नुकसान हुआ है, उसमें उसका जिक्र नहीं है ये पिछली साल की बात कर रहे हैं कि पिछले साल क्या हुआ था? प्रस्ताव इस साल का है। इससे एक साल पहले, दो साल पहले और तीन साल पहले क्या हुआ उसका प्रस्ताव नहीं है? ये उसके बारे में पासिंग रिफ्रैंस कर सकते हैं।

अध्यक्षः मेरा सभी से यही अनुरोध है कि जो भी वक्ता हैं वे सिर्फ अपने चुनाव क्षेत्र की बात करें तो ज्यादा कवर हो सकता है। अगर सारे हिमाचल की बात करेंगे तो उससे सारा कवर नहीं होने वाला है। माननीय सदस्य, श्री महेन्द्र सिंह जी आप बोलिए।

21.8.2015/1245/जेएस/एएस/2

श्री महेन्द्र सिंहः अध्यक्ष जी, जो आप कहते हैं उसको हम स्वीकार करते हैं। हम एक वर्ष की ही चर्चा कर रहे हैं। मैं एक वर्ष से बाहर नहीं जा रहा हूं। पिछले अगस्त से लेकर इस अगस्त के बीच में आ रहा हूं। माननीय अध्यक्ष जी, इस वर्ष दिनांक 7 और 8 अगस्त को जो बादल फटा, उस बादल के फटने से धर्मपुर क्षेत्र का एक बहुत बड़ा हिस्सा जो अवाहदेवी, गिरोह, हौउदा, बांदलचौक, रोसो, द्रबाड़, गरली, सरी, कमलाह, बिंगा और बही लगभग 30 पंचायतों के क्षेत्र में जो बादल फटा । माननीय मुख्य मंत्री जी, वर्ष 2014 में जो नुकसान हुआ था उसका भी कुछ नहीं किया गया। किन्नौर में नुकसान हुआ। मेरे पास इसके रिप्लाई पड़े हैं कि वहां पर क्या-क्या किया गया और कितना वहां पर दिया गया? अध्यक्ष महोदय, जो इस बार नुकसान हुआ है मुझे बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि 7 तारीख की रात को बादल फटा और 8 तारीख को सुबह 8 बजे मैं अपने घर से पैदल चल कर धर्मपुर पहुंचा लेकिन प्रशासन की तरफ से वहां पर एस.डी.एम. जिसके लिए धर्मपुर में कार्यालय खोला हुआ है वहां से गायब था। लोक निर्माण विभाग, सिंचाई एवं जन-स्वास्थ्य विभाग और बिजली बोर्ड के एक्सियन, एस.डी.ओ. वहां से सारे नदारद थे। हम पटवारी को ढूंढ रहे थे कि पटवारी ही मिल जाए। वहां से पटवारी भी गायब था। वहां पर कानूनगो रिटायरी रखे हुए हैं वे भी वहां से गायब थे। हमारे सामने ऐसी समस्या हो गई कि हमारे 10 लोग पानी के बीच में फंसे हुए थे उनको निकालने के लिए मैंने जिलाधीश, मण्डी को दूरभाष से सम्पर्क किया। मैंने उनसे सारा कुछ जिक्र किया कि यहां पर ऐसी-ऐसी समस्या हुई है और सारा एरिया कट गया है। धर्मपुर क्षेत्र यातायात की दृष्टि से चारों तरफ से कट गया लेकिन वहां पर कोई भी अधिकारी नहीं

है। मैं इस हाऊस में धन्यवाद करना चाहूंगा जिलाधीश मण्डी का उन्होंने मेरे दूरभाष करने के बाद तुरन्त ए.डी.एम., मण्डी को धर्मपुर भेजा।

श्री एस.एस. द्वारा जारी--------

1/21.08.2015250/SS/DC/1

श्री महेन्द्र सिंह क्रमागतः

कमांडैंट होमगार्ड को तुरन्त धर्मपुर के लिए प्रस्थान किया। उन्होंने वहां से प्रस्थान किया। वे मंडी से सुबह 6:00 या 7:00 बजे चले, आप हैरान होंगे कि साढ़े 4 बजे शाम को बड़ी मुश्किल से जगह-जगह पैदल चल करके अगली लिफ्ट लेकर धर्मपुर पहुंचे। मुख्य मंत्री जी, आपने जो सब-डिवीजन (सिविल) खोले हैं वे किसलिये खोले हैं? आपने जिस एस0डी0एम0 को वहां पर तैनात किया है वह एस0डी0एम0 पहले जयसिंहपुर में तैनात था। वह एस0डी0एम0 एक ही बात कहता है कि मुझे गवर्नमैंट के आदेश हैं कि मैंने धर्मपुर में तीन दिन बैठना है और तीन दिन में प्रतिदिन तीन घंटे काम करूंगा। ये आपके कैसे आदेश हैं? मैं आपको रोचक बात बताना चाहता हूं कि उसकी गाड़ी डेली सुजानपुर जाती है और उसके साथ-साथ उसने दो ड्राईवर रखे हुए हैं। एक ड्राईवर ऑलरेडी था और दूसरा ड्राईवर पी0डब्ल्यू0डी0 से ले लिया। उसके आगे रोचक बात यह है कि जब वह पैट्रोल पम्प पर डीज़ल या पैट्रोल डलवाता है तो ड्राइवरों को बोलता है कि दूर चले जाओ, मैंने अपने सामने डीज़ल डलवाना है। पैट्रोल पम्प वालों से हमने पता किया तो पता चला कि 20 लीटर की जगह 40 लीटर का बिल बनवाता है। अधिकारियों का स्तर इतना गिर गया, हमें इस बात की चिन्ता है। माननीय मुख्य मंत्री जी, थोड़ा इस तरफ चिन्ता करने की आवश्यकता है। मैंने आपको कहा है कि 30 पंचायतों का जो नुकसान हुआ है वहां पर हमारे लोगों ने स्वयं मिल-जुलकर एक-दूसरे की मदद की। वहां पर मदद करने के साथ-साथ भारत की सरकार में हमारे स्वास्थ्य मंत्री, श्री जगत प्रकाश नड्डा जी ने लगातार सम्पर्क रखा कि हम आपकी क्या मदद करें। मैं उनका आभार प्रकट करना चाहता हूं। हमारे सांसद, अनुराग ठाकुर जी ने इस मसले को लोकसभा में उठाया। वे आदरणीय प्रधान मंत्री और गृह मंत्री जी से भी मिले और खुद आकर धर्मपुर क्षेत्र का दौरा किया। आपके आपदा प्रबन्धन के जो चेयरमैन हैं मैं उनको बड़ी बधाई देना चाहता हूं कि उनके पैर जमीन पर नहीं लगते हैं क्योंकि उनके

पैर बनावटी हैं। वे अगर कहीं पानी पर टच हो जाएं तो वे सड़ सकते हैं या गल सकते हैं। वे दूसरे की पीठ की सवारी करना चाहते हैं। 6-6 इंच पानी था और उस 6-6 इंच पानी में उन्होंने वहां पर मजदूरों की सवारी की तब जाकर दूसरी तरफ गए। अगर ऐसे ही आपदा प्रबन्धन के मुखिया आपने नियुक्त किये हों, मनोनीत किये हों तो प्रदेश के आपदा प्रबन्धन की क्या स्थिति होगी, यह चिन्ता का विषय है। माननीय मुख्य मंत्री जी, जहां

1/21.08.2015250/SS/DC/2

इस आपदा प्रबन्धन से हमारे पूरे क्षेत्र में लगभग 100 करोड़ की व्यक्तिगत प्रॉपर्टी का नुकसान हुआ है वहां 100करोड़ का नुकसान सरकार के विभिन्न विभागों को हुआ है। 7 तारीख से आज 21 तारीख है, पी0डब्ल्यू0डी0 विभाग आपके पास है, मुख्य मंत्री जी, आप पता करिये कि धर्मपुर-संधोल वाया वनबाड़ खुला है या बंद है। धर्मपुर-संधोल वाया भरौरी खुला है या बंद है। धर्मपुर-संधोल वाया धनेट खुला है या बंद है। धर्मपुर-संधोल वाया सियोग खुला है या बंद है। सरकाघाट- टिहरा, टिहरा से संधोल क्या खुला है या बंद है? जितनी ग्रामीण सड़कें हैं, लगभग 80 प्रतिशत ग्रामीण सड़कें बंद पड़ी हैं। माननीय मुख्य मंत्री जी, जो बादल फटा, उस दौरान बहुत पानी आया। वहां पर तीन-चार खड्डें हैं। एक मेन खड्ड, रिवासलर के ऊपर नैना माता के मंदिर से कैचमैंट शुरू होता है, उसको सोन खड्ड कहते हैं। एक अवाहदेवी से शुरू होती है उसको सिटयार खड्ड कहते हैं। एक ऊपर से नाल्ड खड्ड कहते हैं और चौथी जांदर खड्ड है। अमूमन उन खड्डों का पानी अलग-अलग आता था लेकिन इस बार उन खड्डों का पानी एक-साथ आया। 1962 में भी उस खड्ड में पानी आया था। जो बुजुर्ग, जिनकी उम्र 80-85 साल है, वे कहने लगे कि 1962 से भी 8 फुट पानी ऊपर गया, जिसकी वजह से धर्मपुर बाज़ार की दुकानों को बड़ा नुकसान हुआ है।

जारी श्रीमती के0एस0

/1255/21.08.2015केएस/डीसी1/

श्री महेन्द्र सिंह जारी----

नुक्सान हुआ है। वहां व्यापारियों का सारा सामान, लगभग 60-70 दुकानें जलमग्न हो गई और सारा का सारा सामान बह गया। बाली जी वहां पर गए थे, इन्होंने वहां पर देखा

होगा, शटर ऐसे टूटे हुए हैं जैसे की जे.सी.बी. मशीन से वह शटर पकड़ कर बाहर को खींचें गए हैं । जितना माल उन दुकानों के अंदर था, सारा का सारा तैरता हुआ बाहर चला गया और पांच बहुमूल्य जानें चली गई। जिस क्षेत्र का आपने 2014 में दौरा किया था, जिस क्षेत्र में आपने कहा था कि सारा प्रोटैक्शन वर्क हो जाएगा, उस क्षेत्र में तीन जानें एक ही परिवार की चली गई। अगर वहां प्रोटैक्शन वर्क हुआ होता तो लैंड स्लाईड नहीं आना था। प्रोटैक्शन वर्क न होने की वजह से पूरे मकान पर एकदम से जो ल्हासा आया उसकी वजह से वहां पर एक ही परिवार में एक व्यक्ति के माता-पिता और पत्नी तीनों की ही मौत हो गई। एक नौजवान मट्ठू राम के ऊपर पत्थर पड़ा वह मौके पर ही मर गया। एक वहां पर लंगड़ा साधू रहता था, उसका पता ही नहीं चला, वह भी बह गया। मकानों का जो नुक्सान हुआ है, उसकी क्षतिपूर्ति के लिए अभी तक कोई भी काम शुरू नहीं किया गया है। आज पीने के पानी की सारी योजनाएं वहां बन्द पड़ी है। सारी वॉश हो चुकी है लेकिन विभाग कोई भी कार्रवाई नहीं कर रहा है। आज वहां पर जो बिजली का स्टोर धर्मपुर में हुआ करता था, आप उसको उठा कर कहीं दूसरी जगह ले गए । बिजली बहाल करने के लिए उनको सामान नहीं मिल रहा है । आज 21 तारीख है, अभी भी मुख्य मंत्री जी, 20 प्रतिशत काम ऐसे हैं जहां पर अभी भी बिजली की आपूर्ति नहीं हो पाई है।

अध्यक्ष :माननीय सदस्य, बहुत समय हो गया है। कृपया अब समाप्त करें। आप आधे घण्टे से ज्यादा बोल चुके हैं। श्रीमती सरवीन चौधरी जी आप बोलिए।---(व्यवधान)--- महेन्द्र सिंह जी, यह गलत बात है। आप आधे घण्टे से ज्यादा बोल चुके हैं। अब कृपया बन्द करें। सरवीन जी, आप बोलिए और अगर आप नहीं बोलना चाहतीं तो मैं अगले मैम्बर को चर्चा के लिए बोल दूं?

/1255/21.08.2015केएस/डीसी2/

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, ऑन रिकॉर्ड मैं एक बात कहना चाहता हूं कि माननीय महेन्द्र सिंह जी ने लोगों की कोई समस्या यहां पर नहीं रखी। उन्होंने एक पोलिटिकल स्पीच दी है। जहां भी त्रासदी होती है, नुक्सान होता है,उसके बारे में हमें बहुत दुख होता है और नियमानुसार उसकी भरपाई करने की पूरी-पूरी कोशिश की जाती है। जहां पर भी ऐसी घटना घटती है, हमारी सरकार ने लोगों को राहत पहुंचाने की हमेशा पहल की है । मैं खुद धर्मपुर गया हूं। मैं उस क्षेत्र से पार्लियामैंट का मैम्बर एक बार नहीं, कई

बार रहा हूं। उस क्षेत्र के अंदर जब सड़कें भी नहीं थी, मैं एक-एक गांव में पैदल गया हूं और मैं सबको जानता हूं।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

21.8.2015/1300/av/ag/1

मुख्य मंत्री -------- जारी

उस क्षेत्र के अंदर जब सड़कें नहीं थी मैं उस समय भी वहां एक-एक गांव में पैदल गया हूं। मैं सबको जानता हूं। (---व्यवधान---) आपने (माननीय सदस्य श्री महेन्द्र सिंह जी को कहा।) बहुत निकाली। (---व्यवधान---) यह कोई डिसप्यूट नहीं है। इसमें डिस्प्यूट की बात नहीं है। आपने विशेषकर अपने निर्वाचन क्षेत्र धर्मपुर का जिक्र किया कि वहां बड़ा भारी लहासा आ गया और नदी का रुख बदल गया है। उसके लिए कौन जिम्मेवार है? आपने नदी में बाढ़ लगाकर वहां पर बस अड्डा बना दिया जिससे पानी का बहाव रुक गया। (---व्यवधान---) You were the Minister for Transport at that time. It is due to your foolishness and wrong action.

अध्यक्ष महोदय, सरकाघाट में जो नदी-नाले हैं वे पूरे साल में सूखे रहते हैं। उनमें एक बूंद पानी नहीं होता। मगर बरसात होने पर उनमें बहुत पानी भर जाता है। वहां की हर नदी-नाले की यही कहानी है। अगर आप किसी नदी या नाले को बांधकर वहां कोई भवन या मैदान बनायेंगे तो पानी का बहाव तो रुक जायेगा। (---व्यवधान---) वहां यह हुआ है। वहां पर दो सड़कें बनी है। धर्मपुर में वह कौन सी स्कीम है?(---व्यवधान---) मैं यह कह रहा हूं कि वहां धर्मपुर में सारे नदी-नाले सूखे रहते हैं मगर बरसात के दिनों में उनमें भंयकर बाढ़ आती है। आप जब परिवहन मंत्री थे तो आपने वहां पर बस अड्डा बनाया और वहां जगह वह छांटी गई जहां पर नाले का बहाव था। आपने उसको रोका और जब बाढ़ आई तो (---व्यवधान---) गलत काम किया। (---व्यवधान---) आपको धर्मपुर में किसी सेफ जगह पर बस अड्डा बनाना चाहिए था। आपने जो नदी का बहाव रोका है आज वहां पर उसी की वजह से बाढ़ आई है।

समाप्त

Speaker: Now, this House is adjourned for lunch up to 2 p.m.

21/08/2015/1410/TC/AS/1

माननीय सदन की बैठक दोपहर के भोजन के उपरान्त 2.10 बजे अपराह्न पुनः आरम्भ हुई ।

अध्यक्ष : जैसा मैंने आपको पहले भी बताया है कि नियम-130 के अन्तर्गत जो प्रस्ताव आया है, उसके साथ नियम 62-का प्रस्ताव भी है, उसको हमने इक्टठा किया है । उसमें बोलने वाले बहुत ज्यादा है । मैं आपसे निवेदन करूँगा कि 10 मिनट से ज्यादा न बोलें ताकि ये टाईम यूटेलाईज हो सकें । अब मैं श्री महेश्वर सिंह जी से निवेदन करता हूँ कि आप अपनी बात रखें ।

श्री महेश्वर सिंह : अध्यक्ष महोदय, नियम-130 के अन्तर्गत आपकी स्वीकृत अनुसार यहां पर प्रस्तावक महोदय ने प्रस्ताव प्रस्तुत किया है, मैं भी उस प्रस्ताव में प्रस्तावक के रूप में इस चर्चा में भाग लेने के लिए खड़ा हुआ हूँ । महोदय, प्राकृतिक आपदों, अधिक वर्षा, सुखा, भूकम्प आदि-आदि अनादिकाल से लेकर सारे संसार में अविघटित होते रहे हैं। लेकिन अब एक नई समस्या उत्पन्न हुई है, जोकि बादल फटने से प्राकृतिक आपदाओं का होना है। मुझे याद है 1978 की, शायद माननीय कौल सिंह जी, सुजान सिंह जी और माननीय गुलाब सिंह जी को भी याद होगा कि 1978 में जब हम लोग इस माननीय सदन के सदस्य थे, कुल्लू जिला के आनी क्षेत्र के ,कुशबा गांव में इस प्रकार का बादल पहली बार फटा था और 27 लोगों की मृत्यु हुई थी तथा सैंकड़ों बिघा जमीन तबाह हो गई थी । तत्कालीन मुख्यमंत्री के आदेशानुसार विधायकों का एक दल मौके पर गया था और मुझे भी जाने का मौका मिला था । जहां पर यह बादल फटा था वहां पर न तो कोई नदी थी न कोई नाला था लेकिन उस जगह को देखकर हम सब आश्चर्यचचकित रह गए कि कहां से ये पानी आया और कहां चला गया । उसके बाद उन लोगों को, इसके नीचे एक पंचायत है, वहां उस पंचायत में शटलधारक नामक स्थान में बाबा पंचायत में रिहेब्लिटेट किया गया । लेकिन जिस प्रकार से अब निरन्तर

बादल फटने की घटना में वद्धि हो रही है, केवल एक कुल्लू जिला में शायद कोई घाटी इस बार अछूती रही हो, चाहे आप सैंज की बात करें , चाहे तीर्थन घाटी की बात करें, चाहे गड़सा घाटी की बात करें,

21/08/2015/1410/TC/AS/2

चाहे मणिकर्ण घाटी की बात करें हर साल इसमें वृद्धि हो रही है, जो एक गम्भीर चिन्ता का विषय है । मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करूंगा, माननीय सम्बन्धित मंत्री जी के ध्यान में भी लाना चाहूँगा कि अब समय आ गया है कि इस आधुनिक युग में बादल फटने के कारण का पता लगाना चाहिए और किस प्रकार से इस विपदा से बचना चाहिए, इस पर स्टडी होनी चाहिए । महोदय, इस वर्ष 9 फरवरी को कुल्लू शहर के बीच में मठ क्षेत्र में जोकि माननीय ग्रामीण विकास मंत्री के मामा का घर है । ---- ---

श्रीमती न0स0 द्वारा जारी -----

21.08.2015/1415/NS/AS/1

श्री महेश्वर सिंह----------जारी

इस वर्ष 9 फरवरी को कुल्लू शहर के बीच में मठ क्षेत्र में जहां हमारे माननीय ग्रामीण विकास मंत्री के मामा के घर है वहां पर बहुत ज्यादा बारिश हुई और लगातार 19 फरवरी से 26 फरवरी तक वह चलती रही। वहां पर भंयकर लैंड स्लाइड्स हुए। सड़कें और सिंचाई की योजनाएं समाप्त हो गई। पैदल चलने सारे रास्ते तबाह हो गये। मैंने पिछले बजट सत्र के दौरान एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से यह विषय उठाया था। मैं राजस्व मंत्री महोदय का आभारी हूं। मैंने यह विषय इनके ध्यान में लाया कि उनके लिए अकेला 60 लाख रुपये चाहिए। मेनुअल के अनुसार उनको जो राहत देनी है उसके लिए तो डी.सी. साहब प्रबंध करेंगे। मगर यह अतिरिक्त अमाउंट कहां से आयेगा और सड़क कैसे बनेगी तो इन्होंने कहा कि जिलाधीश के माध्यम से जो केंद्र सरकार से पैसा आता है और सरकार ने जो सीमित साधनों से पैसा रखा है उसमें से शेष 30 लाख रुपये की व्यवस्था करेंगे। मैं मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि अब वह समय आया है आप कृपा करके उस 30 लाख रुपये का अविलम्ब स्वीकृत करके भेजे क्योंकि अभी

भी वहां डेढ़ किलीमीटर सड़क पर डंगे लगने को शेष बचे हैं। वह क्षेत्र अभी भी सड़क से नहीं जुड़ा है। मैं आपके ध्यान में दूसरी बात यह भी लाना चाहता हूं कि यहां पर अधिकांश लोग लाहौल के ट्राइबल समुदाय के हैं। पांगी से आये हुए लोग बसे हुए हैं। यह प्रावधान है कि जहां नॉन ट्राइबल क्षेत्र में ट्राइबल की बस्ती है वहां के लिए ट्राइबल सब प्लान से पैसा मिलता है। मैं निवेदन करुंगा कि मंत्री जी आप इस मामले को प्लानिंग डिपार्टमैंट से उठायें और वहां का हिस्सा दिलायें। आज लाहौल की 30 प्रतिशत घटी है और यह बात सर्वविदित है कि वे सारे कुल्लू में बसे हुए हैं। इसलिए उनके विकासात्मक कार्यों के लिए वहां से पैसा दिलाना न्यायसंगत होगा।

इसके अतिरिक्त, ग्राम पंचायत मणिकर्ण में एक लपास नामक गांव है। दिनांक 16 जुलाई को दिन के समय वहां बादल फटा। पहाड़ की चोटी पर बीच जंगल में यह घटना

21.08.2015/1415/NS/AS/2

घटी जिससे वहां 5 घर तबाह हो गये। उसकी भरपाई के लिए राजस्व मेनुअल के अनुसार मदद दी जा रही है। वहां पर सैंकड़ों बीघा भूमि बह गई। यह दिन को घटना हुई। रात को होती तो न जाने कितना नुकसान होता।

महोदय, मैं यह निवेदन करना चाहूंगा मंत्री जी से कि जैसा कि यहां पूर्व वक्ता ने कहा कि राजस्व मेनुअल में अगर घर के भीतर के हिस्से में मिट्टी चली जाए। ज़ीन में मलवा आ जाए। उसकी भरपाई या लेबर जो लगती है वो खर्चा राजस्व मेनुअल के अनुसार रिलीफ के रूप में दिया जा सकता है। लेकिन एक बात आपके ध्यान में लाना चाहूंगा या वन मंत्री जी भी बैठे हैं। 10 वर्ष पूर्व वहां पर जो कार्पोरेशन है। इन्होंने जंगल काटा। वो प्लान में था और हरे पेड़ भी काटे। फलस्वरूप अब उस पहाड़ के ऊपर कोई पेड़ नहीं है। अच्छा तो यह होता कि उसके बदले में पेड़ लगाएं। लेकिन कोई पेड़ नहीं लगाए। धीरे-धीरे ये घटनाएं 2-3 दफा हुई। लेकिन इस बार इतनी जब्रदस्त हो गई कि अन्य को लोग आज विस्थापित हुए। सरकार की और आज बड़ी आशा भरी दृष्टि से देख रहे हैं कि कब हमारी मदद हो ?

इसके अतिरिक्त महोदय, पार्वती घाटी सबसे ज्यादा प्रभावित हो रही है। एक बस दुर्घटना हुई और उस बस दुर्घटना में 100 यात्री थे और 40 के डूबने की आशंका है और केवल आज तक 12-14 लाशें हाथ में लगी। ये सब मनिकर्ण तीर्थ यात्रा में पंजाब से आए थे। सब की बुरी हालत होने के कारण वो बस टिल्ट होकर दरिया में चली गई। इसलिए उस सड़क की दशा को सुधारने की आवश्यकता है। मेरा एक सुझाव रहेगा कि इस

नदी पर चार बड़ी-बड़ी जलविद्युत परियोजनाएं हैं। उसके अतिरिक्त छोटी-छोटी बहुत सी परियोजनाएं हैं और उनकी हैवी मशीनरी

श्री नेगी द्वारा ------- जारी

21.08.2015/1420/NEGI/DC/1

श्री महेश्वर सिंह जारी...

और उनकी हैवी-मशीनरी मनीकर्ण क्या, बरशैणी तक जाती है। राजस्व मंत्री महोदय उस क्षेत्र से भली-भांति परिचित हैं। मेरा सुझाव रहेगा कि क्यों न इन सारे परियोजना वालों से मेन्टेनैंस के लिए पैसा लिया जाए ताकि हम उस सड़क का ठीक तरीके से रख-रखाव कर सकें।

अभी हाल ही में 18 अगस्त के दिन पौने दो बजे, न बारिश थी, न कोई बादल फटा लेकिन पहाड़ की चोटी पर चट्टान में दरार पड़ी और हजारों टन का एक ही पत्थर दो-ढ़ाई किलोमीर ऊपर से चला और रास्ते में शुक्र है भगवान का कि उसके तीन टुकड़े हुए, एक टुकड़ा एक तरफ को गया वहां एक दलित महिला जो पंचायत की पंच है उसके लैंटर लगे हुए 5 कमरे समाप्त हो गये, सारा घर ध्वस्त हो गया। लेकिन शुक्र है भगवान का कि बच्चे जो एक कमरे में खेल रहे थे वे बच गये। घर की बहु कपड़े धोने गई थी इसलिए वह बच गई और पति-पत्नी स्वयं नीचे मनीकर्ण बैंक में गए हुए थे वे बच गये यानि सारा परिवार बच गया। एक पत्थर अखरोट के पेड़ ने रोका। तीसरा पत्थर सीधा आया और जो गुरूद्वारे का यात्री निवास है उसके लैंटर पर पड़ा और उसकी स्पीड इतनी तेज़ थी और वजन इतना था कि तीन मंजिलें समाप्त कर दी और उसके बाद चौथी मंजिल नीचे बरामदे के बाद वह भी समाप्त कर दी। वह पत्थर सात मंजिलों को चीरता हुआ गया और ताश के पत्तों की तरह सारे मंजिल गिर गये। वह पत्थर आज भी दरिया में देखा जा सकता है। एक कमरे में 19 यात्री ठहरे थे और 5 मौके पर मर गये । लाशों के ऐसे टुकड़े हो गये कि सिर एक तरफ है, टांग एक तरफ है और धड़ कही हैं, मुश्किल से उनको पहचान करके जोड़ा। और 11लोग घायल हो गये और उनमें से जो 2 लोग सीरियस थे उनको चण्डीगढ़ पी.जी.आई. में ले गये और 9 व्यक्ति अभी भी कुल्लू अस्पताल में उपचाराधीन हैं। इस प्रकार की घटना दोबारा होने की सम्भावना है क्योंकि मैं स्वयं 19 तारीख को वहां से पैदल आधे रास्ते तक गया जहां से चट्टान आई थी और देखा कि जगह-जगह अब पत्थर इकट्ठे हो गये हैं । यह चट्टान टूटने की पहली घटना वहां

21.08.2015/1420/NEGI/DC/2

नहीं हुई है, कुछ वर्ष पहले एक घटना वहां घटी है, एक स्कूल चलता था और उसका प्रधानाचार्य को कमरे के भीतर जाकर उस चट्टान ने मारा था। पिछले साल घटना हुई और सारा रास्ता, वहां का शमशान घाट का बन्द हो गया था और वहां पर ब्लास्टिंग भी नही हो सकती थी । जो लेटैस्ट तकनीक है उसमें छेद बना कर और उसमें पाउडर डाल कर उसको तोड़ा गया और उसके बाद उसके टुकड़े-टुकड़े करके उसको निकाल दिया गया। अभी ढ़ाई महीने के बाद फिर एक चट्टान आई और यह ऐसी चट्टान आई जो सारी तबाही कर गई। अगर पूरा आता तो गुरूद्वारे का कुछ नहीं बचता।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से एक निवेदन करना चाहूंगा, कोई कहता है कि इसकी ब्लॉस्टिंग कर दो। मुझे लगता है कि अगर ब्लॉस्टिंग करेंगे तो और पत्थर आएंगे। वहां पर ढलानदार जगह है और ब्लॉस्टिंग के पत्थरों को रोकेंगे कैसे? वहां पर पत्थर पर पत्थर टिका हुआ है बेलेन्स की तरह। जैसे आप शिमला-बिलासपुर रोड़ पर देखते हैं कि यहां बेलेन्स पर पत्थर टिके हुए हैं। अगर थोड़ी सी भी कहीं हिले तो हमारा सारा तीर्थ स्थल ध्वस्त हो जाएगा। इसलिए जो भू-गर्भ विशेषज्ञ हैं उनकी टीम भेजें ताकि वे हमें बताएं कि ऐसी स्थिति में हमें क्या करना हैं । और पत्थर आने वाले हैं । मैं अकेला नहीं बल्कि जो भी वहां गए उन सबका कहना है कि वह जगह अब कम से कम प्रतिबन्धित क्षेत्र बनाना पड़ेगा। जहां वह दलित बस्ती थी जिसका घर टूट गया उनको बदले में भूमि देनी होगी । वहां पर घर बनाना खतरे से खाली नहीं है। पत्थर आते रहते हैं। जो गुरूद्वारे का यात्री निवास है, जिस पोर्शन में क्रैक्स आए हैं और जो टूट गया है उसको भी थोड़े दिन के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र बनाना होगा। एक पैदल रास्ता आता है, पार्वति नदी पर एक फुट-ब्रिज है, उधर से गुरूद्वारे हो कर लोग मनीकर्ण जाते हैं और उसको भी बन्द करना होगा। नहीं तो फिर कभी दोबारा इस प्रकार की घटना हो सकती है।

21.08.2015/1420/NEGI/DC/3

अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त क्योंकि दिन का समय था लोग रैलिंग का सहारा ले कर खड़े हो कर दरिया पार्वति को देख रहे थे क्योंकि वहां से ठण्डी हवा आती है, उस दृष्य को देख रहे थे और ठण्डी हवा का आनन्द ले रहे थे जब यह घटना घटित हुई है, प्रत्यक्ष दर्शियों का कहना है कि ....

श्रीमती यू.के.द्वारा जारी...

/1425/21.08.2015यूके/डी0सी01

श्री महेश्वर सिंह---जारी----

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना यह है कि जो वहां 15-20 लोग वहां खड़े थे, वे भी नदी में चले गए, लेकिन इनका रिकॉर्ड नहीं है, यह गर्भ के भविष्य में है कि सचमुच कितने मरे या कितने नहीं । लेकिन जो सी0सी0 कैमरा लगा हुआ था उसमें एक आदमी उस बड़ी चट्टान के साथ नीचे गिरता हुआ स्पष्ट रूप से नजर आ रहा है, जो इसकी गिनती में नहीं है । महोदय, आखिर यह घटनाएं अभिघटित हो क्यों रही हैं? क्यों बादल फट रहे हैं? क्योंकि मुझे लगता है कि जो पर्यावरण का संतुलन है, वह बिगड़ गया है । जो भू-सरंक्षण अधिनियम 1980 में आया । मैं, माननीय मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहूंगा कि वहां जितने प्रोजेक्ट लगे हैं, सबको आपके वन विभाग को FCA के अन्तर्गत डट कर पैसा मिला । लेकिन एक जंगल बता दें जो उस पैसे से लगाया हो ? अगर जंगल समय रहते लगाते तो शायद इन घटनाओं में कमी आती । लेकिन मैं आपको दोष नहीं दे रहा हूं, जब से यह ऐक्ट आया, जब से लेकर परियोजना वालों ने FCA के अन्तर्गत पैसा दिया है, वह किसलिए दिया? क्या उद्देश्य था? कि इसके बदले में जंगल तैयार किए जाएं और कुल्लू की स्थिति तो थर्ड क्लास फारेस्ट लैंड होने की वजह से PWD विभाग को भी अपनी जमीन के पैसे वन विभाग को देने पड़े हैं । सामने ऐडिशनल सी0एस0 महोदय बैठे हैं जिनके पास ड्यूल चार्ज है, इस बात की चिंता करने की आवश्यकता है कि जितना पैसा मिला, क्या कहीं पेड़ लगे? चाहे वह आऊटर सराज की बात करो, चाहे कुल्लू, किन्नौर, और लाहौल-स्पिति की करो, आज हमारे पहाड़ ढंकार नजर आते हैं क्योंकि सारी मिट्टी इररूट हो गयी है और बड़ी-बड़ी चट्टानें खिसक रही हैं । इस तरह से बहुत जगह तबाही मचेगी । इसलिए समय रहते वहां पर तटबंधी का काम करना, वहां पर फल्ड प्रोटैक्शन के लिए दीवारें देना, वृक्षारोपण करना, आज आपका वन महोत्वस केवल एक सेरेमनी बन कर रह गया है और सारे महोत्सव सड़क के किनारे होते हैं । यह दुगर्म क्षेत्रों में कौन करेगा? पेड़ों का रेट आफ सरवाईवल क्या है? यह कौन देखता है? पेड़ जा कर तब लगाते हैं जब सारी बरसात समाप्त हो गई भादों की 20 के बाद ताकि धूप का आनन्द लें पेड़ और अगली साल को एक न रहे । इसलिए समय रहते इसकी ओर

/1425/21.08.2015यूके/डी0सी0/2

ध्यान दीजिए। नहीं तो अनर्थ हो जाएगा। आज किन्नौर की कैसी डरावनी शक्ल बनी है, आज मणीकर्ण की कैसी डरावनी शक्ल बनी है। (घंटी) जहां-जहां परियोजनाएं आ गयी हैं वहां सभी जगह इस प्रकार की स्थिति आपको देखने को मिलेगी। मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है एक तो मंत्री महोदय अपना वचन निभाएंगे कि वो मठ के लिए पैसा उपलब्ध करवाएंगे और मुझे विश्वास है, अपने ग्रामीण विकास मंत्री जी भी इसमें मेरा समर्थन करेंगे क्योंकि दूध का कर्ज निभाना पड़ता है तो निश्चित रूप से आप भी निभाएंगे। जो मैने यहां पर सुझाव रखे हैं, निश्चित रूप से मुझे विश्वास है कि सरकार उस पर गौर करेगी। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूं।

अध्यक्षः अब श्री कर्ण सिंह जी, चर्चा में भाग लेंगे।

/1425/21.08.2015यूके/डी0सी0/3

श्री कर्ण सिंहः अध्यक्ष महोदय, जो एक बड़ा महत्वपूर्ण प्रस्ताव यहां इस माननीय सदन में रखा है, मै उस विषय पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। सबसे पहले तो मैं । would not take much of time. I will be precise. थोड़ा समय लूंगा अपनी बात कहने के लिए। जहां पूरे प्रदेश में घटना घटी है, मैं समझता हूं उसमें कुल्लू, मंडी तथा किन्नौर जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। अब मुझे समझ नहीं आता कि यह क्लाउड बर्स्ट. What is cloud burst? बादल फटना, It is torrential rain. पहले भी बारिश होती थी। यह कोई नहीं बात नहीं है। कहीं पर ज्यादा बारिश पड़ती है तो कह देते हैं कि क्लाउड बर्स्ट हो गया। यह गलत है, "Cloudburst" जो नाम दिया गया है। मैं पीछे नहीं जाना चाहता कि पास्ट में क्या हुआ ? यह घटना जो अब घटी है about which we are talking. पीछे क्या हुआ, क्या नहीं हुआ, it is a separate point. मैं अपने क्षेत्र की बात करूंगा। माननीय सदन के विधायक माननीय श्री महेश्वर सिंह जी ने मणिकर्ण की बात कही जो अभी हाल ही में घटना घटी है। मान्यवर विपक्ष के नेता धूमल साहब भी वहां पहूंचे थे। बड़ी चट्टान गिरी, 8 लोग मर गए। 25 लोग अभी लापता हैं। उससे पहले सरश्याली में हुआ, यह मेरा पुराना क्षेत्र रहा है। इसी प्रकार मैं बंजार की बात करूंगा, आपकी वाटर सप्लाई स्कीम्ज़ हैं, इरिगेशन स्कीम्ज़ हैं। प्लांच, कलवारी

एस0एल0एस0 द्वारा जारी----

21.08.2015/1430/SLS-AG-1

श्री कर्ण सिंह ...जारी

पलियाच, कलवारी, बाहू, बालागर, गड़ापारली ,घलियार, गाड़ा-गुसांई, बंजार, सैन्सु, सैंज,गड़सा वैली आदि पानी की स्कीमों को नुकसान हुआ है। यह लगभग 2 करोड़ रुपये का नुकसान है। I am grateful to the Government and the Chief Minister कि इन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी और मौक़े पर जितनी राहत दे सकते थे, वह ये देने की कोशिश कर रहे हैं। Monsoon is still on. तुरंत तो होगा नहीं पर काम ज़ोरों से होना चाहिए। इसी प्रकार मैं सड़कों की बात करूंगा। लारजी-सैंज रोड है। सैंज-ढांग रोड है, बंजार बठाड़ रोड है, जिबी रोड है, गाड़ा-गुसैणी रोड है। दमूठी-बाटीधार रोड है, गड़सा-शियाह रोड है, बनाला नीरू रोड है, साहछैणी रोड है; इन सड़कों को भी बहुत नुकसान हुआ है। काम चल रहा है लेकिन उसको स्पीड-अप करना पड़ेगा। मेरी सरकार से यही विनती रहेगी कि यह काम स्पीड-अप होना चाहिए ताकि लोगों को राहत मिले। It is not a political issue. यह घटना जो घटी है, यह सब पर घटी है। We should be serious about it. मैं जानता हूं कि सरकार काम कर रही है। इसको गति दी जाए। मुझे इतना ही कहना है।

धन्यवाद।

21.08.2015/1430/SLS-AG-2

अध्यक्ष : अब श्रीमती सरवीन चौधरी चर्चा में भाग लेंगी।

श्रीमती सरवीन चौधरी : धन्यवाद अध्यक्ष महोदय।

अध्यक्ष महोदय, आज नियम-130 के अंतर्गत जो प्रस्ताव महेन्द्र सिंह जी लाए हैं , यह एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव है जिसमें हमने नियम-62 के अंतर्गत अपने-अपने क्षेत्र की चर्चा करने बारे आपको नोटिस दिए थे जो आपने क्लब किए हैं। शायद गुड फेथ में या गलती में आपने लंच से पहले मेरा नाम लिया था। आपको वहां स्टिक करना चाहिए था क्योंकि मैंने यह नोटिस नियम-62 के अंतर्गत दिया था। (***) हमने यह नोटिस नियम-62 के अंतर्गत दिया था जिसे आपने नियम-130 में बदल दिया। आपका धन्यवाद

है। ...(व्यवधान)...आपने मेरा नाम गुड फेथ में लिया होगा लेकिन छोटी-छोटी बातों के ऊपर विधान सभा में इस तरह का माहौल बनाना, ये गलत बात है। मैं अब इस अपने विषय को आगे रखती हूं।... (व्यवधान) ...हालांकि महेश्वर सिंह जी ने मुझे आते ही कहा कि मैं अपना नाम बतला आया हूं ,मैं आपसे पहले बोलूंगा। ...(व्यवधान)...

Speaker: You are totally wrong.

श्रीमती सरवीण चौधरी : आपसे मेरी कोई बात नहीं हुई लेकिन महेश्वर सिंह जी ने इस बात को रखा है। मुझे इस सदन में इसका खेद है कि इस हिसाब से यह व्यवहार किया गया।... (व्यवधान) ...अध्यक्ष महोदय, मैं अब अपनी बात को रखूंगी।... (व्यवधान) ... अध्यक्ष महोदय, मैं महेश्वर सिंह जी की सुनने वाली नहीं हूं।... (व्यवधान) ...यह जो एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव है, यह लोगों के हित के लिए यहां रखा गया है।... (व्यवधान)...

*** माननीय सदस्य श्रीमती सरवीन चौधरी के आग्रह पर अध्यक्षपीठ की अनुमति से कार्यवाही से निकाला गया।

21.08.2015/1430/SLS-AG-3

Speaker: Madam, please listen to me. You just sit down. Let me clear this point. Rule 130 is printed in the List of Business. I can read now - "श्री महेन्द्र सिंह जी नियम-130 के अंतर्गत प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे"। इसी विषय पर सर्वश्री महेश्वर सिंह, कर्ण सिंह, श्रीमती सरवीण चौधरी के नियम-62 के अंतर्गत प्राप्त हुए नोटिसिज को मैंने नियमानुसार परिवर्तित कर नियम-130 के अंतर्गत चर्चा हेतु स्वीकृति प्रदान की है। It means the order which has been in the List of Business, उस आर्डर को ही में मैंने किया है। I have not changed it.

श्रीमती सरवीण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मेरा कहना सिर्फ़ इतना है कि अगर आपने गलती से मेरा नाम ले ही लिया था तो उसको जारी रखते क्योंकि मैंने नियम-62 के अंतर्गत अपने विधान सभा क्षेत्र से संबंधित नोटिस दिया था। चलो, इस बात को छोड़ते हैं और आगे चलते हैं। वैसे यह महेश्वर सिंह जी की पुरानी आदत रही है।

Speaker: No, no. I have to clear it.

श्रीमती सरवीण चौधरी : (श्री महेश्वर सिंह जी से) आपने आते ही मुझे क्या कहा? आपने कहा कि मैं नाम बदलाकर आ गया हूं, आप मुझसे बाद में बोलेंगी। आपने यह बोला था कि नहीं बोला?

Speaker: It was only due to the order kept in the List of Business.

श्रीमती सरवीण चौधरी : ठीक है, सर। मैंने नियम-62 के अंतर्गत अपना नोटिस दिया था और मैं उसी में अपनी बात को रख रही हूं। आपका प्रैरोगेटिव है और आप जैसे कहते हैं, हम वैसे ही रखते हैं। मेरा नोटिस आप अभी भी रिकॉर्ड निकाल कर देख लीजिए। मैंने नियम-62 के अंतर्गत ही नोटिस दिया था। जब आपने नाम ले लिया तो फिर उसको बदलने का क्या मतलब था? अनाऊंस होने के बाद it is insult.

Speaker: In the List of Business your name was at serial No. 3. You are wrong.

जारी..अंग्रेजी के बाद श्री गर्ग द्वारा

21/08/2015/1435/RG/AG/1

श्रीमती सरवीन चौधरी : ठीक है, सर, मैं इस बात को आगे बढ़ाती हूं। इसीलिए मैंने चेयर की रैसपैक्ट करते हुए कहा है। जो हो गया, वह हो गया।

Speaker: Thereafter, I got the list from some other Hon'ble Members also.

श्रीमती सरवीन चौधरी : इसलिए मैंने श्री महेश्वर सिंह जी के बारे में ही कहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात को आगे रखते शाहपुर क्षेत्र के बारे में कहना चाहूंगी।

श्री महेश्वर सिंह : आप प्रोसीजर पढ़कर आया करो।

श्रीमती सरवीन चौधरी : आप अपनी बात बैठे-बैठे नहीं बोलेंगे।

अध्यक्ष : अब क्या हो गया? आप बोलिए।

श्रीमती सरवीन चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मैं शाहपुर के दृड़ी पंचायत के खिरड़ी गांव की बात बताना चाहूंगी कि जिस तरह भारी बारिश से उस गांव में नुकसान हुआ है उसको प्रमुखता से इस सदन में उठाना चाहती हूं। वर्षाकालीन सत्र का जो थ्रस्ट होता है वह प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर बारिश से जो तबाही हुई होती है ,उस विषय से सबंधित सभी सदस्य अपनी-अपनी बात सदन में रखते हैं। यहां श्री महेन्द्र सिंह जी ने जो अपने विधान सभा क्षेत्र की बात रखी है। तो वहां पर हुए नुकसान का समाचार टी.वी. और सभी समाचार-पत्रों में भी आया था। इसी प्रकार भारी वर्षा से पूरे प्रदेश में तबाही हुई है।

अध्यक्ष महोदय, मेरे चुनाव क्षेत्र में एक खिरड़ी गांव है जो दृड़ी पंचायत के अन्तर्गत आता है। वहां 12 अगस्त को सुबह 6.30 बजे एक बहुत बड़ा स्लाइड गांव में लोगों के घरों में घुस गया और यह एक दिन की प्रक्रिया नहीं थी। इसका प्रमुख कारण मैं लोक निर्माण विभाग को भी मानती हूं। क्योंकि उस गांव में आज से दो-तीन साल पहले जब एक बड़ा स्लाइड आया था, एक बड़ा पहाड़ जब ऊपर से गिरा ,उस पहाड़ का जब सारा मलबा सड़क पर आया ,तो सबसे इजी मैथड जो लोक निर्माण विभाग ने अपनाया, वह यह था कि वहां से सारी मिट्टी उठाई और नीचे की तरफ फेंकते गए। हर साल हर बरसात में यही चलता रहा। खिरड़ी गांव सदियों से वहां बसा हुआ था। मिट्टी पानी से जब खूब भारी हो जाती है और जो 12 अगस्त को सुबह 6.30 बजे जब भारी बारिश हुई, तो सारा-का-सारा स्लश उस गांव के लोगों के घरों

21/08/2015/1435/RG/AG/2

में घुस गया। उनकी गौशाला और घरों के अलावा उनकी रसोइयां तक नहीं रहीं। उस दिन मैं शिमला में थी। मुझे उस दिन यह सूचना मिली, लेकिन वहां एस.डी.एम.
व अन्य अधिकारी वहां गए और राहत के नाम पर पांच-पांच हजार रुपये दिए और एक तिरपाल दिया जैसा हमारा सरकार का प्रोसीजर होता है। जबकि मैंने कहा था कि उस गांव के सभी लोग काफी गरीब हैं और वहां कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं है जो नौकरीपेशा हो ,सभी दिहाड़ीदार लोग थे और वे सारे राजपूत कम्युनिटी के ही लोग थे। इसलिए उनको एस.सी. कम्पोनेंट से भी कोई राहत नहीं मिल सकती थी। मैं प्रभावित लोगों का नाम बताना चाहूंगी जोकि निम्नलिखित हैं :- उनमें अमीचन्द, सुरजीत कुमार, चैन सिंह ,रमेश चन्द, चतुरो राम, गगन सिंह, सुरेश कुमार ,तप्पी राम ,दीनानाथ ,विक्रम सिंह, विधि चन्द ,मैहत सिंह और सुमीत कुमार हैं। इन सबके घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त

हुए हैं। मौके पर जाकर एस.डी.एम. ने इनको पांच-पांच हजार रुपये दिए और इनको सलाह दी कि ये सारे क्षेत्र को खाली कर दें। इसके बाद गांव के कुछ लोग कम्युनिटी सेन्टर में चले गए और कुछ लोग गांव के दूसरे लोगों के घरों में चले गए। कुछ लोग वहां टैंट लगाकर रह रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार के ध्यान में यह बात लाना चाहती हूं कि हम लोग जहां नए मकानों की बात करते हैं वहां नए मकान के लिए सरकार के मैनुअल के अनुसार 75,000/-रुपये दिए जाते हैं ,लेकिन जो सदियों से बनाया हुआ घर होता है वह 75,000/-रुपये में ठीक नहीं हो सकता। यहां तो पूरी तरह लोक निर्माण विभाग भी दोषी माना गया है। क्योंकि वहां के लोगों ने उस समय विभाग और सरकार दोनों से पत्र-व्यवहार किया है और उसके पेपर्ज भी उन्होंने अपने पास रखे हैं। उन्होंने उसमें कहा है कि यह मिट्टी बार-बार पहाड़ से ऊपर से नीचे हमारे घरों में गिर रही है और यह कभी भी हमारे लिए खतरा बन सकती है और आज वही खतरा खिरड़ी गांव में आया है। इससे पूर्व जैसा ठाकुर महेन्द्र सिंह जी ने कहा कि कई जगहों पर रिलीफ ज्यादा और कई जगहों पर कम रिलीफ जाता है। माननीय शहरी विकास मंत्री जी श्री सुधीर शर्मा जी यहां बैठे हैं। इनके ध्यान में है कि हमारे टिहरा लाईन में भी दो वर्ष पहले 14अगस्त, 2012 को एक बड़ा स्लाइड आया था जिसमें आर्मी की डबल बिल्डिंग सारी तहस-नहस हो गई। उसी तरीके से गांव भी क्षतिग्रस्त हुआ और वहां के लोग अभी लोक निर्माण विभाग की बिल्डिंग में खनियारा में रह रहे हैं। उन लोगों को कुछ अलटरनेटिव लैण्ड की बात भी चल रही है। कुछेक पंचायतों में लैण्ड के

21/08/2015/1435/RG/AG/3

लिए एन.ओ.सी. दी है और वह बात चल रही है और उस बात को भी ध्यान में रख रहे हैं। कई लोगों ने हंसते-हंसते कह दिया कि 75,000/-रुपये में नहीं बनेगा, कम-से-कम तीन लाख रुपये देने चाहिए। मंत्री जी ने उन लोगों को हंसकर टाल दिया।

एम.एस. द्वारा जारी

श्रीमती सरवीन चौधरी जारी----------

वह बात चल रही है। कई लोगों ने हंसते-हंसते कह दिया है कि सर, 75 हजार रुपये में मकान नहीं बनेगा इसलिए तीन लाख रुपये देना चाहिए। मंत्री जी ने भी उनको हंसकर टाल दिया और कहा कि चलो देखेंगे, जो सरकार करेगी। मैं धन्यवादी हूं कि उनको 75 हजार रुपये मिले। लेकिन सच्चाई यह है कि उस गांव में भूतपूर्व सैनिक भी हैं, तो उनका मकान तीन लाख रुपये में भी पूरा नहीं बन सकता। इसलिए सरकार को ऐसी आपदा में रिलीफ को थोड़ा ज्यादा करना चाहिए। यह तो कोई सहायता नहीं है कि एस0सी0 कम्पोनैंट या राजीव आवास योजना के तहत जो सरकार की ओर से मकान बनाने के लिए 75 हजार रुपये की राशि मिलती है उससे नये मकान बनाने के लिए गुजारा नहीं हो सकता। क्योंकि उन्होंने वर्षों से मकान बनाने के लिए मेहनत की है लेकिन खिरड़ी गांव में तो कोई भी व्यक्ति नौकरी-पेशा नहीं है। वहां सारे-के-सारे लोग मजदूरी करने वाले हैं। इसलिए मेरा सरकार से यही आग्रह रहेगा कि उनको तुरन्त राहत दी जाए। आज राहत की बड़ी हंसी वाली डैफिनेशन इस प्रदेश में हो गई है। अगर आप अपने रिलीफ मैन्युअल को निकालकर देखें या कोई इस मामले में आर0टी0आई0 के तहत सूचना मांगे तो रिलीफ बिल्कुल सही व्यक्ति को मिलता है। आगे लिखा होगा कि being poor for medical treatment. असल में वह हैल्दी व्यक्ति होता है। कई बार सरकार को एक एप्लीकेशन आ जाती है। वैरिफिकेशन तो कोई ज्यादा होती नहीं है। 5-5 और 10-10 हजार रुपया तो ऐसे ही वर्कर्ज के नाम पर दे दिया जाता है, लुटाया जाता है। I am sorry to say लेकिन यह सच्चाई है। लेकिन जहां पर इस तरह की आपदा हुई है, वहां पर सिर्फ 5-5 हजार रुपया उस मजदूर को जिसके पास न अपना घर है, न सामान रखने के लिए जगह है, वह सिर्फ टैंट लगाकर बैठा है, वह व्यक्ति 5 हजार रुपये कितने दिन चला पाएगा? इसलिए सरकार को इस ओर विशेष रूप से सोचना होगा। क्योंकि हिमाचल जैसे पहाड़ी क्षेत्र में जिस तरह से आपदायें आ रही हैं, उसी तरीके से हमें रिलीफ भी देना पड़ेगा। मुझे लगता है कि इन लोगों को तुरंत राहत के नाम पर, जैसे मैंने कहा था कि कम-से-कम 10 हजार रुपया तो चाहिए। चलो5 , हजार रुपया दे दिया। वहां एस0डी0एम0 एक दिन चला गया और उसने जगह को

देखकर बोल दिया कि अनसेफ है तो इसी से सरकार की जिम्मेदारी पूरी नहीं हो जाती। मैं जब शिमला से जाकर उस गांव में गई। एक कपि राम नाम का व्यक्ति था जिसके बरामदे में लोग बैठे और मुझसे बातचीत की। मुझे लगा कि यह मकान थोड़ा ठीक है, सुरक्षित लग रहा है। सुरक्षित का मतलब कि ऐसा लगा कि बैठने लायक है। लेकिन अध्यक्ष जी, मैं हैरान हो गई जब उन्होंने बाद में मुझे कहा कि हमारी रसोई देखिए। रसोई पूरी मिट्टी से भरी हुई थी। रसोई के साइड में एक स्टोर था, वह भी पूरा मिट्टी से भरा हुआ था। जब मैं पीछे उनके मकान के अंदर गई तो मकान के पीछे स्लश इतना हैवी आया था कि उसके कारण उनकी दीवारें अंदर को आ गई और अंदर वाली खिड़कियां बाहर को निकल गई। हमारे हिमाचल में नॉर्मल ट्रेंड होता है कि दीवार के पीछे खिड़की होती है। मैंने उनको बोला कि एस0डी0एम0 आए थे, आपने उनको यह दिखाया? उन्होंने कहा कि यह उस दिन नहीं हुआ था यानी वे खिड़कियां उस दिन नहीं निकली थीं। इसमें मिट्टी इतनी ज्यादा है कि एडमिनिस्ट्रेशन ने उस दिन ही तय कर दिया कि यह घर रहने के लिए सेफ नहीं है। लेकिन जो वर्ष 2012 में लोग हमारे वहां घरों से निकले, वे लोग लोक निर्माण विभाग की बिल्डिंग में आज दिन तक रह रहे हैं। उनको ही मकानों की सुविधा नहीं मिली तो जो आज बेघर हो रहे हैं ये लोग अपने जीवन को कब तक घसीटते रहेंगे। यह गंभीर मामला इसलिए बन जाता है कि जिसके सिर पर छत नहीं रही, वह कितनी देर तक किसी के बरामदे में रात काट सकता है। इसलिए सरकार की ओर से जो छोटे-छोटे बेकार रिलीफ लोगों को मिलते हैं ,उनके बारे में सोचा जाना चाहिए।

वैसे ही विडो के नाम पर एक स्कीम थी जिसके तहत विडो की बेटी के लिए हम लोग सहायता देते थे। क्योंकि मदर टैरेसा योजना के अंतर्गत सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से जो पैसे मिलते हैं, वह पैसे विडो को ही मिलते थे लेकिन आज की तारीख में जिसने एप्लीकेशन दी, वह ठीक है। गरीब है, आई0आर0डी0पी0 है या नहीं है, बिना इसकी चैकिंग के सबको ही पैसे दे दिए जाते हैं। जो वास्तव में गरीब है, जिसको पता नहीं है कि एप्लीकेशन देनी भी है या नहीं, चाहे वह विडो भी हो तो वहां ये रिलीफ नहीं मिल रहे हैं। यह आज की सरकार की सबसे बड़ी गलत बात मुझे लगती है। इसलिए हिमाचल प्रदेश में जो यह सरकार है, इसको यह सोचना पड़ेगा कि आपदा प्रबंधन का रिलीफ किसको देना है। अदरवाइज एक समय

/1440/2015/08/21MS/AG/3

ऐसा आएगा जब लोग चिट्ठा निकालेंगे कि किस-किस को ये पैसे मिले हैं। थोड़ा-बहुत 19-20 चलता है लेकिन जिन लोगों के घर उजड़ गए, उन लोगों के लिए हमें सोचना पड़ेगा। इसी के साथ-साथ मैं कहना चाहती हूं कि नुकसान का 35 प्रतिशत ही रिलीफ मिलता है। सरकार या तो उनको दो-दो कमरे बनाकर दे दे क्योंकि मेरे खिरड़ी गांव में तो प्योरली विभाग की गलती के कारण ये सारे मकान गिरे हैं। अगर वहां पर वह स्लश ऊपर से नहीं आता तो शायद वे मकान टिके रहते। दूसरे, मैं यहां पर पटवारियों के बारे में भी अपनी बात यहां रखना चाहूंगी। छुट-पुट घटना जैसे किसी का एक कमरा गिर गया, किसी की गैराज गिर गई।

जारी श्री जे0के0 द्वारा---

21.8.2015/1445/जेएस/एएस/1

श्रीमती सरवीन चौधरीः---------जारी-------

छिटपुट घटनाएं, किसी का एक कमरा गिर गया और किसी की दीवार गिर गई और इसी के साथ मछरयाल गांव में भी काफी लैंड स्लाईड हुआ। मैं वहां पर गई और मैंने दो-तीन दिन बाद तहसीलदार को बोला, पटवारी को बोला कि इन गांवों को देखो कि कितना इनका नुकसान हुआ है? आज सुबह भी मैंने पता किया आज दिन तक उन घरों को देखने के लिए पटवारी को समय ही नहीं मिला है। जहां पर तुरन्त कार्रवाई की आवश्यकता है, वहां पटवारी को भी चाहिए कि वह तुरन्त रिपोर्ट करके तहसीलदार को दें और आगे एस.डी.एम, डी.सी को दें या जो सरकार सही समझती है। मगर जब तक उन्होंने यह रिपोर्ट बनाई ही नहीं कि कितना नुकसान हुआ है ,जहां पर ऐसी रिपोर्ट मिलती है, पटवारी को तुरन्त एक्शन लेना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, हमारे एक गांव बड़ूसाधना है। वहां पर एस.सी. कॉम्युनिटी के लोग हैं। वहां पर एस.सी. कम्पोनेंट के तहत सड़क बन रही थी और वह कच्ची है। हर बरसात में उस सड़क का बुरा हाल हो जाता है लेकिन इस बार वह गांव दोनों तरफ से कट गया है ।वहां के बच्चों को गोदी में उठा करके पांचवी-पांचवी क्लास तक के बच्चों को भी नीचे स्कूल छोड़ने आना पड़ता है। काफी दिनों से मैं कोशिश कर रही हूं कि

उनको सड़क से जोड़ा जाए । वह गांव भी सड़क से जोड़ा नहीं जा रहा है। लोक निर्माण विभाग ने कुछ थोड़ा-बहुत एक्शन हमारे कहने पर वहां लिया है, लेकिन उसमें ज्यादा रिलीफ की जहां जरूरत है ,वहां पर जे.सी.बी. और ज्यादा लेबर्ज लगा करके उस काम को तुरन्त किया जाए। वह जो गांव है वह रेलू पंचायत का पार्ट है बड़ूसाधना, कम से कम कच्चा-पक्का करके उनको एक लिंक रोड़ बरसात में दिया जाए। वह गांव दोनों तरफ के रास्तों से ही कट हो गया है। यहां पर मैं खिरड़ी की बात कह रही हूं वहां पर भी लोक निर्माण विभाग ने जहां बाकी का गांव इन 10-12 घरों के सिवाय, उससे आगे का जो गांव है, वह भी सड़क से कट गया है। उसको भी सही नहीं किया गया है और यह 12 तारीख की घटना है। कम से कम ऑल्टरनेटिव रूट वहां पर बना दिया जाए ताकि खिरड़ी लास्ट तक के जो घर है

21.8.2015/1445/जेएस/एएस/2

लोग वहां पर पैदल तो जा सकें। यह सारा काम लोक निर्माण विभाग करें। इसी के साथ जो वहां पर सड़कों का नुकसान हुआ है वह तो बहुत ज्यादा है। इसके बारे में विभाग सतर्क रहे। विशेष करके जिस सड़क पर बार-बार लेंड स्लाईड्ज हो रही है वह सड़क शाहपुर से लेकर ब्रौ तक की है। इसका भी सरकार विशेष रूप से संज्ञान लें। रिलीफ मैनुअल और उनके छत की चिन्ता यह मुख्य मंत्री जी भी करें और सरकार भी करें। हमने अपनी आवाज को विधान सभा में रखा है। इसको सही तरीके से आप करें। श्री कर्ण सिंह जी ने यहां पर बादल फटने की बात की । बादल फटने की घटना हर साल होती है और महेश्वर सिंह जी भी कह रहे थे कि इसके बारे में पूछना पड़ेगा। मुझे तो हंसी आ रही थी कि उनको पूछने के लिए कहीं जाना पड़ेगा कि यह घटना क्यों हो रही है? इसके बारे में भी आप लोग आपस में बातचीत कर लेना। भगवान की मर्जी के बिना तो नेचुरल केलामिटी होती नहीं है। कर्ण सिंह जी आपने भी पासिंग रिफ्रैस में बादल फटने की बात की है। इस बारे में महेश्वर सिंह जी को पूछना पड़ेगा कि यह क्यों हो रहा है? क्योंकि जब हम हेल गन लगा करके सेब के पौधों के ऊपर बारिश कर सकते हैं तो ऐसा भी कुछ हो सकता है लेकिन श्री महेश्वर सिंह जी को पूछने तो जाना ही पड़ेगा।

अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे समय दिया आपका धन्यवाद। जितने भी बरसात में नुकसान हुए हैं इनकी भरपाई के लिए भी इस पर तुरन्त कार्रवाई करें, जैसे कि दो-दो सालों से टिहरा लाईन के लोग आज भी लोक निर्माण विभाग की कॉलोनी में सड़ रहे हैं

इस तरह से इन लोगों का हाल न हो। रिलीफ सबसे पहले सरकार को इन लोगों को देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, आपने समय दिया आपका धन्यवाद।
अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि "प्रदेश में हाल ही में भारी वर्षा व बादल फटने से हुई क्षति बारे यह सदन विचार करें"

21.8.2015/1445/जेएस/एएस/3

अध्यक्षः अब डॉ. राजीव बिन्दल जी प्रस्ताव को आगे बढ़ाएंगे। माननीय विधायक जी आप अच्छा बोलते हैं । यहां पर ब्रीफ में बोलिए।

डॉ. राजीव बिन्दलः अध्यक्ष महोदय, नियम-130 के अन्तर्गत आपने मुझे बोलने का समय दिया और यह बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है। हमारे चार पूर्व वक्ताओं ने विषय को बहुत अच्छे तरीके से रखा है। मैं उस विषय की पुनरावृत्ति नहीं करूंगा क्योंकि माननीयम मंत्री जी बैठे हैं। मैं केवल पुरानी बात याद करवाऊंगा माननीय मंत्री जी ने इस सदन में ही माना था कि वर्ष 2 013में सिरमौर जिला में भारी नुकसान हुआ है और उसकी हम भरपाई करेंगे। माननीय मुख्य मंत्री जी ने भी माना था कि हम लगातार प्रयास करते रहे । मुख्य मंत्री जी के प्रवास भी हुए और आपके प्रवास भी हुए, परन्तु राहत के नाम पर केवल 7 करोड़ रूपया पहुंचा। आपने जो असैसमैंट की थी वह 100 करोड़ से ज्यादा की थी । 7 करोड़ में से 2 करोड़ रूपया सरकारी भवनों की रिपेयर पर दे दिया।

श्री एस.एस. द्वारा जारी----

14/21.08.20155/0SS-DC/1

डॉ0 राजीव बिंदल क्रमागतः

7 करोड़ में से 2 करोड़ रुपया सरकारी भवनों की रिपेयर पर दे दिया। दो करोड़ रुपया फॉरैस्ट डिपार्टमैंट को दे दिया। कुछ राहत के लिए चला गया और जिन लोगों की जमीनें गईं, मकान बहे, आपने जिनका आंकलन एक लाख रुपये के नुकसान का किया उसको एक हजार से ले करके ढ़ाई हज़ार रुपये तक का मुआवजा दिया और 70 प्रतिशत लोग ऐसे हैं जिनको मुआवजा ही नहीं मिला। ये उत्तर भी आपने ही हमें इस

विधान सभा सैशन में जिनका नुकसान हुआ उनके नाम सहित दिया। मैं केवल एक मिनट में उसको पूरा कर लेता हूं। मात्र पंचायत ,वनकला पंचायत, सतीवाला पंचायत, रामपुर बारापुर पंचायत और धौलाकुआं पंचायत में भारी नुकसान हुआ था और आज भी वे लोग उस नुकसान को झेल रहे हैं। दोबारा 2014 में उतना ही नुकसान हुआ और इस साल भी 2015 में वही मारकण्डा और मारकण्डा नदी के आसपास के क्षेत्रों में भारी नुकसान हुआ। 40 वर्ष की आयु की महिला की उस बाढ़ में बहने से मृत्यु हो गई। उसका अपंग लड़का और अपंग पति पीछे रह गया। यह स्थिति है और राहत के नाम पर हम कुछ प्राप्त नहीं कर रहे हैं। मैं इसकी आगे व्याख्या न करते हुए आपके पास विभाग है अगर आप सूचना मंगवायेंगे तो सारी स्थितियां जिला सिरमौर की, नाहन विधान सभा क्षेत्र की आपके पास आ जाएंगी। जो बरसात के कारण पंचायतों की सड़कें 2013 व 2014में बंद हुई थीं कहीं लोगों ने अपने साधनों से थोड़ी बहुत खुलवाईं। 2015 में आज पंचायतों की 90 प्रतिशत सड़कें बंद पड़ी हैं। लोक निर्माण विभाग की सड़कें जो बंद हुई थीं, उन्होंने भी स्लिप को थोड़ा बहुत दाहिने-बाएं किया। नेशनल हाईवे-72, कालाअम्ब से लेकर पांवटा साहब तक गड्ढों में सड़क है या सड़क में गड्ढे हैं यह नेशनल हाईवे का आंकलन करना भी आज कठिन है। यह मैंने केवल इतनी बात रखी। माननीय अध्यक्ष महोदय, हम राहत की चर्चा तो करते हैं पर राहत मिल पा रही है या नहीं मिल पा रही है इसके बारे में माननीय मंत्री जी ज़रूर बताएं। राहत किन को मिल रही है, किनको नहीं मिल रही है इसको भी आपको देखना है क्योंकि आपने स्वयं विधान सभा के अंदर उत्तर दिया है। माननीय अध्यक्ष जी, बड़ी चिन्ता की बात है कि जिसकी जमीन कट रही है उस जमीन को रोकने के लिए स्पर लगाने की ज़रूरत है, सरकार ने आदेश कर दिए हैं कि ऐसे स्पर नहीं लगाये जायेंगे। किसी भी हैड से वह डंगा नहीं लगाया जायेगा और पिछले तीन साल से एक भी डंगा और स्पर उन खड्डों के अंदर नहीं लगा है। ईवन विधायक निधि से भी उसकी स्वीकृति नहीं है। यह भी मैं विशेष मैंशन करना चाह

14/21.08.20155/0SS-DC/2

रहा हूं। अगर कहीं बहुत इमरजैंसी है और विधायक यह कहता है कि इसमें विधायक निधि से नदी के बहाव को बदलने के लिए स्पर लगा दिया जाए तो उसकी भी परमिशन नहीं है, बाढ़ राहत की बात तो दूर की रही। माननीय अध्यक्ष महोदय, अब जिस समय यह आपदा आती है, अभी बादल फटने की चर्चा हुई और हमारे मनिकर्ण की घटना हुई, धर्मपुर विधान सभा क्षेत्र की घटना हुई, वैसी घटना जैसी 2013 में हुई मैंने बताया कि

इस क्षेत्र में हुई। डिजास्टर मैनेमैंट की स्थिति है क्या? जब तक अधिकारियों को सूचना पहुंचती है तब तक वे सड़कें सारी बंद हो जाती हैं। अगर कोई खुली रहती है तो उसमें ट्रेफिक घुस जाता है, वह ट्रेफिक से बंद हो जाती है। अधिकारी कई-कई घंटे सपोट पर नहीं पहुंच पाते। सड़कें बंद हो जाती हैं, मशीनरी अंदर पहुंच नहीं पाती है, डिजास्टर मैनेज़मैंट क्या होगा? जब इस प्रकार की घटना होती है तो सबसे पहले बिजली चली जाती है। बिजली रिस्टोर करने वाले आते नहीं हैं। बिजली रिस्टोर नहीं होती तो थोड़ी देर में टेलीफोन आउट हो जाते हैं। सड़क नहीं होती, पीने का पानी नहीं होता, बिजली नहीं होती, टेलीफोन नहीं चलता, डिजास्टर मैनेजमैंट के नाम पर एक शून्य व्यवस्था नहीं होती...

जारी श्रीमती के0एस0

/1455/21.08.2015केएस/डीसी/1

डॉ0 राजीव बिन्दल जारी----

डिजास्टर मैनेजमैंट के नाम पर शून्य व्यवस्था भी नहीं होती। पुलिस वहां पर उस समय पहुंचती है जब टोटल chaos हो जाता है। हर व्यक्ति एक-दूसरे से लड़ रहा होता है, उस समय पुलिस वहां मैनेजमैंट के लिए पहुंचती है। कोई भी सिंगल लाईन एफ़ट्र्स दिखाई नहीं देता और हिमाचल प्रदेश की सरकार का डिजास्टर मैनेजमैंट तो लोगों की पीठ पर चढ़ कर के डिजास्टर के स्थान पर पहुंचता है। मैंने ये फोटोग्राफ्स विधान सभा में भी ले किए हैं। यानि हिमाचल की सरकार जनता की पीठ पर सवार हो कर डिजास्टर जहां पर हुई है, वहां पर पहुंचती है ।

अध्यक्ष महोदय, डिजास्टर मैनेजमैंट प्रदेश में कहीं दिखाई तो देनी चाहिए। छोटी से छोटी जगह, कहीं आगजनी की घटना हो जाए, वहां पर chaos हो जाता है, कहीं बादल फट जाए वहां पर अव्यवस्था हो जाती है ,कहीं सड़क पर लैंड स्लाइड हो जाए वहां पर अव्यवस्था हो जाती है ।

अध्यक्ष महोदय, यह गम्भीर विषय है। डिजास्टर मैनेजमैंट के पहले 24 घण्टे सर्वाधिक महत्वपूर्ण होते हैं । उसी के अंदर जान-माल को बचाया जा सकता है और वे 24 घण्टे सबसे बड़े chaos के होते हैं। जब तक अगले दिन का सवेरा आता है तब तक स्थिति काबू से बाहर हो जाती है। जिन लोगों के मकान टूटे, रिप्लेसमैंट पर स्थान देने की बात है, वहां पर भी केवल लिप सिम्पेथी के ऊपर गुजारा हो रहा है। एक मामला हैं

जिसमें बिल्कुल नेशनल हाईवे के पास सात मकान गिरे। अधिकारियों ने तय कर दिया कि यहां पर दोबारा से मकान नहीं बनाए जा सकते। उनको दोबारा से कहीं और जमीन दी जाएगी। ढाई साल गुजर गए हैं, अभी तक जमीन देने का स्थान तय नहीं हुआ है, जमीन देने की बात तो दूर रही। फिर उनके इन्कम सर्टिफिकेट के चक्र में इतने चक्र फंसे हुए हैं कि उसमें से एक को भी जमीन नहीं मिलेगी। उसके अंदर कोई ऐसा प्रावधान नहीं है कि आपदा के कारण इनको यह नुक्सान हुआ है इसलिए इनको जमीन मिलनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, हमारा इतना ही कहना है कि जो नुक्सान पिछले एक साल में, दो साल में, तीन साल में हुआ है,

/1455/21.08.2015केएस/डीसी/2

उसको राहत मिलनी चाहिए और डिजास्टर मेनेजमैंट जिसका केवल नाम ही नाम है, वह सही अर्थों में डिजास्टर मैनेजमैंट बने, इसके लिए सरकार अगर कुछ करेगी तो ठीक है अन्यथा फिर लोगों को ये कष्ट झेलने ही पड़ेंगें, ऐसा हमको दिखाई दे रहा है।

अध्यक्ष महोदय, आपने समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

/1455/21.08.2015केएस/डीसी/3

अध्यक्षः अब श्री कुलदीप कुमार जी चर्चा में भाग लेंगें। कृपया थोड़ा-थोड़ा बोलें क्योंकि अभी 20 सदस्य और बोलने को है अन्यथा सदन का समय बढ़ाना पड़ेगा।

श्री कुलदीप कुमारः अध्यक्ष महोदय, नियम 130 के अंतर्गत जो माननीय सदस्यों ने प्रस्ताव दिया है, उसके ऊपर बोलने के लिए आपने समय दिया, उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, विषय बहुत महत्वपूर्ण है और यहां पर बड़ी गम्भीर चर्चा हो रही है। सभी माननीय सदस्य अपने-अपने क्षेत्र और प्रदेश के प्रति चिन्तित है लेकिन बीच-बीच में जो राजनीति का खेल खेल रहे हैं, गम्भीर मुद्दा जो कि जनता से जुड़ा हुआ है और इसके ऊपर भी राजनीति करें तो बड़े अफसोस की बात है। अध्यक्ष महोदय, हाल ही में काफी बरसात हई और पूरे प्रदेश में हर जिला में बारीश से जान-माल का नुक्सान हुआ है । हमारे ऊना जिला में भी लगभग 65 करोड़ रु0 का नुक्सान बरसात में हुआ है।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

21.8.2015/1500/av/ag/1

श्री कुलदीप कुमार -----जारी

हमारे ऊना जिला में बरसात में लगभग 65 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। यहां पर माननीय सदस्य श्री महेन्द्र सिंह जी ने कहा कि सारे प्रदेश में करीब सौ करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। मगर मैं बताना चाहता हूं कि केवल हमारे ऊना जिला में ही लगभग 65 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है और वहां एक आदमी की जान भी गई है। हालांकि ऊना जिला में पहले बरसात के दिनों में बहुत नुकसान हुआ करता था। वहां पर स्वां नदी तथा दूसरी छोटी नदियों में बाढ़ की वजह से पहले बहुत ज्यादा समस्या थी। मगर अब चेनेलाईजेशन होने की वजह से काफी राहत मिली है। हम माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करते हैं। (---व्यवधान---) हम प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार का धन्यवाद करते हैं। (---व्यवधान---) ऊना जिला को 922 करोड़ रुपये का प्रोजैक्ट मिला, उसके लिए हम प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार का धन्यवाद करते हैं। (---व्यवधान---) आपने तो धन्यवाद करना नहीं है, हमें तो करने दो। ऊना जिला को 922 करोड़ रुपये का प्रोजैक्ट मिला और उससे हमारे वहां बाढ़ के कारण होने वाले नुकसान से काफी राहत मिली है। मगर मैं यह भी कहना चाहता हूं कि वहां पर जिस तेजी से काम चला हुआ था वह गति धीमी हो गई है क्योंकि वहां पर केंद्र सरकार से जो अगली किश्त आनी थी उसमें कुछ रुकावट पड़ गई है। वहां से जो पैसा आना है, सरकार उसके लिए प्रयत्न करें। (---व्यवधान---) अभी तो सेंटर गवर्नमैंट से एक ही किश्त आई है। (---व्यवधान---) मैं यह कहना चाहता हूं कि वह पैसा जल्दी-से-जल्दी मिले ताकि उस प्रोजैक्ट का काम पूरा हो और हमें हो रहे नुकसान से राहत मिले।

हाल ही में, क्लाउड ब्रस्ट की घटनाओं में जो तेजी आई है वह एक चिन्ता का विषय बन गया है। अभी मणिकर्ण और धर्मपुर में क्लाउड ब्रस्ट से काफी नुकसान हुआ है। वहां पर कई लोगों की जानें भी गई हैं। हमारे किन्नौर जिला में भी क्लाउड ब्रस्ट के कारण काफी नुकसान हुआ था और वहां पर सारे रास्ते बंद हो गये थे। यहां तक कि माननीय मुख्य मंत्री जी भी वहां पर रास्ता ब्लॉक होने की वजह से फंस गये

21.8.2015/1500/av/ag/2

थे। यह जो क्लाउड ब्रस्ट की घटनाएं बढ़ रही हैं यह बहुत ही गम्भीर मसला है। यहां पर माननीय महेश्वर सिंह जी भी बात कर रहे थे। मैं यह समझता हूं कि क्लाउड ब्रस्ट की

घटनाओं के बढ़ने के पीछे कुदरत के साथ छेड़छाड़ करने का नतीजा है। नई-नई परियोजनाओं के लगने, जंगलों के कटान और अवैध खनन से हमारा इकोलॉजिकल सिस्टम खराब हुआ है। क्लाउड ब्रस्ट की घटनाओं के कारण हमारा नुकसान हर साल बढ़ता जा रहा है। इन बातों के मद्देनजर हमें कोई ऐसी स्टडी करनी चाहिए जिससे हो रहे नुकसान को रोकने का हम इंतजाम कर सकें। हमारे पड़ोसी राज्य उत्तराखंड के केदारनाथ में बादल फटने से बहुत ज्यादा नुकसान हुआ था वहां पर हजारों लोगों की जानें गई थी। वहां पर बाढ़ से बहुत ज्यादा भू-स्खलन हुआ था। इसी तरह श्रीनगर में बाढ़ आने से वहां पर जानमाल का बहुत नुकसान हुआ था। ये जो चीजें हैं ----------

श्री टी.सी.द्वारा जारी

21/08/2015/1505/TC/AS/1

श्री कुलदीप कुमार ---------**क्रमागत ।**

यह जो चीजें हैं, हमें इन चीजों को मध्यनजर रखते हुए हमारा भी प्रदेश पहाड़ी प्रदेश है, साथ वाले हमारे पड़ोसी प्रदेश हैं, कहीं ऐसा न हो कि हम इनको नजरअंदाज करें और कोई बड़ी घटना हो जाये । इससे पहले हमें इस बारे में गम्भीर विचार करना चाहिए और इस पर स्टडी करके, उसके लिए इन्तजाम करने चाहिए ताकि इन बातों से बचा जा सकें । यहां पर अधिकारियों की बात की गई है, खासकर जब बरसात होती है, बाढ़ में या बरसात से किसी गरीब का नुक्सान होता है, मेरे चुनाव क्षेत्र में भी कई लोगों के मकान ढह गए है। जिसका मकान गिरता है, ज्यादातर लोग वे गरीब होते हैं और मैं भी यही चाहूँगा कि जो अधिकारी हैं, माननीय मंत्री जी बरसात के दिनों में अधिकारियों को भी अलर्ट पर रखें । ताकि जिसका नुक्सान हो उसको मदद की जरूरत होती है और यदि उसको फौरी मदद मिल जाये तो वह उसके लिए सरकार की तरफ से देन होती है । मैं इन्हीं शब्दों के साथ आपका धन्यवाद करता हूँ, फिर से यही निवेदन करता हूँ कि इन बातों का पूरा गम्भीरता से अध्ययन होना चाहिए, ताकि इन घटनाओं को रोका जा सके। आपने समय दिया, धन्यवाद ।

समाप्त

21/08/2015/1505/TC/AS/2

श्री मनसा राम : अध्यक्ष महोदय, आपने समय दिया आपका धन्यवाद । मैं लम्बी बात नहीं करूँगा, मेरे क्षेत्र में विपदा आई है, यह जो प्राकृतिक आपदा होती है, यह तब होती है जब भगवान नाराज होते हैं । लेकिन सरकार को चाहिए कि जब ऐसी विपदाएं आयें तो मदद करें , जनता की गरीबों की । अध्यक्ष महोदय, मेरा सारा क्षेत्र सेब उत्पादित क्षेत्र है और काफी सेब होता है मेरे चुनाव क्षेत्र में, लेकिन जिन सड़कों से सेब आता है वह सड़कें बन्द पड़ी है । एक सड़क करसोग से महोग-गवालपुर से होकर सरहान-निरमण्ड होकर आती है,वह सड़क टूटी पड़ी है और बन्द पड़ी है । इसी तरह से गई सड़कें गिर गई है, करसोग से ओखरी-ठाकुरठाणा सड़क बन्द है और सेब सड़ रहा है । करसोग से सरहाण तथा करसोग से मेढ़ी सड़क भी बन्द है और लोगों का सेब वहां पर सड़ रहा है । करसोग से मूल-माहू की सड़क भी बन्द है और तकरीबन-तकरीबन जो सड़कें बन्द हैं, वे भारी संख्या में सेब उत्पादित क्षेत्र है। उनको ले जाने में लोगों को मुश्किल हो रही है । करसोग-मूल-माहुनाग,करसोग -शनोल,करसोग-शोरशण-करसोग-सुरता-पांगणा-करसोग से बगशाड़ । ये इतनी सड़कें हैं सर, जो टूटी है, जहां सेब उगता है। मैं आपसे प्रार्थना करूँगा अध्यक्ष महोदय की सरकार इस ओर ध्यान दें और सड़कों की मरम्मत करवाई जाये । सर, यह ऐसा समय है कि लोगों के पास सेब तो है लेकिन वह सड़ गया है तो लोगों को उससे नुक्सान होगा । मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूँगा कि इन सड़कों को अतिशीघ्र ठीक करने की कोशिश करें । अध्यक्ष महोदय, धार से गुजरू धार पुल टूट गया, कच्चा पुल था और वहां पर भी लोगों को आने-जाने में मुश्किल हो रही है । वहां पर गुज्जर लोग भी रहते हैं और एस0टी0 का वह क्षेत्र है । उस क्षेत्र में मवेशी और लोग बहने का खतरा है । इस पुल को भी नया पुल बनाया जाये । कामाक्षा माता नदी में भी पुल टूट गया है, वहां भी पुश और लोगों को आने-जाने की मुश्किल हुई है । तत्तापानी में बहुत बड़ी झील है उसके लिए सरकार का बहुत धन्यवाद लेकिन झील के चारों तरफ बहुत ऐसी जगह है जहां मवेशियों को,बच्चों को

21/08/2015/1505/TC/AS/3

झील में गिरने का खतरा है । अध्यक्ष महोदय, में आपके माध्यम से कहना चाहूँगा कि वहां पर रिटेनिगं वॉल लगाई जाये ।

Cont by NS----

21.08.2015/1510/NS/AS/1

श्री मनसा राज (मुख्य संसदीय सचिव)----------जारी
अध्यक्ष महोदय, तत्तापानी में टूरिज्म विभाग का होटल था जो कि नदी में दबा है। मुझे पूर्ण आशा है और मैंने मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना की है कि वहां टूरिज्म का होटल बनाया जाए और झील के किनारे होने से सरकार को आमदनी बहुत बढ़ेगी।

अध्यक्ष महोदय, करसोग में बहुत से मकान गिरे हैं। उनमें से 8 मकान गरीब हरिजनों और 7 मकान दूसरे लोगों के हैं। वहां नुकसान बहुत हुआ है। यह नुकसान एक जगह नहीं सारे प्रदेश में हुआ है। सारे विधायकों ने इस पर चर्चा की है। मुझे पूर्ण आशा है कि सरकार इस पर ध्यान देगी। करसोग क्षेत्र जो मण्डी जिले में सबसे छोटा और दूर भी है इस पर भी सरकार ध्यान देगी । इस वक्त्व्य के साथ-साथ आपका बहुत धन्यवाद। जय हिन्द, जय भारत।
समाप्त

21.08.2015/1510/NS/AS/2

श्री इन्द्र सिंह ---------- जारी

अध्यक्ष : श्री इन्द्र सिंह जी

माननीय अध्यक्ष जी, नियम 130 के अर्न्तगत जो प्रस्ताव माननीय महेन्द्र सिंह जी सदन में लाए हैं, मैं उस पर चर्चा के लिए खड़ा हुआ हूं। आपने बोलने का समय दिया उसके लिए आपका धन्यावाद।

अध्यक्ष महोदय, हमारे देश में बरसात केवल दो महीनों की होती है। पर्यावरण में बदलाव की वजह से यह बरसात दो महीने होती है। बिल्कुल नियमित ढंग से होती है। कहीं पर बादल फटते हैं तो कहीं पर सूखा होता है। इसका मुख्य कारण यह है कि पेड़ों का जो कटान हो रहा है, अवैध खनन हो रहा है। हमारे यहां कच्चे पहाड़ हैं। जैसे ही इनके साथ छेड़-छाड़ करते हैं तो त्रासदी तो आएगी ही। साथ में हिमाचल में जितनी सड़कें बनी हैं उनमें से 90 प्रतिशत सड़कें अवैज्ञानिक तौर पर बनी हैं। जो लिंक रोड़ हैं, मर्जी से निकाले जा रहें हैं। जिसकी वजह से हमारा स्ट्रेटा खराब हो रहा है। भूस्खलन होना कोई बुरी बात नहीं है। यह संभव है कि जब हम इतनी छेड़-छाड़ कर

रहे हैं। साल में एक बार पौधारोपण होता है। पौधारोपण होने के बाद उसके बारे में सोचा नहीं जाता। उसकी देख-रेख नहीं की जाती और उसका सरवाईवल रेट कितना है किसी को नहीं पता। हर साल इतना रूपया खर्च होता है लेकिन मैं यह समझता हूं कि उसका खर्च व्यर्थ में जाता है। इसकी वजह से फिर इधर-उधर कहर बरसना जरूरी हो गया है। अध्यक्ष महोदय, हाल ही में जो त्रासदी धर्मपुर क्षेत्र में आई । मेरी साथ लगती पंचायतें जो धर्मपुर क्षेत्र से मिलती हैं उस त्रासदी का असर इन पंचायतों पर भी हुआ है। इन पंचायतों में रोपड़ी पंचायत,जंजयाला, प्रसद्धा, चोरी चोक में काफी नुकसान हुआ है। इन पंचायतों में भारी संख्या व भारी मात्रा में भूस्खलन हुआ है। जिनकी वजह से बहुत से घर ढह चुके हैं। पिंगलोह पंचायत एक ऐसी पंचायत है। जिसमें 3-4 घर गिरे हैं। विनोद कुमार हरोली गांव का है। विमल कुमार वैरा गांव का है।

21.08.2015/1510/NS/AS/3

निर्मला देवी छींबावल की है। इनके घर पूरी तरह नष्ट हो गए हैं। कुछ सड़कें खुल गई हैं पर कुछ अभी भी बंद पड़ी है।

माननीय अध्यक्ष जी, उस क्षेत्र में आने-जाने का साधन सड़कें हीं तो हैं। पहाड़ी क्षेत्र है। एक सोन खड्ड है जिसके ऊपर वैरी पुल है जिसने कि मुख्य त्रासदी धर्मपुर में मचाई। वह पुल भी नष्ट हो गया है। साथ में मोटरेबल पुल है जिससे बड़ी गाड़ियां आती जाती हैं। वह भी डैमेज हो गया है। मैं समझता हूं कि सरकार इसके बारे में सजग रहे और कम्यूनिकेशन बनाने के लिए जल्दी से जल्दी रिपेयर कराई जाए।
श्री नेगी द्वारा जारी

21.08.2015/1515/negi/AS/1

श्री इन्द्र सिंह जारी...

अध्यक्ष महोदय, जंजैहल पंचायत में एक शासनू गांव है। यह छोटा सा गांव है और वहां हरिजन बस्ती है। इसके पीछे जैसा मनीकर्ण में है वैसा एकदम पहाड़ है। इस बारसात में आधा किलोमीटर ऊपर से पहाड़ स्लाइड हुआ और पूरे का पूरा गांव उसकी चपेट में आ गया। जिसमें धनी राम का घर टोटली नष्ट हो गया और गांव पूरे का पूरा मक से भर गया है। वह गांव तो टोटली अन-सेफ हो गया है और किसी नई जगह में उन लोगों को बसाने का इन्तज़ाम एडमिनिस्ट्रेशन को करना चाहिए क्योंकि उनके पास

कोई और जगह रहने के लिए नहीं है। एक थौना पंचायत है वहां पर बेसिकली गुज्जर कम्युनिटी के लोग रहते हैं । भैंसे पालना उनका पेशा है और वे लोग कीमती भैंसे पालते हैं। वहां पर रूप सिंह की 3 भैंसें नाले में बह गई थी अगर उसको 5 हजार का मुआवज़ा दें तो मेरे ख्याल में यह बिल्कुल अन्याय पूर्ण बात होगी। सरकाघाट के नज़दीक एक जिरनू गांव है वहां पर एक फौजी का घर है उसने नया घर बनाया था तकरीबन आधा किलोमीटर ऊपर से एक चट्टान स्लाइड हुई जैसा मनीकर्ण में हुआ, एक्जैक्टली वैसा ही हुआ। अकेली उस घर में उसकी बेटी सोई हुई थी उसकी टांग टूट गई और उसका इलाज़ करवा रहे हैं । लेकिन उसका घर टोटली नष्ट हो गया। अनफोर्चुनेटलि उसके पास दूसरा घर बनाने के लिए जगह नही है। मैं समझता हूं कि ऐसे लोगों की मदद होनी चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, सीर खड्ड उस वैली के लिए जीवन दायनी भी है क्योंकि वहां से पीने के पानी की सैंकडों स्कीमें पूरे इलाके के लिए चल रही हैं और करोड़ो/अरबों उसमें इन्वैस्ट हो रहा है। लेकिन बरसात में जब फ्लड़ आता है तो कितनी उपजाऊ भूमि बह करके चली जाती है उसका आप अन्दाज़ा नहीं लगा सकते। वह लैंड बहुत उपजाऊ है और हर साल नुकसान होता है। मैं माननीय धूमल जी का धन्यवाद करता हूं कि इन्होंने अपने कार्यकाल में सीर खड्ड की चैनेलाइजेशन के लिए पैसे का बन्दोबस्त किया और आज से 3 साल पहले शिलान्यास हुआ। लेकिन इस सरकार ने उसमें कोई काम नहीं किया। पैसे का बन्दोबस्त किये और शिलान्यास हुए 3 साल हो

21.08.2015/1515/negi/AS/2

गये और वो पैसे कहां गये? हमें पता नही है वह पैसे कहां गये। वो पैसे कहां डाइवर्ट हो गए? ऊना की तरफ, हरोली की तरफ गये या कहां चले गए पता नही। लेकिन उस खड्ड का जब तक आप चैनेलाइजेशन नहीं करेंगे तब तक हर साल वह करोड़ों रूपये का नुकसान करती रहेगी । जाहू में वैली ब्रिज है उसको भी वो बहा कर ले गई। कई बार इस माननीय सदन में उस खड्ड की चैनेलाइजेशन के बारे में डिसकशन हुई और डिसीजन हुए कि होना चाहिए और शिलान्यास रखा गया और उसके बावजूद सरकार चुप है। सरकार के पास पैसा भी है लेकिन लगाने की इच्छा नही है। क्यों इच्छा नही है यह हमें पता नही है। लेकिन यह जरूर है कि मेरे चुनाव क्षेत्र में पिछले 3 सालों में एक पत्थर नही लगा। सिवाय माननीय मुख्य मंत्री, श्री वीरभद्र सिंह जी के वहां पर नेम प्लेट लगी है उसके सिवाय कोई पत्थर नही लगा और वह भी उस स्कीम में लगा जो माननीय

धूमल जी ने मंजूर की थी । इनके टाईम में उसके लिए पैसा आया हुआ था। यह अजीब विडम्बना है, हम भी इसी प्रदेश के रहने वाले हैं। उस खड्ड के बारे में आप सोचिए। जाहू में जो वैली ब्रिज बह गया है उससे वहां कॉमर्शियल एक्टिविटीज़ का कितना नुकसान है उसको अन्दाज़ा आप नहीं लगा सकते हैं। लोगों को कितना कष्ट हो रहा है इसका भी आप अन्दाज़ा नही लगा सकते हैं। एक पुल नेशनल हाईवे का बना तो है लेकिन वह एक किलोमीटर दूर है। कौन जाना चाहता है पैदल एक किलोमीटर दूर । इसलिए वह पुल बनना जरूरी है। आपने कमिटमैन्ट भी की थी कि वह पुल बनेगा लेकिन वह पुल अभी तक नही बना है। पता नही कहां डिले है, कम से कम आप उस तरफ देखिए। इस खड्ड में नवाही पंचायत, उसके बाद हरिबेना पंचायत, पोंटा पंचायत, भांवला पंचायत, हरिबेना में तो गांव में ही यह खड्ड चली गई है। इस खड्ड का हमारी तरफ झुकाव ज्यादा है और भोरंज की तरफ कम है। इसलिए सारे का सारा प्रैशर मेरे चुनाव क्षेत्र में पड़ता है। मेरी आपसे विनती है, मैडम जी सुन रही हैं, आपके विभाग की बात है, आप सीर खड्ड की चैनेलाइजेशन कराइये। अगर सुन रहे हैं तो please take action on that. जहां तक..

श्रीमती यू.के.द्वारा जारी...

/1520/21.08.2015यूके/डीसी/ 1

श्री इन्द्र सिंह---जारी----

जहां तक सिस्टम के रिस्पांसिव होने की बात है, जब त्रासदी आती है, चाहे संडे हो या मंडे हो, चाहे सैटरडे हो चाहे छुट्टी का दिन हो वह दिन नहीं देखती तो मेरे ख्याल में सारा एडमिनिस्ट्रेशन सजग होना चाहिए । यहां पटवारी को ढूंढना मुश्किल था D.C. was very responsive. डी0सी0 मिल जाता था । डी0सी0 की कॉल इमिडियटली थ्रू होती थी लेकिन पटवारी ढूंढना, it was a sixty millions question.तो इसलिए मैं रेवेन्यू साईट से कहना चाहता हूं कि आप इस बारे में ध्यान दें क्योंकि पटवारियों की संख्या कम हो गयी है, जो पटवारी आपने लगाए हैं वे अपनी मर्जी का काम करते हैं क्योंकि they know their limitations. तो मेरी आपसे विनती है कि इस बारे में आप देखें । डिजास्टर मैनेजमैंट तो आपका ज़ीरो है । There is nothing like disaster management. ठीक कहा आदरणीय बिंदल जी ने डिजास्टर का जो बॉस्स है वह 6

इंच पानी में भी पैदल नहीं चल सकता । Remove him. Why are you carrying his liability? It is joke of the day. वह साथ में चल रहा है और लोग भी हंस रहे थे कि ये क्या कर रहे हैं ? नौजवान लड़का है वह He cannot cross 5 inches of water. This is too much and too bad. यह कोई डिजास्टर मैनेजमैंट की बात नहीं है । (व्यवधान) Kindly don't defend a wrong man. माननीय अध्यक्ष जी, मेरी विनती है माननीय राजस्व मंत्री जी से कि जल्दी से जल्दी रिपोर्ट मंगवाईए । विभाग से थ्रू एस0डी0एम0 रिपोर्ट मंगवाइए और जल्दी से जल्दी इनको कम्पनसेशन दीजिए । 5 हजार रुपया आपने उसको दिया है, जिसका घर गिर गया है, एक तरपाल दिया है आपने जिसका घर गिर गया है । एक तरपाल से बरसात के महीने में, मच्छरों के टाइम में how can he survive? How can a family of 5-6 members survive? Please be little more considerate.

/1520/21.08.2015यूके/डीसी/ 2

और इसमें पार्शियेलिटी नहीं होनी चाहिए । किसी को 10 हजार रूपया तो किसी को 5 हजार रूपया दे दिया जब कि नुकसान दोनों का बराबर है । Kindly ensure fair distribution of funds. थोड़ा-बहुत हमारी तरफ जरूर देख लीजिए ।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रीः हम तो आपको रोज देखते हैं ।

श्री इन्द्र सिंहः सर बीच में पहाड़ी आती है । इसलिए थोड़ा सा हमारी तरफ भी दखिए। हमारे चुनाव क्षेत्र में कोई काम नहीं हो रहा है । मैं माननीय सदन में खड़ा हो कर कह रहा हूं कि मेरी कंस्टिचुएंसी में एक पत्थर लगा है, वह भी माननीय वीरभद्र सिंह जी का, किसी स्कीम का शिलान्यास उन्होंने किया था उसका पत्थर लगा हुआ है जिसके लिए पैसे आदरणीय धूमल जी ने दिए थे अपने टाइम में वह भी 3 साल के बाद शिलान्यास हुआ है । तो मेरी आपसे विनती है कि जितना जल्दी हो सके इनको पैसा दिया जाए ताकि इस मौसम में वे सरवाइव कर जाएं । माननीय अध्यक्ष जी, आपने समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।

अध्यक्षः अब श्री लखनपाल जी चर्चा में भाग लेंगे ।

/1520/21.08.2015यूके/डीसी/3

मुख्य संसदीय सचिव (श्री इन्द्र दत्त लखनपाल) :माननीय अध्यक्ष महोदय, नियम 130 के तहत माननीय सदस्यों द्वारा लाए गए प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए मैं खड़ा हुआ हूं। सभी माननीय सदस्यों ने अपने-अपने विधान सभा क्षेत्र में प्रदेश में हुई भारी वर्षा से हुए नुकसान के संदर्भ अपने विचार यहां पर प्रस्तुत किए। जिला हमीरपुर में भी वर्षा से काफी नुकसान हुआ है। यदि देखा जाए तो कृषि विभाग में ही लगभग 50 लाख का नुकसान आंका गया है। हार्टिकल्चर में लगभग 30 लाख रुपए का नुकसान आंका गया है। तमाम काऊ शैड लगभग 109 काऊ शैड डैमेज हुए हैं। 103 कच्चे घर डैमेज हुए हैं। पक्के घर लगभग फुली डैमेज हुए हैं, लगभग 4 के करीब घर हैं। लोक निर्माण विभाग को लगभग 20 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। आई0पी0एच0 विभाग को 7 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। बिजली विभाग को लगभग 30 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। लगभग 30 करोड़ रूपए का इस भारी वर्षा से जिला हमीरपुर में नुकसान हुआ है। पिछले वर्ष भी भारी नुकसान हुआ था और काफी पैसा सरकार ने

एस0एल0एस0 द्वारा जारी----

21.08.2015/1525/SLS-DC-1

श्री इन्द्र दत्त लखनपाल, माननीय मुख्य संसदीय सचिव ..जारी
और पिछले वर्ष भी भारी नुकसान हुआ था। जहां पर आपदा आई थी वहां पर सरकार ने रिलीफ के माध्यम से काफी पैसा दिया है। वर्तमान समय में भी ,जो हमारे क्षेत्र वर्षा से प्रभावित हैं, उनमें रिलीफ कार्य चला हुआ है। अभी बरसात का समय समाप्त नहीं हुआ है। अभी लगभग पूरा महीना शेष बचा हुआ है और इसमें और भी अधिक नुकसान हो सकता है। मेरा सरकार से निवेदन रहेगा कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य तेजी से चलाए जाएं। रिलीफ मैन्वल में भी संशोधन किए जाने की आवश्यकता है। सभी माननीय सदस्यों ने यहां पर बात रखी कि रिलीफ के माध्यम से जो पैसा बांटा जाता है वह बहुत कम है। इस बात को सभी मानते हैं। यह मैन्वल काफी पुराना है। इसलिए इसमें भी संशोधन किए जाने की आवश्यकता है। मैं यहां पर जिला हमीरपुर के अधिकारियों का भी धन्यवाद करना चाहूंगा कि जहां-जहां पर नुकसान हुआ, उन्होंने समय रहते उन

प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। मेरे अपने विधान सभा क्षेत्र में भी काफी नुकसान हुआ है। सबसे अधिक नुकसान सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग की स्कीमों में हुआ है। अधिकांश स्कीमें खड्डों के किनारे हैं। खड्डों में भारी मात्रा में पानी आने की वजह से मोटरें प्रभावित हुई हैं और लोगों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ा है। लेकिन हमारे अधिकारियों और कर्मचारियों ने मौक़े पर जाकर, जहां मोटरें ठीक करनी थीं, वहां उनको ठीक किया ,जहां पाईपलाइन्ज को बदलना था, वहां पाइपलाइनें बदलीं और लोगों को पीने का पानी समय पर मुहैया करवाया। हालांकि कई जगहों पर मोटरें खराब होने या जल जाने की वजह से एक सप्ताह तक भी पानी नहीं आया ,लेकिन फिर भी अधिकारियों द्वारा उनको तेजी से ठीक किया गया और लोगों को राहत दी गई । मेरे विधान सभा क्षेत्र में ग्राम पंचायत बड़सर के तहत खैरियां गांव पूरे-का-पूरा स्लाइड हो गया है। उसमें एक मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है और 3-4 मकानों में दरारें आई हैं। मैंने स्वयं भी वहां का दौरा किया। वहां पूरी पहाड़ी बैठ गई है। मैं आपके माध्यम से सरकार से निवदेन करना चाहूंगा कि उस गांव में भूगर्भ अधिकारी को भेजा जाए और देखा जाए कि क्या वह एरिया उस गांव के लोगों के रहने लायक है या नहीं,

21.08.2015/1525/SLS-DC-2

अन्यथा उनको किसी अन्य स्थान पर बसाया जाए। आने वाले समय में वहां और भी नुकसान हो सकता है क्योंकि वह पहाड़ी 5-6 फुट तक धंस गई है। सरकार से मेरा निवेदन रहेगा कि वहां पर भूगर्भ अधिकारी को सर्वेक्षण करने हेतु भेजा जाए। मेरे विधान सभा क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग की जो सड़कें भारी वर्षा के कारण बंद हो गई थीं , हमारे अधिकारियों ने जे. सी. बी. लगाकर और लेबर के माध्यम से वह सारी-की-सारी सड़कें यातायात के लिए खुलवा दीं। पहले वर्षा से पहाड़ी क्षेत्रों में ज्यादा नुकसान हुआ करता था लेकिन पिछले वर्ष और इस वर्ष बहुत ही अज़ीबो-गरीब वर्षा हुई है और उससे निश्चित रूप से हमारे क्षेत्रों में भी बहुत नुकसान हुआ है। ज्यादातर नुकसान के लिए हम लोग और स्थानीय जनता भी जिम्मेवार है क्योंकि जो अवैध खनन हो रहा है और बिना प्लानिंग के मकान बन रहे हैं ,उनकी वजह से भी नुकसान हो रहा है। खड्डों के किनारे अधिकांश मकान बनने से जो खड्डों का एरिया है वह काफी संकुचित हो गया है। इस वजह से जब बरसात का पानी आता है तो वह नुकसान करता है। इसमें भी गंभीरता के साथ सोचने की ज़रूरत है और गांव स्तर पर प्लानिंग करने की आवश्यकता है कि किस प्रकार से घरों का निर्माण हो ,किस प्रकार से सड़कों का निर्माण हो, किस प्रकार

से सरकारी संस्थानों के भवनों का निर्माण हो ताकि आने वाले समय में इस तरह के नुकसान से बचा जा सके। अभी माननीय मुख्य मंत्री महोदय की अध्यक्षता में आपदा प्रबंधन बोर्ड की बैठक हुई थी । मैं माननीय मुख्य मंत्री महोदय का धन्यवाद करना चाहूंगा कि उन्होंने ...

जारी..श्री गर्ग द्वारा

21/08/2015/1530/RG/AG/1

श्री इन्द्र दत्त लखनपाल(मुख्य संसदीय सचिव)-----क्रमागत

अभी आपदा प्रबन्धन बोर्ड की बैठक माननीय मुख्य मंत्री जी की अध्यक्षता में हुई थी। मैं माननीय मुख्य मंत्री महोदय का धन्यवाद करना चाहूंगा कि उन्होंने सौ करोड़ रुपये की राशि राहत कार्यों के लिए जारी की है।

अध्यक्ष महोदय, अभी हमारे माननीय साथी आपदा प्रबन्धन बोर्ड के चेयरमैन के बारे में बात कर रहे थे कि वे 5-6 इंच पानी पर भी नहीं चल पाए। तो ऐसा नहीं है। ऐसा किसी भी इन्सान के साथ हो सकता है। हमारे श्री रविन्द्र सिंह जी वरिष्ठ सदस्य हैं , आपके सदस्य वहां गए और हमारे आपदा प्रबन्धन बोर्ड के चेयरमैन भी वहां पहुंचे। जिसके लिए आपको उनका धन्यवाद करना चाहिए। अब उनको पीठ के ऊपर उठाया गया, तो हो सकता है कि वह कार्यकर्ता की भावना हो। जिस कार्यकर्ता ने उन्हें उठाया , वह उसकी भावना भी हो सकती है कि हमारा प्रतिनिधि यहां आया है, चलो हम उनको पानी से पार करा दें और वैसे भी उनके पैर में थोड़ी चोट लगी थी जिसकी वजह से वे पानी में नहीं जा पाए। लेकिन इस बात को मीडिया में इस प्रकार से प्रचारित किया गया, तो यह कोई अच्छी बात नहीं है। क्योंकि यह तो इन्सानी जीवन है और ऐसा किसी ह्रष्ट-पुष्ट व्यक्ति के साथ भी हो सकता है और चोट किसी को भी लग सकती है। इसलिए इसको एक बेवजह का मुद्दा बनाया गया जो एक अच्छी बात नहीं है और एक स्वस्थ्य परम्परा नहीं है।

अध्यक्ष महोदय, जहां तक प्रदेश सरकार का प्रश्न है ,तो प्रदेश सरकार ने भरपूर कोशिश की है कि ऐसे समय में आम जनता को पूर्ण रूप से लाभ मिले। अभी बरसात का समय समाप्त नहीं हुआ है और रिलीफ देने के मामले पर सरकार पूरी तरह गंभीर है और सरकार इसमें आगे भी काम करेगी। जहां तक हमारे पहाड़ी प्रदेश की बात है, तो यहां बरसात के समय में काफी नुकसान होता है। जो सड़कें हम मेहनत से तैयार करते हैं बरसात के समय में वे टूट जाती हैं।

अध्यक्ष महोदय, मैं अपने विपक्ष के साथियों से निवेदन करना चाहूंगा। क्योंकि दिल्ली में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी हैं इसलिए इनसे भी अनुरोध करूंगा कि हमारे प्रदेश को ज्यादा-से-ज्यादा वहां से राहत राशि मिले जिससे हमारे प्रदेश की सड़कों का जो नुकसान हुआ है उनकी मरम्मत हो सके। इसके लिए इनके सहयोग की बहुत आवश्यकता है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी हिमाचल

21/08/2015/1530/RG/AG/2

प्रदेश की सहायता अवश्य करेंगे, ऐसा मेरा मानना है। आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया जिसके लिए मैं आपका विशेष रूप से धन्यवाद करता हूं। जय हिन्द।

समाप्त
3/-
21/08/2015/1530/RG/AG/3

अध्यक्ष : अब श्री वीरेन्द्र कंवर जी चर्चा में भाग लेंगे।

श्री वीरेन्द्र कंवर : माननीय अध्यक्ष जी, नियम-130 के अन्तर्गत जो चर्चा श्री महेन्द्र सिंह जी एवं अन्य माननीय सदस्यों ने सदन में लाई है वह बहुत ही महत्वपूर्ण चर्चा है। क्योंकि आज पूरा प्रदेश जहां बाढ़ की चपेट में है और बहुत ज्यादा नुकसान गांवों में हुआ है। माननीय सदस्यों ने अपने-अपने विचार अपने विधान सभा क्षेत्र में हुए नुकसान के बारे में यहां रखे हैं। इसी प्रकार मैं भी अपने विधान सभा चुनाव क्षेत्र में हुए नुकसान के बारे में यहां सदन का ध्यान दिलाना चाहूंगा। मेरे चुनाव क्षेत्र में भी बाढ़ या भारी बरसात के कारण नुकसान हुआ है या जो हमारे किसानों की उपजाऊ भूमि थी उसको बहुत अधिक नुकसान हुआ है ,इसके अलावा घर भी बहुत बड़ी संख्या में क्षतिग्रस्त हुए हैं। बहुत सारे लोग बेघर हो गए हैं। बहुत सारे गांव ऐसे हैं जो पहाड़ के ऊपर बसे हैं और अभी जहां स्लाइड के कारण उनको खतरा बना हुआ है। अभी यहां माननीय मुख्य संसदीय सचिव श्री इन्द्र दत्त लखनपाल जी बात कर रहे थे कि प्रशासन इस बारे में बहुत सचेत है। मैं तो यह कहना चाहता हूं कि जब हर वर्ष बाढ़ आती है या ऐसी भयंकर बरसात आती है ,तो हम चर्चा करते हैं। बार-बार ऐसी आपदाएं आती हैं ,तो हम इनके

ऊपर कितना सजग हैं? हमें इस पर कोई ठोस नीति बनानी चाहिए और उस पर काम करना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, हमने प्रदेश में एक आपदा प्रबन्धन बोर्ड गठित किया है ,लेकिन दिखता नहीं है कि कहीं कोई ऐसा विभाग है जो मौके पर जाकर उस व्यक्ति जो विपत्ति में पड़ा है ,उसको वह बचा सके। उसका तो जीता-जागता उदाहरण है। जो सन्धोल

एम.एस. द्वारा जारी

/1535/2015/08/21MS/AG/1

श्री वीरेन्द्र कंवर जारी----------

जो मौके पर जाकर, जो व्यक्ति विपत्ति में पड़ा है, उसको बचा सके। उसका जीता-जागता उदाहरण संधोल (धर्मपुर) में माननीय महेन्द्र सिंह जी के विधान सभा क्षेत्र में देखने में आया। जिसका जिक्र कर रहे थे कि कार्यकर्त्ताओं ने उसको पीठ पर उठाया। अरे, अगर कार्यकर्त्ता जोश में होते तो कंधों पर उठाते। पीठ पर तो ढोये जाते हैं। उनको ढोया गया। अब जो आपदा प्रबंधन विभाग है, उसकी कार्यशैली को ही वहां से देखा जा सकता है कि सरकार उसको पीठ पर ही ढो रही है। यानी कुछ भी नहीं हो रहा है लेकिन आज प्रदेश की ऐसी स्थिति है। मेरे विधान सभा क्षेत्र के अंदर एक धनेत पंचायत है। वहां पर 1977 में कुछ गरीब आदमियों को भूमि अलॉट हुई थी। वहां पर धनेत पंचायत में नल्वाड़ी गांव है। वह 100 कनाल का पूरा भू-भाग है। वह गांव पूरा स्लाइड कर रहा है। वहां कुछ घर ढहे भी हैं और कुछ पर खतरा मंडरा रहा है। मेरा प्रशासन से यह निवेदन रहेगा कि वहां पर उस स्थिति को देखते हुए, उनको कम-से-कम कुछ लैंड एक्सचेंज करें ताकि स्थाई रूप से वे ऐसी जगह पर बसाए जाएं कि उनको बार-बार वहां से विस्थापित न होना पड़े। तो ऐसा सरकार करे और जितने भी लोग हैं इसमें तुरंत सरकार जो कर सकती है ,वह यह है कि कितने लोग बाढ़/वर्षा से प्रभावित हुए हैं, उनका कम-से-कम एक सर्वे होना चाहिए। जिन लोगों को घरों का नुकसान हुआ है उनको प्राथमिकता के ऊपर घर अलॉट किए जाएं या पैसे का प्रबंध किया जाए ताकि गरीब आदमी मकान बना सके। इसके अलावा, जितने स्लाइड्ज आए हैं, चाहें वे आबादियों के करीब आए हैं या हमारी ऊपजाऊ भूमि में आए हैं, चाहे हमारे घरों के पास आए हैं, उसका भी सर्वेक्षण किया जाना चाहिए। मेरा सरकार को यह सुझाव है कि सरकार की किसी भी स्कीम में, जैसे अब कह दिया है कि डंगा घर के पास नहीं लगेगा।

मान लो 10-8 घर पहाड़ी पर हैं और भारी बरसात के कारण उस आबादी को खतरा पैदा हो गया है और वहां पर बहुत बड़े खर्चे से एक रिटेनिंग वॉल लगनी है। अब वह दीवार न तो मनरेगा से लग रही है न ही कोई और एजैंसी उस रिटेनिंग वॉल को लगा रही है। इस वजह से उसका नुकसान बढ़ता जा रहा है और लोगों का जीवन खतरे में पड़ता जा रहा है। मेरा सरकार से निवेदन रहेगा कि तुरंत ऐसे घरों, आबादी और ऐसी भूमि का आकलन कीजिए और उसके ऊपर कोई ठोस नीति

/1535/2015/08/21MS/AG/2

बनाइए और ऐसी जगह को तुरंत चिन्हित करके एस्टीमेट बनाया जाना चाहिए। चाहे वह मनरेगा के माध्यम से हो, चाहे आपदा प्रबंधन विभाग से जहां से पैसा आता है, उसके माध्यम से वह राशि दी जाए। जो राशि विभाग देता है, वह तो ऊंट के मुंह में जीरे वाली बात है कि किसी को -/200रुपये पकड़ा दिए, किसी को 400-/रुपये पकड़ा दिए। लेकिन उसका जो वास्तविक नुकसान है ,वह बहुत ज्यादा है। मेरा आपसे यही निवेदन है कि जहां पर क्रेट लगना है वहां पर क्रेट का एस्टीमेट बनाइए। जो मनरेगा में एक कण्डीशन लगाकर रखी है कि आबदियों के नजदीक क्रेट नहीं लगेगी, डंगे नहीं लगेंगे, आप उनका आकलन कीजिए। मेरा मंत्री जी से निवेदन है कि जहां जमीन स्लाइड कर रही है और लोगों के पास और जमीन नहीं है, आप उन लोगों का चयन कीजिए। आप कम-से-कम उस आबादी के लिए भूमि एलॉट करे ताकि वे स्थाई रूप से बस सकें। दूसरा, मेरा यह निवेदन है कि जितनी भी उपजाऊ भूमि हैं क्योंकि बहुत सारे लोगों की जमीनें बरसात के कारण बह गई हैं। जहां आबादियों को खतरा है, ऐसी बहुत सी सड़कों के किनारे रिटेनिंग वॉल लगनी है ,और बहुत सारी ऐसी आबादी हैं जो पहाड़ी पर हैं जिनको खतरा है तो उनके लिए मनरेगा में उस कण्डीशन को रिलैक्स करके राहत दी जाए। मेरा यही आपसे निवेदन है। मेरे बहुत सारे गांव हैं। जैसे मैंने कहा कि हमारा नल्वाड़ी गांव है।

जारी श्री जे0के0 द्वारा----

21.8.2015/1540/जेएस/एएस/1

श्री वीरेन्द्र कंवरः ----------**जारी**-------

मेरा आपसे यही निवेदन है । मेरे बहुत सारे गांव है जैसे कि मैंने कहा कि हमारा नलवाड़ी गांव है सनाल टिहरा पंचायत में पड़ता है, टांडा बागवां पड़ता है, रायपुर मैदान पड़ता है, भारी बारिश के कारण यहां की भूमि को बहुत ज्यादा खतरा पैदा हो गया है। वहां पर भूमि का भी कटाव हुआ है। ऊना से लेकर बड़सर की हमारी जो सड़क है, उसके ऊपर भी लाखों रूपए का नुकसान हुआ है। वहां पर पहाड़ी खिसकी है और पहाड़ी खिसकने से वह सड़क में ही रूकी है और वहां पर आबादियां भी हैं जो कि सड़क के किनारे है। उनको भी खतरा पहुंचा है। मेरा निवेदन है कि पूरी ईमानदारी के साथ और पूरी सजगता के साथ आप इस ओर ध्यान देंगे ताकि आम आदमी को वहां पर राहत मिल सके। अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

21.8.2015/1540/जेएस/एएस/2

अध्यक्षः अब श्री जग जीवन पाल (मुख्य संसदीय सचिव) चर्चा में भाग लेंगे।

श्री जगजीवन पाल (मुख्य संसदीय सचिव) :अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। जिन-जिन सम्मानित सदन के सदस्यों ने आज 130 के तहत यह चर्चा उठाई है उसके बारे में बोलने के लिए मैं खड़ा हुआ हूं। सबसे पहले तो जैसे हमारा देश और प्रदेश घोर कलयुग की ओर बढ़ रहा है ,ऐसी बादल फटने की घटनाएं हुई है उस तरह की घटनाएं हमने पहले कभी नहीं सुना था। दिनांक 8 तारीख को जो बारिश हुई है उससे बहुत ज्यादा नुकसान हमारे हिमाचल प्रदेश में खास करके पहाड़ी इलाकों में हुआ है। कभी-कभी हमारे साथियों की तरफ से जो यहां पर आज बोलें हैं कि हमारे साथ मतभेद हुआ है मैं उनके साथ सहमत नहीं हूं क्योंकि 8 तारीख को जो बारिश हुई है , भगवान ने चुन-चुन करके, क्षेत्र नहीं चुने बल्कि पूरे हिमाचल प्रदेश में नुकसान एक जैसा हुआ है। सुलह चुनाव क्षेत्र में भी नुकसान हुआ है। सुलह में भी हमारे गांव के पास एक बहुत बड़ा सलाईड चल रहा है और आज भी चल रहा है। वहां पर 76 लाख के लगभग एक ही जगह नुकसान हो चुका है। प्रशासन ने वहां पर तुरन्त राहत देने की कोशिश की है। वहां पर एक प्राईवेट डी.ए.वी. स्कूल है जहां पर 8-8 फुट तक पानी घुस गया । उसके बाद धीरा कानपुर रोड़ के ऊपर एक पुल है वह गिरने वाला है। वह करोड़ों रूपये का पुल है। उसको बचाया गया है और उस पर प्रशासन ने काम किया है। इसके अलावा धीरा से नगरोटा-बगंवां के लिए एक सड़क जाती है वाया जरेट और ऐसा लगता है कि वहां पर बादल फटा है। वहां पर भारी बारिश की वजह से बहुत ज्यादा नुकसान हुए हैं। न्युगल खड्ड के ऊपर सुलह और

ज्वालामुखी क्षेत्र के लिए भी वहां से पानी जाता है। वहां पर 13 स्कीमों की वहां से मशीने बह गई। न्यूगल खड्ड के ऊपर जो नुकसान हुआ है, मेरा अंदाजा है कि वह नुकसान अवैध खनन की वज़ह से हुआ है। वहां पर बहुत ज्यादा अवैध खनन हो रहा है। उसकी वज़ह से जो हमारे पम्प हाऊसिज हैं, जहां से पानी को उठाया जाता है, उस लैवल के ऊपर मशीनें थी और पानी इतना ऊपर चढ़ गया और फिर जब वह बैठा तो उसका लैवल इतना नीचे चला गया कि बहते-बहते वह उन सारी मशीनों को भी ले गया। मेरे ख्याल से जो इस बार

21.8.2015/1540/जेएस/एएस/3

फ्ल्ड लैवल आए हैं, इतना फ्ल्ड लैवल डिपार्टमैंट वाले ले रहे होंगे या नहीं ले रहे होंगे।

श्री एस.एस. द्वारा जारी----

1/21.08.2015545/SS-AS/1

श्री जगजीवन पाल, मुख्य संसदीय सचिव क्रमागतः

तो मैं आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से निवेदन करूंगा कि इस बार जो हाइएस्ट फ्लड लेवल गए हैं जहां-जहां निशान लगे हैं आने वाले समय में जो भी हम स्कीमें डिजाइन करें, सड़कें या पुल डिजाइन करें उस लेवल को देखकर फिर आगे के लिए सोचें। इस तरह घराना-भ्रांदा पीने के पानी की स्कीम है और उसके नीचे पुल बन रहा है और सड़क चली गई है। खतरा है कि किसी भी वक्त हमारे पीने के पानी की स्कीम गिर सकती है। मुख्य मंत्री जी ने कोशिश की है, समय तो लगेगा लेकिन मैं एडमिनिस्ट्रेशन, आई0पी0एच0/पी0डब्ल्यू0डी0 के अधिकारियों का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने तुरन्त राहत देने की कोशिश की है और सड़कें चल पड़ी हैं। पीने के पानी की स्कीमें थोड़ी अच्छी कर दी हैं। इतना तुरन्त कर नहीं सकते लेकिन जो किया है वह अच्छा किया है। जहां तक धर्मपुर में हुआ है आज इलैक्ट्रोनिक मीडिया इतनी तेजी से आगे बढ़ रहा है कि आपके चुनाव क्षेत्र धर्मपुर में जैसे ही वे बसें पानी में गईं तो तुरन्त लोगों ने व्हट्स ऐप पर और मीडिया के तहत फोटो डाल दिए। तुरन्त पता लगा कि हिमाचल प्रदेश में कहां-कहां क्या नुकसान हो रहा है। बड़ा दुख हुआ। जो मंत्री बनते हैं चाहे इस गवर्नमैंट के हों या उस गवर्नमैंट के हों, मेरा निवेदन है कि कोई यह सोचकर

न रख ले कि यह प्रैस्टीज़ का सवाल है मैंने यहां अड्डा बनाना ही बनाना है चाहे खड्ड में ही बना दो। मैंने कोई और संस्थान बनाना ही बनाना है जगह नहीं है तो खड्ड में बना दो। आने वाले समय में सारे हिमाचल प्रदेश ,मुख्य मंत्री और प्रशासन के लिए वह समस्या बन जाए, यह क्या है? कोई किसी का प्रैस्टीज़ इश्यु नहीं है। अरे, आपके क्षेत्र में जगह नहीं है तो दूसरे क्षेत्र में अगर अच्छी जगह है तो वहां बनाओ। इससे कोई वोट बनते या जाते नहीं है। अगर मैं इस वक्त सी0पी0एस0, आई0पी0एच0 हूं और मैं बोलूं कि मेरे क्षेत्र में ही कोई बड़ी अच्छी स्कीम लग जाए तो ऐसा नहीं है। लग जाए, कहीं भी लगे लेकिन सबको पीने का पानी मिले और स्कीम सुरक्षित जगह पर लगे। यही मेरा निवेदन है। आज वह संकट खड़ा हुआ है, थोड़ा-सा शायद आप गलत न हों, मैं भी न हूं लेकिन आगे के लिए कोई करे तो सोच कर करे। कोई बुरी बात नहीं है। कोई अपनी इगो न बनाए। एक तो मेरा यह निवेदन है। मैं आज देख रहा था कि जब इस तरफ से कोई कमैंटस आ रहे थे तो थोड़ा कई बार ऐसा होता है कि गलती हो जाती है। अगर गलती हो गई है तो उसको छिपाने या बचाने के लिए और कुछ बोलते जाते हैं। नहीं, नहीं, ऐसा नहीं था। अगर गलती हो गई है तो उसको मान लो और वह बस अड्डा बन भी गया है। अगर वह बन गया तो

1/21.08.2015545/SS-AS/2

गलती हो गई लेकिन उसको ठीक करने के लिए प्रयत्न किये जाएं। इस तरफ से भी करेंगे, मुझे पता है। ऐसी कोई बात नहीं है। मैं अकेले आपके ऊपर नहीं बोल रहा हूं लेकिन मैं इसलिए बोल रहा हूं कि हम गलतियां करते हैं तो हम आगे आने वाले समय में गलतियां न करें। एक तो यह बात है।

जहां तक डिजास्टर मैनेजमैंट के ऊपर कमैंटस आए हैं, कर्नल साहब बहुत अच्छा बोले, मैं वैसे आपको टोकना नहीं चाहता था लेकिन उस वक्त मैंने आपको थोड़ा-सा टोका। जहां तक आप राजेन्द्र राणा जी के बारे में बोल रहे थे --(व्यवधान)--- ले लिया, इसमें क्या हो गया। वे चेयरमैन और वाइस-चेयरमैन हैं वे उसको देखने गए। वह डिजास्टर मैनेजमैंट का एक पार्ट है कि वह आदमी जख्मी हो गया है, उसको वहां से निकालना है तो उसको क्या कंधे पर रखकर निकालेगा? वह पीठ पर रखकर ही तो निकालेगा। वहां उसको खड्ड से बाहर निकालना है। अरे, आप लोग हंस रहे हो। इन बातों पर ये हंस रहे हैं। --(व्यवधान)--

जारी श्रीमती के0एस0

/1550/21.08.2015केएस/डीसी/1

श्री जगजीवन पाल,मुख्य संसदीय सचिव जारी---
------(व्यवधान)---कृपया मेरी बात सुन लें। मैं हाथ जोड़ कर बोल रहा हूं कि मेरी बात सुनने की कृपा करें। मेरी बातों पर कमैंट्स करने का आपको पूरा हक है। यह हक मैं आपसे छिन नहीं सकता लेकिन अगर कोई आग में जल गया है, कोई जख्मी हो गया है तो उसको उठा कर कोई कंधे पर थोड़े ही ले जाएगा, पीठ पर ही लाएंगें, उसको खतरे से बाहर निकालेंगें फिर उसका ईलाज होगा। -----(व्यवधान) ----मैं कहां बोल रहा हूं कि वे जख्मी थे। पहले आप मेरी पूरी बात सुन लो कि मैं क्या कह रहा हूं, वे (राजेन्द्र राणा जी) जख्मी नहीं थे लेकिन किस तरीके से आदमी को निकालना है, वे यह बता रहे थे। ----(व्यवधान) ----आप बात तो सुन लो। वे यह बता रहे थे कि ऐसे लोगों को बाहर निकालना है। वे तो बता रहे थे कि रैस्क्यू कैसे करना है। अगर वे यह बताते समय पीठ पर आ गए तो क्या हो गया? अध्यक्ष जी, हमारे हमीरपुर के विधायक महोदय को मैंने सुन लिया। मैं मानता हूं कि वो इनके सीधे प्रतिद्वन्द्वी हैं, कोई बात नहीं । ---(व्यवधान) ----

अध्यक्ष महोदय, जो त्रासदी 8 तारीख को हुई है, भगवान करें हिमाचलियों के साथ ऐसी त्रासदी दोबारा न हो। आज प्रश्न उठाया गया कि फ्लां जगह पैसा कम दिया, कहीं ज्यादा दिया। किसी को पांच हजार, किसी को 10 हजार, किसी को 30 हजार दे दिए लेकिन ऐसी प्रशासन की कहीं भी कोशिश नहीं है। ऐसा मतभेद मैंने कहीं नहीं देखा है लेकिन आपके ध्यान में हैं तो मैं चाहूंगा कि राजस्व मंत्री जी यहां पर बैठे हैं, सत्र के बाद भी आप इनसे चर्चा कर सकते हैं और करें और जहां किसी अधिकारी ने ऐसा किया है, उनके नाम बताएं। यहां पर यह भी कहा गया कि पटवारी उस दिन अवेलेबल नहीं था। डी.सी. आसानी से अवेलेबल हो, इसके लिए मेरा एक सुझाव है, हमारे राजस्व मंत्री जी यहां पर बैठे हैं, पहले तो लैंड लाईन फोन होते थे और सभी को पता होता था कि किसका क्या नम्बर है लेकिन अब मोबाईल का समय आ गया है। जो डी.सी. हैं, एक कोशिश की जाए कि उनको ऐसा मोबाईल नम्बर दिया जाए कि अगर उनकी ट्रांसफर भी हो जाती है तो वह मोबाईल नम्बर उनके

/1550/21.08.2015केएस/डीसी/2

दफ्तर के बाहर डिस्प्ले हो जाए, वहीं रहे और नीचे एस.डी.एम., कानूनगो, तहसीलदार, पटवारी तक ये लोग बदल भी जाएं तो भी इनके ऑफिशियल मोबाईल नम्बर हों, वह नम्बर वहीं छोड़ कर जाएं और पटवारखाने के बाहर भी पटवारी का नम्बर डिस्प्ले होना चाहिए ताकि पटवारी कब छुट्टी पर है, कब नहीं है कोई किसान और छोटे से छोटा व्यक्ति भी पूछ सकता है कि आपकी लोकेशन आज कहां है, यह मेरा सुझाव है। अन्त में अपने और पूरे सदन की तरफ से भगवान से फिर यह प्रार्थना करता हूं कि ऐसा हमारे हिमाचल प्रदेश में न हो ।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

21.8.2015/1555/av/dc/1

श्री जगजीवन पाल (मुख्य संसदीय सचिव) ----- जारी
न हो। हमारे हिमाचल प्रदेश में पहले भी भारी वर्षा होती थी मगर तब उसको सब लोग सहन करते थे। लेकिन दो-चार वर्षों से बादल फटने जैसी त्रासदियों में जो बढ़ोतरी हुई है उसके लिए कामना करते हैं कि हमें भविष्य में ऐसी चीजें देखने को न मिलें। प्रशासन ने इस बार भी काफी अच्छे तरीके से काम किया है। माननीय मुख्य मंत्री जी ने आपदा राहत के लिए सौ करोड़ रुपये की सहायता राशि दी है। मैं यह कहना चाहता हूं कि यह पैसा जहां-जहां नुकसान हुआ है उस-उस जगह व विभागों तक पहुंचना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे अपनी बात रखने के लिए समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।
समाप्त

21.8.2015/1555/av//2

श्री हंस राज : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे यहां पर नियम 130 के अंतर्गत लाई गई चर्चा पर बोलने के लिए समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

भारी वर्षा के कारण सम्पूर्ण प्रदेश में बहुत नुकसान हुआ है, इसकी चर्चा यहां पर बहुत सारे माननीय सदस्यों ने की है। मैं उस विषय पर नहीं जाना चाहूंगा। मैं केवल अपने निर्वाचन क्षेत्र तक ही सीमित रहकर अपनी बात रखना चाहूंगा। हमारा बहुत ही

पिछड़ा क्षेत्र है, बाकी इलाके मीडिया की नज़र में आ जाते हैं और उनकी खबरें अलग-अलग जिला मुख्यालयों में भी पहुंच जाती है। मगर चुराह विधान सभा क्षेत्र एक ऐसा क्षेत्र है जो कि हर तरह से कटा हुआ है। उस इलाके को किसी भी तरीके से असैस नहीं किया जाता। पीछे वहां पर जो एक बस दुर्घटना हुई थी उसके कारण चुराह अखबारों, रेडियो और दूरदर्शन के माध्यम से लोगों की नजरों में आया था। मीडिया के माध्यम से लोगों को लगा कि चुराह में भी बहुत नुकसान हुआ है। वहां पर दस लोगों ने जानें गंवाई थी। मेरे ही गांव से लगभग दस मिनट की दूरी पर बैरागढ़ क्षेत्र में सड़कों का बहुत बुरा हाल है। वहां की सड़कें खस्ता हालत में हैं। हालांकि सरकार की उनको ठीक करने की कोशिश रहती है मगर जो कोशिश होनी चाहिए वह नहीं हो पा रही है। मेरी जिलाधीश महोदय से भी बात हुई थी। आजकल सेब का सीजन है और इसमें सड़कों का बहुत महत्वपूर्ण रोल है। मैं सरकार से यही गुजारिश करना चाहूंगा कि वर्षा की वजह से प्रभावित हुई सड़कों को जल्दी ठीक किया जाए। मैं यहां पर कुछेक पंचायतों का जिक्र करना चाहूंगा। जनवास पंचायत के बारे में मैंने पिछले बजट सत्र के दौरान एक प्रश्न किया था। उसमें सरकार ने माना था कि जनवास पंचायत का जनवास गांव क्षतिग्रस्त हुआ है। वहां भूस्खलन के कारण काफी नुकसान हुआ है। उसके लिए वन विभाग ने माना था कि हम उसके लिए पैसा खर्च कर रहे हैं। मगर जहां वह पैसा खर्च होना चाहिए था वह पैसा वहां पर खर्च नहीं हुआ। वहां से 50 परिवारों को माइग्रेट करने की स्थिति आई है। देवीकोठी पंचायत का सुपरान्जला

21.8.2015/1555/av//3

और गुवाड़ी गांव में 80 परिवार ऐसे हैं जिनको माइग्रेट करने की परिस्थिति पैदा हो गई है। अब उनको उनकी पैतृक जगह से कैसे इधर-उधर किया जायेगा? यह एक बहुत बड़ा मुद्दा बन गया है। इसी प्रकार से गुलई पंचायत, जनवास, मंगली, जजाकोठी और सनवाल पंचायत हैं। जजाकोठी और सनवाल पंचायत का जिक्र मैं मोटे तौर पर इसलिए करना चाहूंगा क्योंकि जजा से लेकर सनवाल तक देहग्रान, शलेलावाड़ी इत्यादि पंचायतें आती हैं और वहां पर इतना ज्यादा क्लाउड ब्रस्ट हुआ है कि लोगों का घर से निकलना ही मुश्किल हो रहा है। वहां सारी-की-सारी जमीनें बह गई है। हमारे यहां हिमगिरी की पांच पंचायतें आती हैं। इन पंचायतों में बहुत ज्यादा नुकसान हुआ है। वहां पर सेबों की फसलों को मण्डी तक समय पर नहीं पहुंचाया जा सका है। वहां बागवानों

का नुकसान हुआ है। वहां पर मक्की मुख्य फसल है। मक्की का भी नुकसान हुआ है और गेहूं जो ------

श्री टी.सी.द्वारा जारी

21/08/2015/1600/TC/AS/1

गेहूँ जो कोठों पर रहती है उसको भी नुक्सान हुआ है । जो माननीय अध्यक्ष महोदय जहां तक सभी ने कहा कि वर्षा ने सभी को प्रभावित किया है । मैं इस हाऊस में आपके माध्यम से सरकार के ध्यान में कुछ चीजें लाना चाहूँगा कि सरकार जिलाधीश महोदय को निर्देश जारी करें कि जो भी विधायक या जन-प्रतिनिधि लोगों की समस्याएं लेकर जिन-जिन क्षेत्रों से आते हैं, उन-उन क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को प्रायेारिटी पर रखा जाये । क्यों यहां पर माननीय सदस्य राजीव बिंदल जी ने और अन्य साथियों ने जिक्र किया कि एम0एल0ए0 निधि से ढंगों और घरों को प्रोटेक्ट नहीं किया जा रहा है । इसके लिए कुछ ऐसा प्रावधान रिलीफ के माध्यम से या बी0आर0जी0एफ0 का फण्ड भी अभी तक जिला चम्बा में बचा हुआ है उसके डाइवर्ट इस तरह से किया जाये कि प्रभावित परिवारों को किसी न किसी तरह से जो नुक्सान उनका हुआ है या जिनके घर ढहने वाले हैं उनको बचाया जा सके । जिवणा-थलोग और बदरीगढ़ चयोड़ा हमारी दो पंचायतें हैं, इनमें जिवणा,थलोग,मौहा, प्रभा इसमें तीन-चार गांव है जहां पर बहुत ज्यादा क्लाऊॅड ब्रस्ट हुआ है । इस लिहाज से ये जो चार -पांच पंचायतें मैंने बताई है, सम्वेदनशील हो गई । वॉटर की जो सप्लाई है वह प्रभावित हुई है । बंजराडू-तिसा हमारे खुशनगरी और गठरी पंचायतों में तो उनके बारे में भी यथासम्भव सरकार जो निर्देश दे सकती हैं दें । और इन लोगों को रिलीफ मिलें ताकि चुराह बहुत ज्यादा पिछड़ा क्षेत्र है,किसी तरह की कोई मदद आती है नहीं । आपसे यही गुजारिश है कि इस तरह से कोई मदद हो तो अच्छा है, आपने मुझे समय दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।

अध्यक्षः अभी दस आदमी बोलने वाले हैं और एक घण्टा हमारे पास है। मैं सबसे निवेदन करूँगा कि आप 5-5 मिनट में अपनी बात खत्म करिए वरना मुझे समाप्त करना पड़ेगा । दूसरे, अभी श्रीमती सरवीण चौधरी कुछ अपनी बात रखना चाहती है । आप बात रखिये ।

21/08/2015/1600/TC/AS/2

श्रीमती सरवीण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, नियम-130 के अन्तर्गत जो प्रस्ताव यहां रखा गया है, उसमें मैंने थोड़ा गुस्से में आकर एक शब्द कह दिया है श्री महेश्वर सिंह जी के बारे में, तो उस शब्द को निकाल दिया जाये।

अध्यक्षः श्रीमती सरवीण चौधरी ने शब्द कहे हैं श्री महेश्वर सिंह जी के विरूद्ध उनको एक्सपंच किया जाये।

श्री रोहित ठाकुरः अध्यक्ष महोदय, नियम-130 के तहत इस माननीय सदन में हमारे माननीय सदस्य ठाकुर महेन्द्र सिंह जी ने बहुत ही महत्वपूर्ण विषय उठाया है और उसके साथ और भी हमारे माननीय सदस्य जिसमें श्री महेश्वर सिंह जी, श्री कर्ण सिंह जी और श्रीमती सरवीण चौधरी जी, सब ने प्रदेश से जुड़ा हुआ यह मामला उठाया है। जहां भारी बरसात के कारण पूरे प्रदेश में काफी क्षति हुई है, जो क्रम जून क महीने में शुरू हुआ था अभी तक निरन्तर भारी बरसात पूरे हिमाचल प्रदेश में हो रही है। इसी तरह से हमारे जिला शिमला के जुब्बल-कोटखाई क्षेत्र में भी काफी प्राकृतिक त्रासदी हुई और विशेषकर से भारी बरसात से क्योंकि आजकल सेब उत्पादक क्षेत्रों में सेब सीजन का कार्य चला है। इसका सर्वाधिक प्रभाव हमारी सड़कों को हुआ है और पूरे हिमाचल प्रदेश में और हमारे विधान सभा क्षेत्र में भी मिन्ज ऑफ कनैक्टिविटज का मुख्य साधन ये सड़कें हैं। मैं पता कर रहा था, हमारे रोहडू वृत्त में ही जिसके अन्तर्गत तीन विधान सभा क्षेत्र आते हैं जुब्बल-कोटखाई, रोहडू और चौपाल, पिछले एक डेढ़ महीने के बाद जब से यह भारी बरसात का प्रकोप हुआ लगभग चालीस करोड़ रूपये की क्षति हमारे लोक निर्माण विभाग की हुई है। जिसमें चाहे वह खड़ा पत्थर हाटकोटी सड़क की बात हो या जो अन्य सम्पर्क सड़कें हैं इसमें काफी नुक्सान हुआ है। मेरा माननीय मुख्य मंत्री से माननीय राजस्व मंत्री से आग्रह रहेगा कि प्राकृतिक आपदा कोष से हमारी सड़कों के लिए पैसों का इन्तजाम किया जाये और साथ ही साथ रिलीफ मैनुअल में बढ़ोतरी की गई है,

21/08/2015/1600/TC/AS/3

उसके लिए भी मैं सरकार को बधाई देता हूँ। साथ ही जो मैं सबसे महत्वपूर्ण समझता हूँ जैसे हमारे क्षेत्र की बात आती है, सेब उत्पादक क्षेत्र है।

जारी एन0डी0 द्वारा ---------

21.08.2015/1605/NS/AG/1

श्री रोहित ठाकुर (मुख्य संसदीय सचिव)----------जारी
मेरा माननीय मुख्यमंत्री/राजस्व मंत्री से आग्रह रहेगा कि प्राकृतिक आपदा कोष से हमारे क्षेत्र के लिए पैसे का प्रावधान किया जाए। साथ ही साथ जो रिलीफ मैनुअल में बढ़ोतरी की गई है उस के लिए भी मैं सरकार को बधाई देता हूं और साथ ही साथ मैं सबसे महत्वपूर्ण समझता हूं कि जैसे हमारे क्षेत्र की बात आती है। सेब उत्पादक क्षेत्र है। यहां पर जहां उत्पादन पर, फसल पर नेचुरल कैलामिटी रिलीफ मैनुअल के तहत पैसा दिया जाता है। जब क्षति होती है । पहले 50 प्रतिशत के ऊपर क्षति होती थी तो रिलीफ मैनुअल के तहत राहत दी जाती थी। अब शायद यह 33 प्रतिशत किया गया है। मेरा आपके माध्यम से आग्रह रहेगा कि यहां उत्पादन पर, फसल पर रिलीफ मैनुअल के तहत मदद की जा रही है। इसी तरह से भारी बरसात से स्वॉयल इरोज़न, भूस्खलन हो रहा है, उसके कारण बगीचों के बगीचे और पेड़ उसमें नष्ट हो रहे हैं। उसका कोई भी प्रावधान अभी तक रिलीफ मैनुअल में नहीं है। मेरा आग्रह रहेगा आपके माध्यम से माननीय राजस्व मंत्री से कि इसका भी अवश्य प्रावधान किया जाए। इसी तरह से यहां मैं सड़कों की बात कर रहा था। हमारे पहाड़ी क्षेत्र है, जितनी भी हमारी सड़कें बनी हैं उसमें पानी की निकासी सबसे महत्वपूर्ण हैं। जिस के लिए कल्वट्र्स बनने अत्यन्त आवश्यक हैं। जिसकी वजह से भारी बरसात और ये बादल फटने की घटनाएं बढ़ रही हैं, इसमें यह देखा गया है कि जो यहां के कल्वट्र्स बंद हो जाते हैं, चोक हो जाते हैं, जिसके कारण बड़ी क्षति सड़कों की हो रही है, मेरा आग्रह रहेगा कि जहां-जहां भी कॉज़वे बनाए जा सके बनाएं ताकि जो पानी की निकासी है, जो भी डैब्रिस आता है वह सड़क के ऊपर से निकले और हमारी सड़क को कोई नुकसान न हो। इसी तरह से मेरे क्षेत्र में विशेष रूप से हमारा जो सी.एच.सी. कोटखाई है, जो हमारा तहसील हैड क्वार्टर का हॉस्पिटल है, वहां पर भी काफी क्षति हुई है। यह विभाग भी ठाकुर साहब के पास है । यहां के जो अप्रोच रोड़ हैं, क्योंकि हमारा जो हॉस्पिटल है, शिक्षण संस्थान है यह असैंशियल सर्विसिज़ में आता है, यह एक तरह से कट गया है। मेरा आपके माध्यम

21.08.2015/1605/NS/AG/2

से आग्रह रहेगा कि सी.एच.सी. की अप्रोच रोड़ के लिए बजट का प्रावधान किया जाए और साथ ही साथ हमारे क्षेत्र की सड़कों की जो मैंने बात कही है चाहे वह ठियोग-खड़ा पत्थर-हाटकोटी रोड़ है, चाहे हमारी पांगी सड़क है, सांवड़ा-मांदल-झग्टान, मुड़ल-केल्वी, मंढहोल मगावटा, मैंदली-टिक्कर, कोटी-सराईंधार या अन्य कई सड़कें हैं, जिनके माध्यम से हमारा सेब आज के समय में निकल रहा है , इसके लिए पैसे का उचित प्रावधान रिलीफ मैनुअल के तहत किया जाए। इन्हीं शब्दों के साथ धन्यवाद।

21.08.2015/1605/NS/AG/3

अध्यक्षः अब श्री राजीव सैजल जी चर्चा में भाग लेंगें। कृपया पांच मिनट में अपनी बात समाप्त करें।

डॉ0 राजीव सैजलः माननीय अध्यक्ष जी, आज पूरे प्रदेश में बरसात की वजह से भयंकर नुक्सान झेलना पड़ रहा है और मुझे लगता है कि कोई भी निर्वाचन क्षेत्र प्रदेश का इससे अछूता नहीं रहा। मेरा निर्वाचन क्षेत्र भी काफी प्रभावित हुआ और इसमें विशेष तौर से जो हमारी भोजनगर पंचायत है उसके अंतर्गत पड़ने वाले भोजनगर से जो हमारी मल्ला सड़क है, वह पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हुई और अभी तक उसके ऊपर यातायात अवरुद्ध है। माननीय अध्यक्ष जी, यह मेरे निर्वाचन क्षेत्र की सबसे पुरानी सड़क है और हमारी भोजनगर पंचायत, नेरीकलां पंचायत, प्राथा पंचायत और हमारी नारायणी पंचायत ये चार पंचायते इस रोड़ के माध्यम से शेष निर्वाचन क्षेत्र से जुड़ती है और जिला मुख्यालय से जुड़ती है। अभी तक तो ये पंचायतें हिमाचल प्रदेश से कटी हुई है । जो नेरीकलां और प्राथा और नारायणी पंचायत है ये हरियाणा से हो कर, मल्ला से हो कर इनको अपने दैनिक उपभोग की चीजों को लेने के लिए हरियाणा जाना पड़ता है। मेरे निर्वाचन क्षेत्र में क्रैश क्रॉप टमाटर और शिमला मिर्च है। एक तो किसी प्रकार का समर्थन मूल्य टमाटर को नहीं मिलता और बरसात और भयंकर बारीश जब आती है तो सबसे ज्यादा नुकसान टमाटर उत्पादन का होता है। हमारी इन तीन-चार पंचायतों में टमाटर बहुतायत में उगाया जाता है। हमारी पिछली सरकार के समय में, प्रो0 प्रेम कुमार धूमल जी के कार्यकाल में इन सड़कों का निर्माण हुआ था और इनके अवरुद्ध हो जाने से हमारे जो कृषक लोग हैं, टमाटर और शिमला मिर्च उत्पादक हैं , एक बात

आज बड़ी कॉमन है कि अगर किल्टा जो कि बांस का बना हुआ होता है, जिसमें टमाटर उठाया जाता है। किल्टा उतरा था लेकिन अब यह दोबारा से पीठ पर चढ़ गया।

श्री नेगी जी द्वारा जारी---

21.08.2015/1610/negi/as/1

डॉ0 राजीव सैजल.. जारी..

दोबारा से किल्टा हमारे ज़मींदारों के पीठ पर चढ़ गया है क्योंकि सड़कें नहीं हैं , पिकअप जा नही सकती और माल उठा नही सकती । इसलिए किसानों को 10-10, 12-12 किलोमीटर किल्टा पीठ में उठा कर अपनी फसलें मुख्य मार्ग तक पहुंचानी पड़ रही है। तो मेरा इसमें निवेदन रहेगा कि एक तो तुरन्त विभाग को आदेश हो, वैसे विभाग ने थोड़ा सा काम किया है लेकिन बहुत देर से विभाग हरकत में आया है। पहले लोग आगाह भी कर रहे थे, थोड़ी सम्भावना थी कि हमारी यह सड़क बैठने वाली है। लेकिन उसके ऊपर तुरन्त कार्रवाई न होने की वजह से लोगों को बड़ी गम्भीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

माननीय अध्यक्ष जी कसौली विश्व पर्यटन मानचित्र पर है, विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। विश्व के कौने-कौन से पर्यटक कसौली आते हैं। अगर आप धर्मपुर-कसौली मार्ग की हालत देखें तो एक बार जो पर्यटक वहां आ जाता है वह दूसरी बार आने को तौबा करता है। यूं तो उस रोड़ की हालत पहले से ही खराब थी लेकिन इन बरसातों ने उस सड़क को पूरी तरह से क्षतिग्रस्त किया है। इसमें विभाग को निर्देश हों, हालांकि अभी भी बरसात चली हुई है और पैचवर्क नही हो सकता है लेकिन उसको गटके के साथ और मिट्टी के साथ भरा जा सकता है ताकि आने-जाने वालों को, विशेष तौर से पर्यटकों को राहत मिल सके।

इसी प्रकार से हमारा धर्मपुर से कंडा मार्ग, हरिपुर से पट्टा बरोरी मार्ग ,यूं तो जितनी भी सड़कें हैं उन सबकी हालत खराब हैं । पी.डब्ल्यू.डी. के पास जो रोडज़ होती हैं उनके लिए तो विभाग प्रयास करता है लेकिन जो सड़कें पंचायत ने बनाई हुई हैं उनके लिए धन का प्रावधान करने की बड़ी समस्या होती है। ये जो छोटी-छोटी सड़कें जो पंचायत ने बना रखी हैं, किसानों की फसलें इन्हीं सड़कों के माध्यम से मण्डी तक पहुंचती हैं। मैंने पिछली विधान सभा में भी अपना एक सुझाव दिया था और माननीय विधायक राम कुमार जी का भी इसके संदर्भ में सुझाव आया था । जो हमारी पंचायत रोडज़ हैं इनके लिए भी सरकार सालाना कुछ न कुछ पैसे का

21.08.2015/1610/negi/as/2

प्रावधान करें। मैंने सुझाव दिया था कि उनमें जहां जरूरत है वहां डंगे लगने चाहिए और ड्रेनेज़ बनने चाहिए। फंड चाहे विधायक अपनी विधायक निधी से दें या डी.सी. के माध्यम से उपलब्ध हो, क्योंकि उनकी मेन्टेनैंस पर साल दर साल खर्च आता है, मेरा इस सरकार से निवेदन रहेगा कि इसमें फंड की व्यवस्था जरूर हो ताकि जो हमारी छोटी-छोटी सड़कें हैं, जो हमारे किसानों के लिए बड़े महत्वपूर्ण हैं उनके लिए पैसे का प्रावधान हो।

एक और बात जो अनेक वक्ताओं ने यहां पर कही है कि जब आग लगती है हम तभी क्यों जागते हैं? बरसात से पहले जिला स्तर पर आपदा प्रबन्धन की बैठक क्यों नही होती ? इसी प्रकार से गर्मियों में जब पानी की किल्लत होती है और वनों में जब आग लगती है तब विभाग जागता है और तभी उसके लिए एक्सर्साइज़ शुरू होती है। इस प्रकार की आपदा से पहले क्यों पग नही उठाए जाते हैं। जो क्षेत्र के प्रतिनिधि हैं उनको मालूम होता है कि सैंसेटिव एरियाज़ कौन-कौन से हैं, बरसात में किन-किन क्षेत्रों में ज्यादा नुकसान हो सकता है और हमारी कौन सी सड़कों की खराब होने की ज्यादा सम्भावना होती है। अगर हम पहले से इसके ऊपर काम करेंगे तो मुझे लगता है कि जो नुकसान होता है उसको कम किया जा सकता है और लोगों को मुसीबत से बचाया जा सकता है। इन्हीं शब्दों के साथ अध्यक्ष जी आपने मुझे समय दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

21.08.2015/1610/negi/as/3

अध्यक्षः अब श्री नन्द लाल जी इस चर्चा में भाग लेंगे।

श्री नन्द लाल (मुख्य संसदीय सचिव): अध्यक्ष महोदय, इस माननीय सदन में आज नियम-130 के अन्तर्गत एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव आया है, मैं उसपर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। इस बार भारी वर्षा से और बादल फटने से बहुत क्षति हुई है ,यह बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है । जैसे ठाकुर रोहित जी ने बताया कि जून से लेकर अभी तक बरसात में कोई राहत नही है और अरली बरसात के कारण काफी नुकसान हुआ है । छोटे-छोटे नाले भी उफान पर हैं और बहुत जबरदस्त सॉयल इरोजन हो रहा है, सड़कें टूट रही हैं

और मकान बह रहे हैं। कई जगह नालों में पुल लगे होते थे जिनपर गांव के लोग क्रौस करते थे, वे टूट गए हैं और उनका नामो-निशान नहीं है। जहां तक बादल फटने की बात है यह भी लगातार एक प्रक्रिया चल रही है। बादल फटने से जिस तरह की तबाही होती है वह आप सब जानते हैं।

श्रीमती यू.के.द्वारा जारी...

/1615/21.08.2015यूके/डीसी/1

श्री मुख्य संसदीय सचिव नन्द लाल ---जारी----

तो इस बारे में विचार विमर्श करना बहुत जरूरी हो चुका है कि आगे क्या किया जाए। माननीय महेन्द्र सिंह जी ने जो बात यहां लाई है, बहुत ही महत्वपूर्ण है, पर मामला थोड़ा सा पॉलिटीसाईज़ हो गया । वह खाली एक कंस्टिचुएंसी की बात नहीं है, पूरे हिमाचल प्रदेश का नुकसान हुआ है और कई जगहों पर नुकसान हुआ है । इन्होंने नोगली से लेकर वांगतु सड़क की बात कही, जो बन्द रही । मैं यह कहना चाहता हूं कि नोगली से लेकर बधाल यह रामपुर की कंस्टिचुएंसी में पड़ती है । तो यह सड़क कभी भी अवरूद्ध नहीं रही कि एक दिन के लिए या दो दिन के लिए । इसमें सिर्फ एक ब्रौनी नाला पड़ता है जो बहुत सैंसिटिव प्वाइंट है । स्टोन शूटिंग होती है, पानी बह रहा है । तो उसमें आजकल तो दिक्कत है मैं मान रहा हूं । पर यह नहीं रहा कि कभी भी सड़क को अवरूद्ध होना पड़ा और यह नेश्नल हाईवे है तो इसलिए उसमें इस तरह की समस्या नहीं देखी गयी और सरकार प्रयत्नरत रही है ,नेश्नल हाईवे के लोग उस पर काम कर रहे हैं । वहां स्टोन शूटिंग और पूरी चट्टान नीचे उतर रही है उसके बावजूद भी उसको ट्रफिक के लिए क्लियर किया जाता है । इसके लिए हम सरकार का धन्यवाद करना चाहेंगे । इसी के साथ जो इन्होंने नेश्नल हाईवे की बात की । निरसू में भी इस तरह का स्लाइडिंग प्वाइंट था उस स्लाइडिंग प्वाइंट को एवायड करने के लिए एक डायवर्शन रोड तैयार किया गया है । तकरीबन अराउंड 200 मीटर, उसके बनने से उस पोर्शन को भी एवायड किया जा सकता है । ब्रौनी नाला की जो समस्या है, पूरे नेश्नल हाईवे के अन्दर है । मैं माननीय अध्यक्ष महोदय यह बात ध्यान में लाना चाहूंगा कि उस नाले का एक जो पानी का नेचुरल चैनल था वह डायवर्ट हो कर पूरे पहाड़ के अन्दर चला गया । उसको बड़ी अच्छी तरह से स्टडी किया गया । फैसला यह हुआ है कि नेश्नल हाइवे में जो पानी उतारना है वह अपने राईट चैनल में जाए, जिस तरह से वह

अन्दर घुस कर पूरे पहाड़ को नीचे खींच रहा है, उसको प्रोपर चैनेलाईज़ किया जाए और इसके लिए आई0पी0एच0 तथा फॉरेस्ट डिपार्टमैंट ने एक कम्बाईंड डी0पी0आर0 तैयार की है क्योंकि यह बहुत गंभीर समस्या है और हर साल, रेकरिंग प्रॉब्लम है, तो इसको

/1615/21.08.2015यूके/डीसी/2

दूर करने के लिए एक प्रॉपर डी0पी0आर0 बनाई जा रही है । जिससे इसका हमेशा के लिए समाधान हो जाएगा । बाकी नेश्नल हाईवे के अलावा जो स्टेट रोड़ज़ हैं, वे भी काफी अवरुद्ध हुए हैं जैसे ठाकुर साहब ने भी कहा कि हमारी जो दूसरी स्टेट रोड़ज़ तथा लिक् रोड़ज़ हैं, उसमें सॉयल इरोज़िन की वजह से, कुछ कच्चे होने की वजह से काफी समस्याएं आई हैं । जिससे लैंड स्लाईड लगातार हो रहे हैं । मगर इसमें मशीनों की अवेलिबिलिटी से या PWD के काम से कोई रोड अवरुद्ध नहीं होने दिया जा रहा है ताकि जो हमारे सेब के सीजन में काम चलता रहे । क्योंकि लोअर बैल्ट का सेब तो क्लियर हो चुका है और जो ऊपर वाली बैल्ट है उसका अभी सेब का पीक सीज़न चल रहा है । तो कोई अवरूद्धता नहीं होने पायेगी ।

सर, मुझे एक बात कहनी है कि इसमें जहां तक सॉयल इरोज़िन का सवाल है वह तो मशीन से क्लियर हो जायेगा पर जो नीचे से डंगे का टूटना, रिटेनिंग वॉल टूटना, उसमें थोड़ा टाइम लग सकता है पर फिर भी पूरे एरिये में रात-दिन काम चल रहा है, हमारा सेब का सीजन ऑलमोस्ट थ्रू चल रहा है । मैं सरकार से यह भी कहना चाहूंगा कि कुछ एडिश्नल फंड़ज़, जो रिटेनिंग वॉल और ब्रेस्ट वॉल बननी है उनके लिए होना चाहिए ताकि सड़कें अवरूद्ध न हों । प्लस एडिश्नल मशीनरी हो । जो मशीनरी अभी लगी हुई है वह काम कर रही हैं लेकिन उसको और दुरूस्त करने के लिए एडिश्नल मशीनरी वहां लगा दी जाए । जिससे हमारा काम ठीक से चलता रहे । बादल फटने की जहां तक बात है, इस त्रासदी से सब लोग वाकिफ हैं । हमारी कंस्टिचुएंसी के अन्दर पन्द्रह-बीस की फांचा और ब्रूट पंचायत में अभी यह सबसे ज्यादा इफैक्टिव हुआ है । किंगसी गांव में नाले के भरने से गांवों में दरारें आ गयीं और 6-7 मकान खाली करवाए गए । इसी तरह नंती में यह फांचा पंचायत है, इसमें दो-तीन मकान गिरने वाले हैं, उनको भी खाली करवा दिया गया है और लोगों के बगीचे भी खिसक गए हैं, नीचे उतर गए हैं, उनको भी वहां से से निकाल कर उसकी लॉस्स की अस्सेसमैंट हो रही है । इसी तरह से रचोली पंचायत में एक श्वाली गांव

/1615/21.08.2015यूके/डीसी/3

हैं, वहां क्लाउड बर्स्ट की वजह से चट्टानें नीचे गिर कर आयीं और 3 परिवारों को वहां से निकाल कर उनको टेंट प्रोवाईड किया गया है। इस पूरे नुकसान का अस्सेमैंट रेवेन्यू डिपार्टमैंट कर रहा है और सभी परिवारों को ठीक जगह पहुंचा दिया गया है। हमारी सिर्फ सरकार से यह गुजारिश रहेगी कि एक तो ब्रौनी नाला जिसका मैने जिक्र किया उसका जो परमानेंट सॉल्यूशन है।

एस0एल0एस0 द्वारा जारी----

21.08.2015/1620/SLS-AS-1

श्री नन्द लाल, माननीय मुख्य संसदीय सचिव.. जारी

उसके स्थाई समाधान के लिए उसकी डी. पी. आर. जल्दी बनाई जाए ताकि उसको ठीक किया जा सके। रिटेनिंग वॉल और ब्रैस्ट वॉल जहां-जहां बननी है। उसके लिए जो अतिरिक्त धनराशि की ज़रूरत पड़ेगी, वह मिले। कई लोगों की अपनी मलकीयत की ज़मीन ख़तरे में है। उसमें दरारें आ गई हैं। उस पर भी सोच-विचार चल रहा है और रैवन्यु डिपार्टमैंट उसे देख रहा है। They have become almost landless. Landless को जो दो या तीन बिस्वा ज़मीन देने का प्रोविजन है, उसमें उनको कवर किया जाए। जैसे सब लोगों ने बात की है कि मैन्वल की राहत राशि को और बढ़ाया जाए ,वह होना चाहिए। बाकि जितने भी हमारे संबंधित विभाग हैं, चाहे आई. पी. एच. है ,बिजली विभाग है, टेलिफोन विभाग है; उनको भी और चुस्त-दुरुस्त रखा जाए ताकि ऐसे वक्त में हमारी मूलभूत सुविधाओं में कमी न हो।

अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

समाप्त

21.08.2015/1620/SLS-AS-2

श्री विनोद कुमार : अध्यक्ष जी, नियम-130 के अंतर्गत जो प्रस्ताव हमारे वरिष्ठ विधायक पूर्व मंत्री ठाकुर महेन्द्र सिंह जी ने रखा है ,मैं उस प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए खड़ा हुआ हूं।

अध्यक्ष जी, मेरे नाचन विधान सभा क्षेत्र में भी इस भारी बरसात से भारी संख्या में नुकसान हुआ है। मेरे नाचन क्षेत्र के अंतर्गत दुगराईं पंचायत के गग्याल नाला, लोहारा पंचायत के लुहाडी नाला, अप्पर वैली पंचायत के सिगरी नाला, महादेव पंचायत और चाम्बी पंचायत में घांघल खड्ड, ढाबण पंचायत के डडोह में कन्सा खड्ड, चैलचौक पंचायत में चैल और ज्यूणी खड्ड और चच्योट पंचायत में छमेत आदि खड्डों के किनारे जिन भी किसानों की भूमि थी वह सारी-की-सारी भूमि भारी बरसात के कारण बह गई है। इससे इन खड्डों के किनारे जो पुल या पुलिया लगाई गई थीं ,वह भी बह गए हैं। मैंने पिछले वर्ष इस विषय को लेकर सरकार को अवगत कराया था और मैं डी. सी. मण्डी से भी मिला था। मैंने सरकार से निवेदन किया था कि यह जो बड़ी-बड़ी खड्डें मेरे नाचन विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत आती हैं ,इनका चैनेलाइजेशन किया जाए। लेकिन पिछली बार भी आश्वासन ही मिला। अगर इन नालों का चैनेलाइजेशन हो जाता तो शायद किसानों की ज़मीनें बहने से बच जाती। मैं सरकार से निवेदन करता हूं कि जिन किसानों की भूमि भारी बरसात के कारण बह गई है या जिनकी फसलों का नुकसान हुआ है उन्हें उचित मुआवजा मिले और सरकार उन नालों का चैनेलाइजेशन जल्दी-से-जल्दी करवाने की कृपा करे ताकि आने वाले समय में किसानों का इस तरह का नुकसान न हो सके।

अध्यक्ष जी, अभी हमारे सत्तापक्ष के विधायक बात कर रहे थे कि अगर इनके विधान सभा क्षेत्र में इस प्रकार की घटना घट रही है तो वहां पर प्रशासन काम कर रहा है। एक बात ये और भी कह रहे थे कि इनकी सरकार किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं कर रही है। लेकिन मैं अपने विधान सभा क्षेत्र के बारे में आपको कहना चाहूंगा। मेरे नाचन विधान सभा क्षेत्र में जहां भारी बरसात से लोगों के खेत बह गए ,लोगों की फसलें तबाह हो गई ,कई दिनों तक बिजली नहीं आई ,कई दिनों तक

21.08.2015/1620/SLS-AS-3

लोगों को पीने का पानी नहीं मिला, वहां प्रशासन कहां सोया है? वहां विकास कहां हो रहा है? हमें तो यह नज़र नहीं आ रहा है। अध्यक्ष जी, मेरे विधान सभा क्षेत्र की मसोगल, कुटाची, झुंगी, घरोट, जहल ,कांडी-कमरूनाग, सुन्ना, धरिस्टी, लोट, शाला,

नौट, चच्योट, चमैहर आदि जो ऊंचाई की पंचायतें हैं, जहां सीढ़ीनुमा खेत बने हुए हैं, इस भारी बरसात के चलते वह सारे-के-सारे खेत स्लाइड हो चुके हैं।

जारी..श्री गर्ग द्वारा

21/08/2015/1625/RG/DC/1

श्री विनोद कुमार-----क्रमागत

सीढ़ीनुमा जो खेत बने हुए हैं इस भारी बरसात के चलते वे सारे-के-सारे खेत स्लाइड हो चुके हैं। वहां मटर की खेती तबाह हो चुकी है। मेरा सरकार से निवेदन है कि उन खेतों को व्यवस्थित करने के लिए सरकार उचित मदद करे और जो फसलों का नुकसान हुआ है उसका भी किसानों को को उचित मुआवज़ा मिले। भारी बरसात से नाचन विधान सभा चुनाव क्षेत्र में जो फसलों का नुकसान हुआ है वहां के किसानों को भी उचित मुआवज़ा मिले।

अध्यक्ष महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र में एक नहीं अनेकों मकान, अगर मैं पंचायतवार यहां कहूंगा, तो मुझे लगता है कि काफी समय लग जाएगा ,तो अनेकों घर इस भारी बरसात के कारण गिरे हैं। मुझे आज भी याद है कि प्रो. धूमल जी के नेतृत्व में इस प्रदेश में सरकार चलती थी ,तो उस समय चाहे फौरी राहत की बात हो ,तुरन्त मिलती थी। लेकिन अब जिनके घर गिर गए हैं उनको चाहे तिरपाल देने की बात हो , एक नहीं अनेकों बार कहने के बाद भी सहायता नहीं मिलती है। प्रशासन कभी कहता है कि पैसे नहीं है, कभी कहता है कि तिरपाल नहीं है। यदि एक परिवार को हमें मदद दिलानी होती है, तो कई बार बोलना पड़ता है। आज भी बहुत से लोग ऐसे हैं जिन्हें फौरी राहत आज दिन तक नहीं मिल पाई है। जबकि एक-एक महीना उनके घरों को गिरे हुए हो चुका है। कई लोगों को तिरपाल नहीं मिला है। इसलिए मेरा आपसे निवेदन है कि जिन लोगों के घर गिरे हैं या किसी कारणवश, चाहे वह आग लगने के कारण या बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुए हैं ,इस तरह के मामलों को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाए ताकि जो भी पैसा उनका बनता है वह जल्दी-से-जल्दी उनको मिले जिससे वे अपने घर दुबारा बना सकें।

अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मेरा एक और भी निवेदन रहेगा कि नुकसान तो उन लोगों का बहुत बड़ी संख्या में होता है क्योंकि 75,000/-रुपये में घर नहीं बन सकता। लेकिन मेरा निवेदन रहेगा कि यदि इस तरह की कोई घटना घटती है, तो इस राशि को भी थोड़ा सा बढ़ाया जाए। मैं ज्यादा लंबी बात नहीं करुंगा, आपने मुझे समय दिया इसके लिए भी मैं आपका धन्यवाद करता हूं। धन्यवाद।

समाप्त

2/-

21/08/2015/1625/RG/DC/2

अध्यक्ष : अब श्री बलबीर सिंह वर्मा जी चर्चा में भाग लेंगे।

श्री बलबीर सिंह वर्मा : माननीय अध्यक्ष महोदय, नियम-130 के अन्तर्गत जो माननीय सदस्य ने प्रस्ताव लाया है यह बहुत ही महत्वपूर्ण प्रस्ताव है। जब मैं अपने चुनाव क्षेत्र से वापस आया ,तो मैंने सोचा कि हिमाचल प्रदेश विधान सभा के अंदर मैं वीडियो के साथ इसको ले जाऊंगा। शायद मेरे चुनाव क्षेत्र में ही इतना नुकसान हुआ होगा। लेकिन माननीय सदस्यों ने यहां कहा कि जो त्रासदी प्रदेश में आई है उससे काफी नुकसान प्रदेश में हुआ है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरे चुनाव क्षेत्र में बहुत सारी सड़कें ऐसी हैं जो पी.एम.जी.एस.वाई. में बनी थीं। 14-14 किलोमीटर सड़कें बनी थीं ,लेकिन आज स्पॉट पर आधा या पौन किलोमीटर भी उन सड़कों का नामोनिशान नहीं रहा। जैसे एक सड़क थी उससे एक लाख सेब की पेटी निकलनी थी जब मैं उस स्पॉट पर गया, वह Poran Pandrara सड़क थी जो Poriya पंचायत में पड़ती है। मैंने वहां की स्थिति देखी , जो सैंकड़ों ग्रोअर्ज थे जिनकी फसलें तैयार थीं वे रो रहे थे कि हम इसको मार्केट तक कैसे पहुंचाएंगे।

माननीय अध्यक्ष महोदय, सरकार के माध्यम से मैंने माननीय मुख्य मंत्री महोदय से निवेदन किया ,उन्होंने ई.एन.सी., लोक निर्माण विभाग को आदेश दिए कि चौपाल चुनाव क्षेत्र के लिए मशीनों का अलग से प्रावधान किया जाए और एक ही सड़क पर चार-चार मशीनें लगाई गईं और अभी भी वह सड़क पूरी तरह से तैयार नहीं हुई है, लेकिन आने वाले एक-दो दिन में वह सड़क तैयार हो जाएगी। मेरे चुनाव क्षेत्र में 22-23 पंचायतों में सड़कें खराब हुई हैं जिसमें Tharoch Kutangan सड़क है। यह भी बहुत लंबी सड़क है और इसकी भी बहुत दयनीय स्थिति है। एक Jhikni पुल से Bamta के लिए है इसकी भी बहुत दयनीय स्थिति है। Madhana में एक Bharan जगह है जो मधाना पंचायत में भारन जगह है वह पूरी अनुसूचित जाति की एक बस्ती है। वहां 25-30 मकानों में नीचे दरारें आ गई हैं और वह पूरा गांव भी खिसक सकता है। ऐसी दयनीय स्थिति में वह बस्ती है।

एम.एस. द्वारा जारी

21/08/2015/1630/ms/ag/1

श्री बलबीर वर्मा जारी----------

मकानों के नीचे दरारें आ गई हैं और वह पूरा ही गांव खिसक सकता है। ऐसी दयनीय स्थिति में वह रिजर्व की बस्ती है। वहां पर मैं और एस0डी0एम0 दोनों स्पॉट पर गए थे बल्कि पूरे अधिकारी भी गए थे। परन्तु सरकार के पास जो लिमिटिड सोर्सिज हैं, माननीय अध्यक्ष महोदय, इसकी वजह से बहुत दिक्कत आ रही है। एक हमारी गोली-मनावग सड़क है। गोली-मनावग पंचायत ऐसी पंचायत है जिसमें एक ही पंचायत में एक लाख से ऊपर सेब की पेटियां होती हैं। वहां पर दो ब्रिज थे, वे दोनों ही बह गए हैं। वहां सड़क की बहुत ही दयनीय स्थिति है। अभी टैम्परेरली लोक निर्माण विभाग वहां एक रिटेनिंग वॉल क्रॉसिंग के लिए लगा रहा है। परन्तु अभी भी जो वहां का सेब है ,वह पंचायत में ही फसा है। उसको निकालने के लिए अधिकारी पूरी कोशिश कर रहे हैं। इसके अलावा हमारा माटल रोड जोकि मनावग से 18 किलोमीटर का है ,उसकी भी दयनीय स्थिति है। उसमें दो-तीन नाले इतने जबरदस्त आते हैं कि वे पूरी सड़क को ही ले गए। एक सीनियर सैकेण्डरी स्कूल भरानु है। अध्यक्ष जी, यह जो स्कूल है उसके ग्राउंड में 7-8 फीट का मलबा अंदर भर गया है। उस नाले की जो डाइवर्शन थी, वह स्कूल की तरफ बढ़ गई और स्कूल की जो नई बिल्डिंग बना रहे थे, उसकी स्थिति भी खतरनाक हो गई है। वहां पर बच्चों के बैठने के लिए अभी भी प्रोपरली कोई व्यवस्था नहीं है। लोक निर्माण विभाग कमरों को साफ करने के लिए पूरी कोशिश कर रहा है ताकि बच्चों को बिठाने की व्यवस्था हो जाए।

अध्यक्ष जी, मेरा चुनाव क्षेत्र बहुत ही पिछड़ा हुआ है। हमारे यहां से चौपाल के लिए बिजली की एक लाइन जाती है। वह लाइन 28किलोमीटर फॉरैस्ट लैंड में जाती है। जब भी बरसात और बर्फ गिरती है तो कहीं अगर एक पेड़ भी गिर जाए तो पूरे चुनाव क्षेत्र की लाइटें बंद हो जाती है। कई बार तो ऐसी स्थिति हो जाती है कि अधिकारियों के टेलीफोन भी चार्ज नहीं होते। तीन-तीन, चार-चार दिन पूरे चुनाव क्षेत्र में लाइट नहीं होती है। इसके लिए भी सरकार कोई ऐसी व्यवस्था करे। मैं भी अढाई साल से इस बात को इस सदन में कई बार उठा चुका हूं। मेरे से पहले भी जो विधायक थे उन्होंने भी कई

बार इस मुद्दे को उठाया है परन्तु आज तक इसकी कोई प्रौपर व्यवस्था नहीं हो सकी और आने वाले समय में भी बर्फ और बरसात के समय में

21/08/2015/1630/ms/ag/2

दिक्कत रहेगी। इसके लिए कोई ऐसी व्यवस्था की जाए कि टावर लाइन ऊंची बनें यानी पेड़ से ऊपर बनें जिससे हमारी ये बिजली की समस्या बर्फ और बरसात के मौसम में न आए ।

अध्यक्ष जी, मेरे चुनाव क्षेत्र में पानी की जो ग्रेविटी लाइनें थी, वे नदी-नालों में बह चुकी हैं। उसमें पाइपों की बहुत सारी समस्या है और आज की तारीख में पानी की सैंकड़ों ऐसी स्कीमें हैं जो गांवों में बंद पड़ी हैं। उसके लिए विभाग के पास सफिशियंट फण्ड नहीं है ताकि उनको शीघ्र चालू कर सके। अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय से यह आग्रह करूंगा कि जो दूर-दराज के चुनाव क्षेत्र हैं जहां पर एकदम यह आपदा प्रबंधक नहीं पहुंच सकते, वहां पर पहले ही बरसात और बर्फ के समय फण्ड का प्रावधान लोक निर्माण, बिजली और सिंचाई एवं जन-स्वास्थ्य विभाग के और एस0डी0एम0 के पास होना चाहिए जो शीघ्र राहत दे सके। हिमाचल प्रदेश के पास 28 हजार करोड़ रुपये का बजट है। जब भी यह आपदा हिमाचल प्रदेश में बर्फ और बरसात के समय में आती है कभी भी समय पर किसी को इसका रिलीफ नहीं मिलता। अगर चुनाव क्षेत्र लैवल पर अधिकारियों के पास सारे फण्ड होंगे, लोक निर्माण विभाग या आई0पी0एच0 के पास अगर अपना पैसा इमीडियेट होगा तो वह मशीनें लगा सकता है और अन्य भी बहुत सारी व्यवस्था कर सकता है। बजट में ऐसा प्रावधान किया जाए जिससे हर चुनाव क्षेत्र में जहां भी आपदा आए, शीघ्र ही अधिकारी वहां उसको खर्च कर सके।

अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से यह भी आग्रह करूंगा कि आपदा के लिए हिमाचल प्रदेश में सभी विधायकों को 10-10 लाख रुपये का हर साल एक फण्ड रखा जाए जो अपने चुनाव क्षेत्र में इमीडियेट उसको खर्च कर सके नहीं तो कभी अधिकारियों से निवेदन करना पड़ता है और कभी सरकार के पास दौड़ना पड़ता है। इस तरह से कभी भी किसी को समय पर सहायता नहीं मिलती है। अध्यक्ष जी, मेरी आपसे विनती है कि मुख्य मंत्री के पास,

जारी श्री जे0के0 द्वारा----

21.8.2015/1635/जेएस/एजी/1

श्री बलबीर सिंह वर्माः------**जारी**------

माननीय अध्यक्ष महोदय, यह बहुत जरूरी है और हर बार बरसात और बर्फ के समय सभी माननीय विधायक यह मुद्दा उठाते आए हैं परन्तु अभी तक इस बारे में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है जिससे गांव के लोगों को शीघ्रता से कोई फायदा दिया जा सके। माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरे चुनाव क्षेत्र में एक नाला ऐसा है जहां 11घराट थे और सभी बह गए। अब वहां पर लोगों के लिए मक्की व गेहूं पीसने की व्यवस्था भी नहीं है। वहां पर न बिजली है और न ही कोई मशीनें हैं। जो हमारे पिछड़े इलाके हैं वहां पर त्राहि-त्राहि मची है। उससे निपटने के लिए सरकार के पास कोई व्यवस्था हो । पटवारी व कानूनगो कहते हैं कि घराट तो रेवन्यू रिकॉर्ड में ही नहीं है ,वह तो फॉरैस्ट लेंड में बना था। कुछ ऐसी व्यवस्था हो कि उनके लिए भी कुछ न कुछ रिलीफ हो। बहुत सारी ऐसी समस्याओं से हम जूझ रहे हैं जो सरकार के माध्यम से गांवों तक नहीं पहुंच रही है। इसके लिए कोई तत्काल रिलीफ फंड हो। तत्काल रिलीफ दिया जाए तो उससे गांव स्तर तक सुविधा मिल सकती है। माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

21.8.2015/1635/जेएस/एजी/2

अध्यक्षः अब श्री बिक्रम सिंह जरयाल जी चर्चा में भाग लेंगे।

श्री बिक्रम सिंह जरयालः अध्यक्ष महोदय, नियम-130 के अन्तर्गत जो प्रस्ताव माननीय सदस्य ,श्री महेन्द्र सिंह जी इस सदन में लाये हैं वह प्रदेश के हित में अति महत्वपूर्ण प्रस्ताव है। मैं ज्यादा न बोलता हुआ अपने विधान सभा क्षेत्र के बारे में थोड़ी सी जानकारी यहां पर दूंगा। जिला चम्बा एक पिछड़ा हुआ जिला है और वहां पर दुर्गम तथा पहाड़ी क्षेत्र हैं। भारी बरसात और बादल फटने से जिला चम्बा में एक साहू पंचायत हैं जहां पर बादल फटा और वहां पर 150 घरों की क्षति हुई। जो साहू गांव है, वहां पर बहुत उपजाऊ जमीन थी उसके ऊपर पूरे का पूरा मलबा आ गया। वहां पर कुछ माल-मवेशी

का भी नुकसान हुआ है। वहां पर एक आदमी मर भी गया है। मेरे विधान सभा क्षेत्र की काथला पंचायत में तीन घर बह गए हैं। जब इस बारे में मैंने जिलाधीश महोदय को फोन किया तो उन्होंने कहा कि मैंने इसके बारे में आदेश दे दिए हैं परन्तु उन्होंने किसी को आदेश नहीं दिए। मैंने एस.डी.एम. को बोला, तहसीलदार को बोला, पटवारी को बोला और पटवारी कहता है कि मुझे किसी का आदेश नहीं मिला कि वहां पर जाओ। मैं यहां पर माननीय मंत्री महोदय से निवेदन करता हूं कि ऐसी जो अनहोनी होती है, उसके लिए प्रशासन को अलर्ट रहना चाहिए। इस काथला पंचायत का पूरा रोड़ ब्लॉक हो चुका है और बन्द पड़ा है। बच्चों के आने-जाने के स्कूली रास्ते भी बन्द हो चुके हैं। यह रोड़ स्लाइडिंग की वज़ह से बन्द हो चुका हैं और जो वहां पर रोड़ है उसके ऊपर पुल नहीं है। पुल न होने की वजह से बच्चे स्कूल नहीं जा पाते हैं। मोदला पंचायत के नंगलोह-गट्टू में एक एस.सी. परिवार है उसका पूरा घर ही बह गया है। उसके लिए भी मैंने प्रशासन से कहा तो हमें यही ज़वाब मिलता है कि हमें वहां जाने के लिए किसी का आदेश नहीं मिला है। जी.पी., घनोटा जो हमारी बहुत बड़ी पंचायत सिहूंता के साथ है, वहां पर एक सड़क का काम चला हुआ है और ठेकेदार डपिंग प्वाईंट में मलबा फेंकने के बजाय वहीं पर मलबा फेंकते हैं। उसकी वजह से वहां पर फ्लड का रूप धारण कर लिया है तथा एक पूरे ही गांव को उससे नुकसान हुआ है। मैंने इस बारे में लोक निर्माण को भी कहा और एस.डी.एम. को भी कहा और उन्होंने कहा कि मैं अभी

21.8.2015/1635/जेएस/एजी/3

पी.डब्ल्यू.डी. की लेबर को भेजता हूं लेकिन वहां पर कोई नहीं गया। वहां की एक महिला प्रधान उसी गांव की रहने वाली है वह रोती हुई मेरे पास आई। उसके साथ मैं गया और कानूनगो तथा पटवारी को मैंने अपनी गाड़ी में बिठाया और उनको कहा कि कम से कम वहां का मौका तो करो। लोगों को थोड़ा विश्वास हो जाता है कि प्रशासन ऐसे समय में हमारे पास आ रहा है। माननीय अध्यक्ष महोदय, यहां पर माननीय मंत्री महोदय भी बैठे हैं यह जो घनोटा पंचायत का मसला है वहां पर बहुत भारी स्लाइडिंग ऊपर से आ रही है। वहां से पूरे का पूरा मलबा बह करके गांव की तरफ आ रहा है। लोगों ने वहां से गांव छोड़ दिया है और अब वे रात को गांव में नहीं सोते हैं। रात को वहां से लोग दूसरे गांवों में चले जाते हैं। कोटी-लोदरगढ़ जहां पर पिछले छः सालों से वहां पर डबल लेन रोड़ का काम चला हुआ है। द्रम्मण-सिहूंता रोड़ पिछले डेढ़ महीने से बन्द है। मेन रोड़ बड़यागर से चम्बा को जाने के लिए यह रोड़ शाहपुर-द्रमण से होकर

चुवाड़ी हो कर चम्बा को जाता है लेकिन वह रोड़ बन्द है। वहां पर स्लाइडिंग हो रही है और ऊपर से घर आ रहे हैं। यहां पर जैसे माननीय सदस्य, श्री वर्मा जी बोल रहे थे कि जो घर फोरैस्ट लैंड में हैं ,उनका मुआवज़ा नहीं देंगे। कई घर स्लाईड में चले गए। नीचे जो पी.डब्ल्यू.डी. डंगा आज लगा रही है वह दूसरे दिन बह रहा है।

श्री एस.एस. द्वारा जारी-----

1/21.08.20156/40SS/AS/1

श्री बिक्रम सिंह जरयाल क्रमागतः

तो वहां पर उस रोड को चलाने के लिए डबल लेन का काम चला हुआ है। उसको चले हुए 6 साल हो गए हैं। हर सत्र में मैं इस चीज़ को रखता हूं परन्तु मेरे ख्याल में प्रशासन और सरकार का उस तरफ कोई ध्यान नहीं है। जब भी मैं आता हूं तो वाया नूरपुर-बद्दी होकर आता हूं जोकि हमारे अजय महाजन जी की कांस्टीचूऐंसी है, इधर से होकर हम अपनी कांस्टीचूऐंसी जाते हैं। ग्राम पंचायत मनहोता, यह पिछले साल भी गांव स्लाइड में बह गया था और अभी तक सरकार ने इनको पुनर्वास के लिए जगह नहीं दी। जी0पी0 मनहोता में गांव कुट, तलाई, गदेड़ और सामू हैं। रोड बह गया है। कुछ घर बह गए थे, उनको खैर मुआवजा दिया गया। दूसरी जगह बसाया। कुछ बह रहे हैं। कुछ छोड़ कर चले गए हैं। उनके पास अपनी जमीन नहीं है जिस पर वे मकान बना सकें। पिछले साल से मैं इस काम में लगा हूं। डी0सी0 को बोल चुका हूं, कई बार एस0डी0एम0 को मौके पर ले गया हूं, तहसीलदार को भी ले गया हूं परन्तु उन्होंने अभी तक उनके लिए एक स्थाई जगह नहीं दी, जहां पर वे अपना मकान बना सकें और सेफ़ रह सकें। ग्राम पंचायत, बिन्ना में एक डलवासा गांव है, यहां पर लैंडस स्लाइड हुई है। पूरा जो फ्लड था वह एक जगह पर आ गया। उन लोगों को अपना घर छोड़कर दूसरी जगह जाना पड़ा है। अब तो आहिस्ते-आहिस्ते पानी बह गया है परन्तु आज तक प्रशासन वहां नहीं गया। वहां पर कोई नहीं जाता है। एक पटवारी तक भी नहीं जाता। मुझे ऐसा लग रहा है कि प्रदेश में सरकार है ही नहीं। या मेरी कांस्टीचूऐंसी में ऐसा है या आप सभी के ऐसा है, मुझे इस चीज़ का पता नहीं। परन्तु मेरी कांस्टीचूऐंसी में ऐसा लग रहा है कि सरकार है नहीं। विकास के नाम पर पिछले तीन सालों में एक पत्थर नहीं लगा। स्कूलों की, स्वास्थ्य केन्द्रों की, जितने भी डिपार्टमैंटस हैं उनकी बहुत दयनीय स्थिति है। स्टाफ नहीं है। कल भी पेपर में आया हुआ था कि एक स्कूल पांच दिन से बंद है। ताला लगा हुआ है। जब स्कूल में मास्टर है ही नहीं तो स्कूल में बच्चे क्यों भेजेंगे? ग्राम पंचायत,

सुदली में एक चम्बी गांव है वहां पर 500 मीटर रोड बैठ गया है। उसकी वजह से कम-से-कम 30 गांवों को नुकसान हुआ है। मैंने एक्सियन को बोला, वह वहां गया लेकिन उन्होंने किया कुछ नहीं। रोड पूरा बैठ गया है। रोड तो बंद हो गया है। जो खैरी के लिए नैनी खड्ड से रोड जाता है वह रोड तो बंद पड़ा है परन्तु उसके बचाव कार्य के लिए पी0डब्ल्यू0डी0 ने कुछ नहीं किया। वे बोलते हैं कि लोग बताएं। मैंने कहा कि उसमें ड्रेन बनाओ, ड्रेन बनाकर पानी एक तरफ फेंको ताकि वह जगह बैठने से बच जाए

1/21.08.20156/40SS/AS/2

और लोगों का नुकसान न हो। उस रोड पर जमीन और घर भी बैठ रहे हैं। ग्राम पंचायत, थुलेल में अनाई (Anaie) गांव है वहां पर पिछले साल बहुत लैंडस स्लाइडिंग हुई। दो लोगों के घर चले गए, उनको अभी तक घरों का पैसा नहीं मिला। इतनी दयनीय स्थिति है इसलिए मैं मजबूर होकर बोल रहा हूं कि वैल्फेयर का जो पैसा देते हैं यानी वैल्फेयर में जो पैसा जाता है अगर इन लोगों को मिले जिनके घरों का नुकसान हुआ है तो वे अपना रैन-बसेरा बना सकते हैं परन्तु पैसा नहीं मिल रहा। घरों का पैसा उनको मिल रहा है जिनके घर में चिप्स और टाइलें डली हुई हैं। उनको पैसा सैंक्शन हो रहा है, पता नहीं कौन करता है। तो यह थोड़ी-सी हिदायत डी0सी0 और वैल्फेयर ऑफिसर को दी जाए कि वे सपॉट पर जाकर चैक करें कि किसको घर की ज़रूरत है और उसी को घर दिया जाए।

अध्यक्ष महोदय, मैं एक मिनट और लूंगा। एक ग्राम पंचायत, खरगट है। उसमें पुखर गांव है उसके नीचे की पूरी जमीन स्लाइड हो गई है। वही बात आ गई, मैंने पिछले सत्र में भी बोला था कि विधायक लोग अपनी निधि से डंगा, रिटेनिंग वॉल या क्रेट वर्कस नहीं दे सकते। पिछली बार दिया था तो डी0सी0 ने क्वैश्चन मार्क लगा दिया था तो ऐसा प्रावधान होना चाहिए क्योंकि सॉयल वाले नहीं लगा रहे हैं। डी0सी0 को बोलो कि पीस वॉल लगाएं तो वहां पर उनकी रोकथाम की जा सकती है ताकि समय पर उसका उपचार हो सके और लोगों का नुकसान ज्यादा न हो। बाकी जितने भी मेरे रोडस हैं लहारू-चवाड़ी कालीघार की वजह से बंद है। उसका कोई भी ऑल्टरनेटिव आज तक सरकार ने नहीं किया। मैं उसके लिए कई बार बता चुका हूं कि लहारू के लिए चवाड़ी से जतरून-जंगला होकर एक ऑल्टरनेटिव रोड है ताकि उस घार से निज़ात मिल सके। हमारा सब-डिवीजनल हैड-क्वार्टर है वह एक आईलैंड बन जाता है, एक टापू बन जाता है वहां पर बरसात के दिनों में कोई नहीं जा सकता। वहां कॉलेज भी बंद है,

उस घार की वजह से कॉलेज के बच्चे भी नहीं जा सकते। लहारू-चम्बा-तुनहट्टी रोड बंद है। मैंने बताया कि सिहूंता-चवाड़ी रोड तो काफी समय से कालीघार है, नालगलाघार है और आगे हमारी तुनहटी पंचायत में एक घार है उसकी वजह से वह भी बंद पड़ा है।

जारी श्रीमती के0एस0

/1645/21.08.2015केएस/एएस1/

श्री बिक्रम सिंह जरयाल जारी---
पीछे मैंने वहां पी.डब्ल्यू.डी. के जे.ई.को फोन किया । जे.ई. साहब ने जवाब दिया कि सभी को पता है कि रोड़ बन्द है, यह कोई नई बात नहीं है। मैंने ई.एन.सी. साहब को चिट्ठी लिखी लेकिन उसका भी कोई जवाब नहीं आया। मैं सरकार से, मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि इन अधिकारियों को क्या सैलरी नहीं मिलती है? उनको काम के लिए कहा जाता है, रोड़ क्यों बन्द है, कब खुलेगा इसके लिए पूछा जाता है तो उनका नैगेटिव जवाब होता और यहां तक कि एस.डी.एम. भी नैगेटिव जवाब देते हैं। कृपया जो भी नुक्सान जहां पर भी हो रहा है, सरकार अपने सरकारी कर्मचारियों को वहां भेजे और उसका ऐस्टिमेट बनाकर समय पर पैसा दिया जाए ताकि लोगों का नुक्सान कम हो और लोगों में जो ऐसे समय में एक दहशत पाई जाती है, उससे उनको राहत मिले। अध्यक्ष महोदय, आपने समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

/1645/21.08.2015केएस/एएस2/

अध्यक्षः अब श्री मोहन लाल ब्राक्टा जी चर्चा में भाग लेंगें। कृपया ब्रीफ में अपनी बात कहें।

श्री मोहन लाल ब्राक्टाः अध्यक्ष महोदय, नियम 130पर चर्चा में भाग लेने के लिए मैं यहां पर खड़ा हुआ हूं। मेरे से पूर्व वक्ताओं ने काफी विस्तार से इस सम्बन्ध में चर्चा कर ली है । प्रदेश में अभी भारी वर्षा से, बादल फटने से जो नुक्सान हुआ है, मैं भी इस सम्बन्ध में अपने चुनाव क्षेत्र की बात करना चाहूंगा। जैसा कि मेरे से पूर्व श्री रोहित ठाकुर जी ने भी ज़िक्र किया था कि रोहडू, जुब्बल, कोटखाई, चौपाल की जो हमारी शिमला बैल्ट है, में सेब का सीज़न पीक पर है और आजकल जो बादल फटे हैं, मेरे चुनाव क्षेत्र में भी बादल

फटे हैं। उससे सड़कों को और लोगों के मकानो को काफी नुक्सान हुआ है। बगीचों को भी काफी नुकसान हुआ है। मेरे चुनाव क्षेत्र में एक उनमें भारी वर्षा के कारण बहुत ज्यादा नुकसान हुआ है । सड़कों के अलावा बगीचों और मकानों को काफी क्षति हुई है। एक नेपाली मूल के व्यक्ति की मृत्यु हुई है। इसके अलावा उसके साथ ही कच्छारी पंचायत है वहां पर भी बादल फटने से काफी नुकसान हुआ है और वहां पर भी एक स्थानीय निवासी श्री करतार सिंह जी जिनकी आयु लगभग 63 वर्ष थी वे उसमें बह गए हैं। इसके अलावा समरकोट पंचायत का नस्सारी गांव है और भी कई जगह पूरे विधान सभा क्षेत्र में नुकसान हुआ है। मैं सरकार को खासकर लोक निर्माण विभाग को बधाई देना चाहूंगा बावजूद इसके कि भारी वर्षा के कारण काफी नुक्सान हुआ है ,फिर भी उन्होंने कुछ ही घंटों के अंदर तकरीबन सारे रोड़ बहाल कर दिए। मैं आपको बताना चाहूंगा, हमारा आजकल जो मेन रोड़ है, वह है सुंगरी-खदराला-नारकंडा रोड़ जहां से आजकल सेब के बड़े-बड़े ट्राले और ट्रक आ रहे हैं, वह रोड़ भी दो दफा कुछ घंटों के लिए अवरुद्ध रहा था परन्तु विभाग ने बड़ी मशक्त के बाद उस रोड़ को बहाल कर दिया।

अध्यक्ष महोदय, यहां पर रिलीफ मैनुअल की भी बात आई है। मैं भी कुछ सुझाव देना चाहूंगा क्योंकि मेरे पास भी ऐसे कई केसिज़ आए हैं जिनके कि मकान के साथ लैंड सलाईड हुई है और उनके मकानों को खतरा है। मैंने इस सम्बन्ध में

/1645/21.08.2015केएस/एएस3/

राजस्व विभाग से बात की थी तो उन्होंने कहा कि हम तब राहत देंगें अगर उस मकान में दरारें पड़ेगी या मलबा पड़ेगा क्योंकि रिलीफ मैनुअल में हमारे पास अभी तक ऐसा प्रावधान नहीं है। मैं भी चाहूंगा कि अगर ऐसी स्थिति है तो उसमें प्रावधान किया जाए कि अगर किसी के मकान के साथ लैंड स्लाइड हो गई है, उससे किसी मकान को खतरा हो गया है तो उसको राहत देने का प्रावधान हो। इसी तरह से बगीचों में भी लैंड स्लाईड हुई है, जमीने गिर गई उस सम्बन्ध में भी रिलीफ मैनुअल में कुछ अमैंडमैंट की जाए। माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से विभाग से आग्रह करना चाहूंगा कि---

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी--

21.8.2015/1650/av/dc/1

श्री मोहन लाल ब्राक्टा -----**जारी**

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से विभाग से आग्रह करना चाहूंगा क्योंकि अगस्त और सितम्बर माह सेब सीजन का है। वैसे तो मैंने पहले भी कहा कि लोक निर्माण विभाग बहुत अच्छा काम कर रहा है मगर फिर भी जहां पर दो मशीनें रखी हैं वहां पर तीन मशीनें रखी जाएं ताकि हमारे बागवानों का सेब मण्डी में समय पर पहुंच सके और उनको उनकी फसल का ठीक पैसा मिले। हम सभी जानते हैं कि यह फसल हमारे बागवानों की पूरे साल की कमाई होती है। यहां पर माननीय सदस्य श्री बलबीर सिंह वर्मा जी ने अपनी बात रखी और मैं भी यह कहना चाहता हूं कि मेरे निर्वाचन क्षेत्र में भी भारी वर्षा और बर्फ के कारण बिजली की बहुत दिक्कत है। मेरे ही नहीं बल्कि इसका असर जुब्बल-कोटखाई तक पड़ता है। मेरे विधान सभा क्षेत्र में बिजली नोगरी से आती है। वहां काफी जंगल है और थोड़ी सी वर्षा या बर्फ पड़ने के कारण कई घंटों तक बिजली चली जाती है। मैं इसके लिए माननीय ऊर्जा मंत्री जी से आग्रह करना चाहूंगा कि इस बारे में भी विचार किया जाए।

मैं मान्य सदन का ज्यादा समय न लेता हुआ अपनी बात यहीं पर समाप्त करता हूं, धन्यवाद।

समाप्त

21.8.2015/1650/av/dc/2

श्री सुरेश कुमार : अध्यक्ष महोदय, नियम 130 के अंतर्गत जो प्रस्ताव ठाकुर महेन्द्र सिंह जी ने इस सदन में लाया है मैं भी उस पर अपने विचार रखने के लिए खड़ा हुआ हूं।

पिछले दिनों पूरे हिमाचल प्रदेश में भारी बरसात हुई। यहां मेरे से पूर्व काफी सदस्यों ने अपने-अपने विधान सभा क्षेत्रों के बारे में अपनी बात रखी। मेरे पच्छाद विधान सभा क्षेत्र में भी पिछले दिनों भारी वर्षा हुई। अभी 13 अगस्त को लगभग साढ़े पांच बजे से साढ़े छः बजे के बीच हमारा चौपाल के साथ जो राजगढ़ का लगता हुआ क्षेत्र है वहां काशगीसेर में पहाड़ की चोटी पर बादल फटा। वहां से पानी का तेज बहाव निकला। हमारा बलबीर वर्मा जी के चौपाल के साथ लगते डाटूखाड़ी, नौराखड्ड, बजैटुखड्ड और

कंडानाला इत्यादि में पानी का तेज बहाव आया। कंडानाला में तो दो नौजवानों को अपनी जान गंवानी पड़ी। वहां पर पानी का बहाव इतना तेज था कि एक नौजवान को दो किलोमीटर तक ले गया। आप खुद ही आकलन कर सकते हैं कि एक छोटी सी खड्ड में कितने फ्लो के साथ पानी आया होगा। इसमें दो नौजवान; एक 33 वर्षीय सितेन्द्र ठाकुर और दूसरा 22 वर्षीय तरुण ठाकुर को अपनी जान गंवानी पड़ी। इस बादल फटने की घटना से राजगढ़ ब्लॉक में मुख्यता मटलभखोग, टाली-भुज्जल, नेटी-भगोट, जड़ोल टपरोली, शायासनौरा, हब्बन ,नेरी कोटली, भूरिया, दाहन, छोगटाली पंचायतों में लोगों का भारी मात्रा में नुकसान हुआ। इसमें लोगों की जमीन बह गई और टमाटर की फसल पूरी तरह से तबाह हो गई। लोगों के सेब के बगीचे पूरी तरह से ध्वस्त हो गये। लोगों के मकान तबाह हो गये। वहां पर लगभग दो दर्जन घरों को आंशिक रूप से और 8 मकान पूरी तरह ध्वस्त हो गये। इसके अतिरिक्त बहुत सारी गोशालाएं ढह गईं। करमोटी गांव में बहुत नुकसान हुआ, वहां पर सुरेन्द्र कुमार नामक व्यक्ति की चार गाय और दो बकरियां पानी के तेज बहाव में बह गई-----

श्री टी.सी.द्वारा जारी

21/08/2015/1655/TC/AS/1

श्री सुरेश कुमार ----- जारी

इसके अलावा बहुत सारी खच्चरें और दूसरे पशु इस भारी बहाव में बह गये और करमोटी गांव जो पछौता क्षेत्र में पड़ता है, वहां पर करीब डेढ़ दर्जन मकान जिसमें घरों में मलवा घुस गया । जो खडड मकान व रिहायशी क्षेत्र से 25 से 30 फुट दूर बहती थी वह गांव में आ गई । पानी का बहाव इतना तेज था कि जहां पर पानी गिरा वहां पर 18 से 20 फुट का गहरा गडडा हो गया । लोग अपने घरों को छोड़कर पहाड़ों के ऊपर चढ़ गये , गनीमत यह रही कि समय जिस पानी आया उस समय शाम का समय था, अगर कहीं मध्य रात्री में इस प्रकार की घटना होती तो शायद लोगों को अपनी जान भी गवानी पड़ती । इसी प्रकार से नौहरा खड्ड में भी भारी नुक्सान हुआ। इस खड्ड के साथ-साथ लगती एक ऐसी बस्ती थी जिसमें लगभग् 38 परिवार रहते थे, जिनमें छोटे-छोटे किसान जिनके पास एक और डेढ़ बिघा जमीन थी और उसमें टमाटर की फसल थी, जो पूरी तरह तबाह हो गई । बहुत गरीब लोग हैं उनकी टमाटर की फसल और जमीन जिसमें डेढ़ से दो फुट तक मलवा आ गया है। कुछ खेत बह गये हैं । इस प्रकार से भारी नुक्सान वहां पर हुआ । इसी खड्ड में सात घराट थे, जिनका नामोनिशान नहीं रहा । इस क्षेत्र में एक भी आटा चक्की नहीं हैं जहां पर ये लोग अपना अनाज पीसवा सके ।

मैंने यह बात डी0सी0 सिरमौर और एस0डी0एम0 के ध्यान में भी लाई थी तो एस0डी0एम0 महोदय ने आश्वासन दिया था कि हम जो डिपू हॉल्डर हैं उनको कहेंगे कि वहां पर अतिरिक्त राशन रखें। भारी तबाही इस क्षेत्र में हुई, लोगों की सैंकड़ो बिघा जमीन इस तबाही में बह गई। नौहरा खड्ड जहां पर पुलवाहल को जोड़ने वाला सनौरा पुलवाहल एक ब्रिज था, वह क्षतिग्रस्त हो गया। इसके अलावा बजैतू खड्ड पर बना पुल वह भी ध्वस्त हो गया। छोटे-छोटे कई पुल भी ध्वस्त हो गये। एक पेयजल योजना बथावधार-ब्राईला पुल के पुरी तरह तहस-नहस हो गई। इसके अलावा बहुत सी छोटी-छोटी सड़कें जो पुल जो पुरी तरह से नष्ट हो गई। इस समय गोटारी-पार सड़क जोकि ब्लॉक ने बनाई थी, मैंने डी0सी0 महोदय के ध्यान में भी लाया, ये सड़क पूरी तरह बह गई है। स्थानीय लोगों ने और एस0डी0एम0 महोदय ने वहां पर साईड में अलटर्नेट सड़क

21/08/2015/1655/TC/AS/2

बनाने के लिए प्रयास किए। परन्तु खेद का विषय है कि फॉरेस्ट डिपार्टमैंट ने उस सड़क को बनने नहीं दिया। क्योंकि इसमें वन भूमि आती थी, मेरा वनमंत्री महोदय, मुख्यमंत्री महोदय से यह निवेदन रहेगा कि जब इस प्रकार की त्रासदी आए उस समय ये नहीं देखना चाहिए कि वन भूमि है, वहां पर कोई भी रास्ता हो निकालना चाहिए क्योंकि वहां पर लोगों की टमाटर की गाड़ियां फंसी थी। सेब की गाड़ियां फंसी थी, ऐसे समय में वन विभाग का इस प्रकार से इस रास्ते को न खोलने देना बहुत ही बागवान विभाग की असंवेदनहीनता को दर्शाता है। इसी प्रकार से एक बहुत बड़ी समस्या जो पिछले दिनों आई हमारे क्षेत्र में जो एक पझौता सब-तहसील है, वहां पर जहां यह त्रासदी आई वहां पर एक मात्र पटवारी है। एक पटवारी के पास सात से आठ पंचायतें हैं, इससे आप खुद ही अंदाजा लगा सकते हैं कि इस बारिश से जो तबाही हुई उसका किस प्रकार से एक पटवारी आंकलन कर सकता है।

अध्यक्ष : इस सदन की बैठक 15 मिनट के लिए और बढ़ाई जाती है।

(5 00.बजे सदन की बैठक 5.15 बजे अपराह्न तक बढ़ाई गई।)

माननीय अध्यक्ष महोदय जब मैंने उनसे दुरूखास्त की कि कही से पटवारियों को डिब्यूट किया जाये ताकि बारिश से जो भारी नुक्सान हुआ है उसका जायजा लिया जा

सके । एस0डी0एम0 महोदय कहने लगे कि विधायक महोदय आपको क्या बताऊँ पटवारियों की स्थिति बहुत ही दयनीय है । मेरे विधान सभा क्षेत्र में 42 पटवार सर्कल में 22 पटवार सर्कल ऐसे हैं जहां पर पटवारी नहीं हैं । एक-एक पटवारी के पास सात-सात पटवार सर्कल हैं । तो आप अन्दाजा लगा सकते हैं कि कैसे इस भारी तबाही का आंकलन किया जा सकता है । राजस्व मंत्री यहां पर है मेरा उनसे

21/08/2015/1655/TC/AS/3

निवेदन रहेगा कि चाहे पटवारियों को डब्यूट करके या और पटवारियों की नियुक्ति करके जो भारी तबाही हुई है उसका आंकलन किया जाये ।

श्रीमती एन0एस 0द्वारा जारी----------

21.8.2015/1700/ns/ag/1

श्री सुरेश कुमार------- जारी

यहां पर राजस्व मंत्री जी बैठे हैं। मेरा मंत्री जी से आग्रह रहेगा कि पटवारियों को डिप्यूट करके या और पटवारियों की पोस्टिंग करके वर्षा के कारण हुई भारी तबाही का आकलन किया जाए और उसकी रिपोर्ट शीघ्रातिशीघ्र मंगवाकर लोगों को राहत प्रदान की जाए। इसके अतिरिक्त वहां पर जो फौरी राहत दी गई वह मात्र थोड़े से गिने-चुने लोगों को दी गई। वहां पर मात्र डेढ़ क्विंटल अनाज भेजा गया। हमारे पझौता क्षेत्र में करीब-करीब डेढ़ दर्जन परिवार और दूसरी तरफ राजसमंदर क्षेत्र में भी 35से 40 परिवार ऐसे थे जिनको भारी क्षति का सामना करना पड़ा। मेरा सरकार से आग्रह रहेगा कि वहां पर प्रभावित लोगों को शीघ्रातिशीघ्र फौरी राहत पहुंचाई जाए। वहां पर छोटे-छोटे किसान जिनके पास केवल एक-डेढ़ बीघा जमीन थी वह भी पूरी तरह ध्वस्त हो गई है। मैं सरकार से यह भी निवेदन करना चाहूंगा कि जिन लोगों की भूमि बह गई है उनको कहीं दूसरी जगह जमीन दी जाए। मैंने यहां पर जिन चार खड्डों के बारे में बात की है उनका चेनेलाइजेशन किया जाए। पानी का बहाव जो बस्ती की तरफ मुड़ा है वहां पर जे.सी.बी. इत्यादि लगवाकर खड्ड को दूसरी साइड से थोड़ा गहरा किया जाए ताकि वहां पर दूसरी बार इस प्रकार की तबाही न हो। इस प्रकार की तबाही होने पर प्रशासन भी अपनी संवेदनशीलता का परिचय देते हुए शीघ्रातिशीघ्र लोगों को अधिक-से-अधिक सहायता मुहैया करवाये।

अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, धन्यवाद।

समाप्त

21.8.2015/1700/ns/ag/2

श्री राम कुमार : अध्यक्ष महोदय, आज इस सदन में चर्चा के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय लाया गया है। इस विषय के अंतर्गत विभिन्न माननीय सदस्यों ने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्र की समस्या रखी। मैं भी अपने दून निर्वाचन क्षेत्र में भारी वर्षा के कारण फसलों और सड़कों को हुए नुकसान के बारे में दो शब्द कहूंगा।

जहां पर सड़कों का नुकसान पूरे प्रदेश में हुआ है, मैं सरकार को धन्यवाद देना चाहूंगा कि जैसे हमारी पट्टा-बनलगी सहित अन्य मुख्य सड़कें बंद थीं उनको सरकार ने तुरंत प्रभाव से राहत देते हुए खोला। हर वर्ष वर्षा होती है और उसके कारण लाखों-करोड़ों रुपये का नुकसान होता है। इस नुकसान से बचने के लिए विभाग को निर्देश देने की आवश्यकता है। निर्देश इस प्रकार से होने चाहिए कि जो हमारी मुख्य सड़कों की नालियां हैं उनको बरसात के मौसम से पहले दुरुस्त किया जाए। मैं तीन-चार दिन पहले पहाड़ी क्षेत्र के दौरे पर गया था। उन दिनों काफी बरसात हुई और मैंने देखा कि सड़कों पर पानी नदी की तरह बह रहा था। सड़कों के साइड बनी नालियां बंद हो चुकी है। मेरा सरकार से आग्रह है कि हमारी जो मुख्य सड़कें हैं या हमारे सम्पर्क मार्ग हैं उनकी रिपेयर करने से पहले उनकी साइड में बनी नालियों को पक्का करके दुरुस्त किया जाए ताकि हर बरसात में वर्षा के कारण होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। बरसात के बाद अगर हम सड़कों पर ऐसे ही पैच वर्क करेंगे तो वह टिकेगा नहीं क्योंकि उनका रोड़ी, गटका या जो बैड है वह सारा निकल चुका है। हमारा बनलगी-चण्डी-कुनिहार रोड टोटली क्षतिग्रस्त हो चुका है। पट्टा-गोयला रोड, घरेड़-साईं, घरेड़-पट्टा, साई-घवासनी, टेडा-घवासनी हमने इसमें परसों वन महोत्सव किया। इसमें हमने गाड़ियों से गाड़ी बांध कर निकाली। यह रोड बहुत बुरी हालत में है। बद्दी-साई रोड, बरोटीवाला-गोनाही रोड नालागढ़ गुरुकुल सड़क; इन मुख्य सड़कों की नालियां इत्यादि बंद पड़ी है। मैं सरकार से आग्रह करूंगा कि हमारे दो डिविजन नालागढ़ और दून पड़ते हैं। कसौली और नालागढ़ विशेषतौर पर औद्योगिक क्षेत्र भी है। इन सड़कों पर वाहनों

21.8.2015/1700/ns/ag/3

का भारी रश है। इनको दुरुस्त करने के लिए विशेष राशि मुहैया करवाने की कृपा करें। इसके साथ-साथ मेरा सरकार से यह अनुरोध रहेगा कि आजकल फसल का मौसम है। किसानों की टमाटर और गोभी की फसलें खेतों में पड़ी है। हमारे जो भी मुख्य सड़कों को जोड़ने वाले सम्पर्क मार्ग हैं वे पंचायतों द्वारा बनाये गये हैं। पंचायतों की सड़कों की रिपेयर के लिए अगर हम विभाग को कहते हैं तो हमें यह जवाब मिलता है कि यह पंचायत का रोड है और हम इसकी रिपेयर नहीं कर सकते। इसलिए मेरा आग्रह है----

श्री नेगी जी द्वारा जारी

21.08.2015/1705/negi/ag/1

श्री राम कुमार .. जारी..

तो मेरा हिमाचल प्रदेश के सभी उपायुक्तों से आग्रह है कि जो हमारे पंचायत रोड़ज हैं उनके लिए विशेष बजट का प्रावधान करके जो हमारे संबंधित विकास खण्ड कार्यालय हैं उनको तुरन्त मुहैया करवाया जाए ताकि हमारी जो पहाड़ी पंचायतें हैं जिनका मैं जिक्र करना चाहूंगा, मेरे क्षेत्र में जारला, कुठाड़, जगजीतनगर, कांगुडी, बागुडी,धाडवा, बुहार-पनेतां, बडलग, चण्डी, गोएला,शाएसी, पट्टा नाली, पट्टा बाडियां, साई-बोअसरीं एवं गरेड़ जो पिछड़ी पंचायतें हैं, इन पंचायतों की जो टोटल सड़कें हैं वे बन्द पड़ी हैं। मेरा आग्रह रहेगा कि विशेष पैकेज़ दे करके इन सड़कों को तुरन्त प्रभाव से ठीक करवाया जाए ताकि हमारे ज़मींदारों की फसल खेतों में न सड़ कर मण्ड़ी में पहुंच सकें। मैं ज्यादा समय नहीं लूंगा, क्योंकि समय काफी हो चुका है । मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का और सरकार का पुनः धन्यवाद करना चाहूंगा कि इस क्षेत्र के लिए बी.बी.एन.डी. माध्यम से सड़कों के मुरम्मत हेतु जो मेरा प्लेन क्षेत्र है उसके लिए 20 करोड़ रूपये का प्रावधान किया है, इसके लिए मैं सरकार का धन्यवाद करना चाहूंगा।

21.08.2015/1705/negi/ag/2

अध्यक्षः क्योंकि सभी पक्षों के सभी सदस्यों को बोलने का पूरा मौका दिया गया है और सब बोल चुके हैं। इस चर्चा का उत्तर सोमवार को माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी देंगे। लेकिन आज इस सभा को स्थगित करने से पहले श्री महेन्द्र सिंह जी कुछ बोलना चाहेंगे।

श्री महेन्द्र सिंह : धन्यवाद, अध्यक्ष जी। मैं क्षमा चाहूंगा कि बोलती बार एक-दो जो मेरे सुझाव थे वो रह गए हैं। मेरा एक सुझाव यह था कि जो रिलीफ मैनुअल है, मेरा माननीय मंत्री जी से अनुरोध है कि उस रिलीफ मैनुअल को अमैंड करके उत्तराखंड की दर्ज़ पर बनाएं।

दूसरा, जिस स्पैसिफिक क्षेत्र का नुकसान हुआ है, जब आपदा प्रबन्धन की राशि आती है तो उसका डिस्ट्रिब्युशन क्षेत्रवाइज़ किया जाए तो ज्यादा अच्छा रहेगा। अध्यक्ष जी आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

अध्यक्षः अब इस मान्य सदन की बैठक सोमवार, 24 अगस्त, 2015 के 2.00 बजे अपराह्न तक स्थगित की जाती है।

सुन्दर सिंह वर्मा,
सचिव।

शिमला-171004
दिनांकः 21 अगस्त, 2015.

* * * * *